वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच

बुधवार, 18 फरवरी, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 48, पेज 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 174 अंकों की उछाल

स्थानीय शेयर बाजार में दूसरे दिन तेजी रही और तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173 .81 अंक चढ़कर 83,450 .96 अंक पर बंद हुआ। } 14

एआई एक्सपो में असुविधा के लिए वैष्णव ने मांगी माफी

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में उपस्थित लोगों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगी और कहा कि सम्मेलन का संचालन सुचारू रूप से करने के लिए आयोजक लगातार काम कर रहे हैं। } 16

संक्षेप

सलमान के पिता सलीम खान अस्पताल में भर्ती

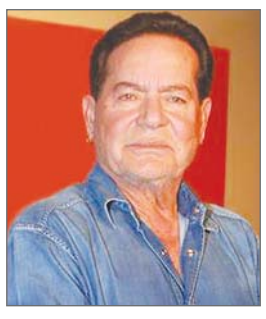

मुंबई। वरिष्ठ पटकथा लेखक सलीम खान को मंगलवार को मुंबई के बांद्रा स्थित लीलावती अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया। सलीम खान ने जावेद अख्तर के साथ मिलकर शोले, दीवार और डॉन जैसी सुपरहिट फिल्में लिखी हैं।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

पाल्लेकल। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप ग्रुप बी का मैच बारिश में धुलने के बाद सुपर आठ में प्रवेश कर लिया जबकि पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया और आयरलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला जिससे जिम्बाब्वे के पांच अंक हो गए। अब 26 फरवरी को पहले सुपर आठ मुकाबले में चेन्नई में जिम्बाब्वे का सामना भारत से होगा। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा, हमने अभी लक्ष्य हासिल नहीं किया है, बस उसकी ओर कदम बढाया है। थोड़ा बहुत जश्न होगा लेकिन फोकस अगले मैच पर है। पिछली बार टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने से चूकी जिम्बाब्वे सुपर आठ में पहुंचने वाली सातवीं टीम बन गई। ग्रुप वन में भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज भी सुपर आठ में पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे को आखिरी ग्रुप मैच 19 फरवरी को श्रीलंका से खेलना है। श्रीलंका छह अंक लेकर पहले ही सुपर आठ में पहुंच चुका है। आस्ट्रेलिया के दो अंक है जिसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका ने हराया।

बदमाशों ने की बच्ची की हत्या

मुजफ्फरनगर। जिले के शाहपुर क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने चार साल की एक बच्ची को पानी की टंकी में फेंककर उसकी हत्या कर दी और उसकी मां को चाकू से प्रहार करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि शाहपुर थाना क्षेत्र के बसीकला गांव में सोमवार देर रात घर में घुसे अज्ञात बदमाशों ने फिरदौस (40) को चाकू से प्रहार करके घायल कर दिया। हमले में उसके तीन बच्चों - साद (10), आयशा (8) और नवीदा (3) को भी चोटें आयीं। फिरदौस की चार साल की बच्ची इशरा लापता हो गयी। पहले शक हुआ कि हमलावर उसे अगवा करके ले गये हैं मगर बाद में उसका शव पानी की टंकी में पाया गया। बदमाशों ने बच्ची को टंकी में फेंक दिया था।

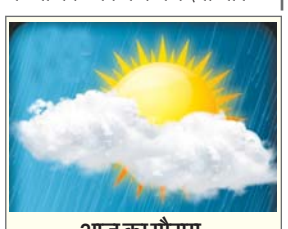

आज का मौसम

अधिकतम : 27.06 डिसे.

न्यूनतम : 14.00 डिसे.

भीतर पढ़ें

- जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र न बनने पर सपा का हंगामा (पृष्ठ-02)
- डिजिटल सर्विलांस से संचारी रोगों में आई कमी (पृष्ठ-02)
- रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 90.69 पर बंद (पृष्ठ-14)
- असम में 62,294.78 करोड़ का बजट पेश (पृष्ठ-14)
- कच्चे तेल का वायदा भाव में गिरावट (पृष्ठ-14)

यूपी बोर्ड परीक्षाएं आज से 53 लाख छात्र होंगे शामिल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी को शुरू होंगी। इसमें 53 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे। राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक, यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी को शुरू होंगी, जो 12 मार्च को सम्पन्न होंगी। इसमें हाईस्कूल के 27 लाख 61 हजार 696 और इंटरमीडिएट के 25 लाख 76 हजार 82 यानी कुल 53 लाख 37 हजार 778 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बयान के मुताबिक, परीक्षाओं के लिए प्रदेश में कुल 8033 केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 596 राजकीय, 3453 अशासकीय सहायता प्राप्त और 3984 स्ववित्त पोषित विद्यालय शामिल हैं। प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने परीक्षा से एक दिन पहले मंगलवार को शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), लखनऊ शिविर कार्यालय में स्थापित राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन किया। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस वर्ष परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 222 परीक्षा केंद्रों को अति संवेदनशील ...शेष पृष्ठ 14 पर

तकनीक आधारित और पारदर्शी होगी परीक्षा

रक्षा, व्यापार व प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ायेंगे भारत-फ्रांस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एयरबस एच125 हेलीकॉप्टरों उत्पादन इकाई का किया उद्घाटन

एजेंसी

नयी दिल्ली/मुंबई। भारत और फ्रांस ने द्विपक्षीय संबंधों को मंगलवार को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के मुकाम तक पहुंचाया और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने बढ़ते भू-राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच125 हेलीकॉप्टरों के उत्पादन के लिए कलपुर्जों को जोड़ने संबंधी इकाई का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया।

तीन दिवसीय भारत दौरे पर आए फ्रांसीसी राष्ट्रपति के मुंबई पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद, मोदी ने वहां मैक्रों के साथ व्यापक वार्ता की। प्रधानमंत्री ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, भारत और फ्रांस के बीच एक विशेष संबंध है। फ्रांस, भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है। राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने कहा इसी विश्वास और साझा दृष्टिकोण के आधार पर, आज हम अपने (द्विपक्षीय) संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित कर रहे हैं। मोदी ने एच-125 हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा हमें इस बात पर गर्व है कि दोनों देश मिलकर भारत में दुनिया का एकमात्र ऐसा हेलीकॉप्टर बनाएंगे, जो माउंट एवरेस्ट (विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी) की ऊंचाई तक उड़ान भर सकेगा और इसे पूरी दुनिया में निर्यात किया जाएगा। उन्होंने कहा 2026 भारत और यूरोप के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। कुछ ही दिन पहले, हमने यूरोपीय संघ के साथ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है। प्रधानमंत्री ने भारत-फ्रांस संबंधों को वैश्विक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण कारक बताया। उन्होंने कहा वर्तमान में, विश्व अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। ऐसे माहौल में भारत-फ्रांस साझेदारी वैश्विक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण कारक है। वहीं, मैक्रों ने कहा कि भारत, फ्रांस के सबसे भरोसेमंद ...शेष पृष्ठ 14 पर

बुलडोजर व ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक : योगी

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए आगे आएं अखिलेश : सीएम 2027 में यूपी में फिर बनेगी भाजपा की सरकार

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए आगे आने की सलाह दी है। इटावा में निमार्णाधीन केदारेश्वर मंदिर के संभावित निमंत्रण पर उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव शुद्ध नीयत से यह मंदिर बनवाते तो मैं अवश्य जाता, लेकिन नीयत साफ नहीं है। फिर भी मैं उनको बधाई दूंगा कि देर आए-दुरुस्त आए, आखिर मंदिर बनवा रहे हैं। अब वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए भी आगे आएं, लोग प्रशंसा करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार को एक निजी चैनल के कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। इस मौके पर सीएम योगी ने साफ शब्दों में ऐलान किया कि 2022 से अधिक सीटें पाकर 2027 में डबल इंजन की भाजपा सरकार फिर सत्ता में आएगी।

सीएम योगी ने कहा कि 2027 को लेकर कोई शक नहीं है। 2022 से अधिक सीट मिलेंगी और 2027 में फिर भाजपा नेतृत्व की डबल इंजन सरकार बनेगी। डबल इंजन सरकार ने यूपी को ट्रिपल-टी (टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट व ट्रांसफॉर्मेशन) से जोड़ा है और वह 2027 में धूम-धड़ाके के साथ फिर से आएगी। कांग्रेस व राजद की जो दुर्गति बिहार में हुई है, 2027 में वही दुर्गति कांग्रेस व सपा की उत्तर प्रदेश में तय है। सीएम ने मीडियाकर्मियों से कहा कि आप सभी 75 जनपदों, 403 विधानसभा क्षेत्रों में जाइए, आम जनता वर्तमान सरकार की वकालत करती नजर आएगी। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी को उसकी पहचान वापस दिलाना सबसे बड़ा अचीवमेंट है। यूपी का नौजवान अब पहचान का मोहताज नहीं। किसान खुशहाल है और श्रमिक स्वावलंबन के साथ अपने जनपद-क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर रहा है। महिलाएं सुरक्षित हैं और यूपी आर्थिक उन्नति के नित नए सोपान प्राप्त कर रहा है। यही रामराज्य है। बिना भेदभाव हर तबके को उसका हक प्राप्त हो रहा है। भगवान राम की जन्मभूमि पर राममंदिर का निर्माण रामराज्य की अवधारणा पर ही आधारित है। हम केवल मंदिर बना देते और यह बदलाव करके नहीं दिखाते तो यह भगवान राम की अवज्ञा होती। हम लोगों ने रामराज्य की वास्तविक अवधारणा को धरातल पर उतारने का कार्य किया। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है, जो कहा है, वह करके दिखाया है। आगे भी जो कहेंगे, करके दिखाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को अपवित्र करने वाले और अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर पहला आतंकी हमला करने वाले गाजी को उसके पापों की सजा महाराज सुहेलदेव ने दी थी। लेकिन सपा के लोग महाराज सुहेलदेव का गुणगान करने के बजाय गाजी का नाम लेते हैं, उसका मेला लगाते हैं। ये लोग महाराज सुहेलदेव के स्मारक का विरोध करते हैं। हमें गर्व है कि भाजपा सरकार ने बहराइच में महाराज सुहेलदेव का भव्य स्मारक और आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय का निर्माण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के पीडीए को अवसरवाद का दूसरा नमूना बताया। बोले कि पीडीए मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। यह एक परिवार के विकास के लिए गठित अवसरवादी अथॉरिटी है जिसके चेयरमैन अखिलेश, शिवपाल सीईओ और रामगोपाल यादव वाइस चेयरमैन होंगे। उनके पास महाभारत के सारे रिश्ते हैं, बाकी अन्य भाई-भतीजों को भी इसमें स्थान मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिसकी जैसी दृष्टि, वैसी सृष्टि। इन लोगों को कोई नहीं समझा सकता, इनकी दृष्टि देश व प्रदेश के लिए हमेशा नकारात्मक रही है। राहुल गांधी को देश और अखिलेश यादव को यूपी गंभीरता से नहीं लेता। कांग्रेस किसी को भी नेता प्रतिपक्ष बना सकती थी। सोनिया जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिए परिवारवादी पार्टी ने राहुल जी को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी। जब जहाज डूबता है तो कैप्टन भी वही व्यक्ति बनता है, जो उसे आसानी से डुबो सके, इसलिए राहुल जी को कैप्टन बनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को संघ की शाखाओं में जाकर सामान्य आचार व नियमों की जानकारी लेनी चाहिए। अखिलेश यादव 12 बजे सोकर उठते हैं, वे संघ की शाखा में जाएंगे तो जल्दी जगने की आदत हो जाएगी। समय पर जागेंगे तो यह उनके हित में होगा और जिस पारिवारिक पार्टी को लेकर चल रहे हैं, उसका भी नाम बना रहेगा। सीएम योगी ने वंदे मातरम ...शेष पृष्ठ 14 पर

तारिक रहमान बने बांग्लादेश के पीएम

ढाका। तारिक रहमान ने मंगलवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और इसके साथ ही अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद देश की बागडोर संभालने वाली अंतरिम सरकार के 18 महीने के शासन का अंत हो गया।

राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रहमान (60) को परंपरा से हटते हुए, बंगभवन के बजाय जातीय संसद के साउथ प्लाजा में पद की शपथ दिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के पुत्र रहमान 17 वर्षों तक स्वनिर्वासन में लंदन में रहने के बाद दो महीने पहले स्वदेश लौटे थे। प्रधानमंत्री के पद पर उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। दिन में, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के ...शेष पृष्ठ 14 पर

संगठित हो हिंदू समाज : मोहन भागवत

घुसपैठियों पर जतायी चिंता, घर वापसी के कामों में लानी होगी तेजी

विशेष संवाददाता

लखनऊ। हिंदू समाज को संगठित और सशक्त होने की आवश्यकता है। हमको किसी से खतरा नहीं है, लेकिन सावधान रहना है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोलते हुए कही। हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। वैज्ञानिकों के हवाले से उन्होंने कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते ...शेष पृष्ठ 14 पर

मार्च में जारी होगा चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश का चुनाव कार्यक्रम

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, जिससे संबंधित कार्यक्रम मार्च के मध्य में घोषित किए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा मार्च के मध्य में किसी समय एक साथ करेगा और चुनाव अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर हो सकते हैं। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है। जहां पुडुचेरी विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 15 जून को खत्म होगा, वहीं असम, केरल, ...शेष पृष्ठ 14 पर

व्यक्ति की असली विरासत है संस्कार : धामी

गीता धामी ने दिया प्रेरक उद्बोधन, सात महिलाओं को मातृशक्ति सम्मान

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। राजधानी के दून मेडिकल कॉलेज में मातृ संस्कार समागम में विश्वमांगल्य सभा के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो-टूक कहा कि किसी भी व्यक्ति की असली विरासत उसका बैंक बैलेंस या पद नहीं, बल्कि उसके द्वारा आत्मसात किए गए संस्कार हैं।

मुख्यमंत्री ने सत्ता और सामर्थ्य के पारंपरिक पैमानों से इतर चरित्र निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सफलता का श्रेय किसी विशेषाधिकार को देने के बजाय अपनी माता से मिले संघर्ष के पाठ को दिया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि परिस्थितियां और पद मौसम की तरह बदल सकते हैं, लेकिन मां द्वारा बोए गए नैतिकता के बीज जीवन भर बरगद की तरह छाया देते हैं। मेरा आज का दायित्व मेरी मां के अनुशासन और संघर्षों का ही प्रतिफल है। बढ़ते एकल परिवारों और कम होते संवाद पर चिंता जताते हुए सीएम धामी ने 'कुटुंब प्रबोधन' (पारिवारिक जागरण) को वर्तमान युग की सबसे बड़ी जरूरत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की पहली प्रयोगशाला ...शेष पृष्ठ 14 पर

विशेष खबर पर्यटन आधारित गतिविधियों से कर राजस्व 25,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान

अयोध्या की अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक उछाल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के टेंपल इकॉनमी मॉडल पर भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ (आईआईएम लखनऊ) ने अपनी मुहर लगाई है। आईआईएम लखनऊ की ताजा अध्ययन रिपोर्ट इकॉनमिक रेनेसांस ऑफ अयोध्या (अयोध्या का आर्थिक पुनर्जागरण) बताती है कि राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में व्यापक आर्थिक सक्रियता, निवेश प्रवाह और रोजगार सृजन देखने को मिला है।

अध्ययन में मंदिर निर्माण से पहले और बाद की आर्थिक परिस्थितियों का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए यह दर्शाया गया है कि धार्मिक अवसंरचना, यदि सुविचारित नीति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता से जुड़ जाए, तो वह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला उत्प्रेरक बन सकती है। गौरतलब है कि 2017 में प्रदेश की कमान संभालने के बाद सीएम योगी ने टेंपल इकॉनमी को तेज गति दी और अयोध्या में मंदिर निर्माण के साथ-साथ आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर देकर आर्थिक समृद्धता के रास्ते खोल दिए। अध्ययन के अनुसार, मंदिर निर्माण से पूर्व अयोध्या की पहचान मुख्यतः एक पवित्र तीर्थस्थान तक ही सीमित थी, जहां आगंतुकों की वार्षिक संख्या लगभग 1.7 लाख के आसपास ठहर जाती थी। स्थानीय बाजार छोटे पैमाने पर संचालित होते थे और अधिकांश दुकानदारों की औसत दैनिक आय 400-500 रुपये के बीच सीमित थी, जिससे आर्थिक गतिविधि का दायरा संकुचित बना रहता था। राष्ट्रीय स्तर की होटल श्रृंखलाओं की उपस्थिति लगभग नगण्य थी, रेलवे स्टेशन बुनियादी सुविधाओं तक सीमित था और हवाई अड्डे का अभाव क्षेत्र की कनेक्टिविटी को प्रभावित करता था। रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन, एक सामान्य प्रवृत्ति बन चुका था। पर्यटन से होने वाला राजस्व राज्य की व्यापक अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान नहीं दे पा रहा था और अचल संपत्ति बाजार में भी ठहराव की स्थिति दिखाई देती थी। कुल मिलाकर, अयोध्या की आर्थिक संरचना पारंपरिक तीर्थ-आधारित गतिविधियों ...शेष पृष्ठ 14 पर

वैश्विक साझेदारों के साथ अधिक गहनता से जुड़ रहा भारत : जयशंकर

एजेंसी

मुंबई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मजबूत स्थिति में अधिक गहनता से जुड़ रहा है। उन्होंने देश के बढ़ते आर्थिक प्रभाव के प्रमाण के रूप में हाल ही में हुए कई व्यापार समझौतों का हवाला दिया।

उन्होंने वैश्विक आर्थिक सहयोग सम्मेलन में अपने संबोधन में अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते सहित कई बड़े सौदों की सफल चर्चा पर प्रकाश डाला। वैश्विक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम का आयोजन भविष्य आर्थिक सहयोग परिषद द्वारा विदेश मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से किया जाता है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को शायद हाल के समय में सबसे अस्थिर बताते हुए, मंत्री ने कहा कि दुनिया उत्पादन और वित्त के हथियारीकरण के साथ-साथ निर्यात नियंत्रणों को कड़ा करने और अस्थिर बाजार परिवर्तनों की गवाह बन रही है। उन्होंने कहा स्थापित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से बदल रही है, इसके विकल्प तैयार करना मुश्किल है और ऐसा प्रतीत होता है कि हम एक अनिश्चितता के लंबे दौर की ओर बढ़ रहे हैं। यह दौर अव्यवस्थित, जोखिम भरा अप्रत्याशित और शायद खतरनाक भी होगा। मंत्री ने कहा कि लंबे समय से बरकरार धारणाएं और अपेक्षाएं अब सवालों के घेरे ...शेष पृष्ठ 14 पर

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र न बनने के मुद्दे पर सपा का हंगामा

संसदीय मंत्री ने कहा आरोप गलत, जहां दिक्कत है उसे दिखवा लेंगे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विधान सभा में मंगलवार को सपा ने जन्म-मृत्यु एवं मूल निवास प्रमाण पत्र न बनने का मुद्दा उठाया। मुख्य विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में विपक्ष का समर्थन करने वाले मतदाता न बन जाएं इसलिए इन्हें प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया कि एसआईआर में इन प्रमाण पत्रों को लगाने की अनिवार्यता होने की वजह से लोग इसे बनाने के लिए परेशान हैं, लेकिन एसडीएम इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच तकरार होने के चलते समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सदन का बहिष्कार किया।

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विधायक रहने वाले हैं पश्चिमी यूपी के और मामला उठा रहे हैं पूर्वांचल का। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनना चाहिए। इसका संज्ञान ले लिया गया है। कार्यस्थगन के प्रस्ताव पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि एसडीएम पुराने जन्म प्रमाण पत्र बनाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि ऊपर से बनाने की मनाती है, तो इस पूरे मामले की जांच करा ली जाए।

सपा नेता मनोज कुमार पारस व कमाल अख्तर ने यह सवाल किया। पारस ने कहा कि इस समय जन्म-मृत्यु एवं मूल निवास प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं। आवेदन एसडीएम कार्यालय में लंबित पड़े हैं। एसआइआर में मूल निवास प्रमाण पत्र की जरूरत है लेकिन इसे जारी नहीं किया जा रहा है। कमाल अख्तर ने कहा कि नगर विकास मंत्री को नगरीय निकायों में प्रमाण पत्र बनवाने की पुरानी प्रक्रिया बहाल कर देना चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि इस समय जो भी अधिकारी एसआइआर में लगे हैं वह सरकार की नहीं चुनाव आयोग की परिधि में आकर काम कर रहे हैं। जहां तक प्रमाण पत्र न बनने की बात है यह सही नहीं है। सभी जगह प्रमाण पत्र बन रहे हैं, इसके बावजूद विपक्ष ने जो बातें कहीं हैं उसका संज्ञान ले लिया है। हम इसको दिखवा लेंगे। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में नोकझोंक भी देखने को मिली।

कुष्ठाश्रम शब्द हटाने का विधेयक पास

लखनऊ। विधानसभा में मंगलवार को उत्तर प्रदेश नगर निगम संशोधन विधेयक 2026 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन विधेयक सदन में पास हुआ। इन दोनों विधयकों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कुष्ठाश्रम शब्द हटाने का प्रावधान किया गया है। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सदन में कहा कि कुष्ठ रोग एक गैर-संक्रामक रोग है और अन्य अनेक रोगों की भांति पूर्णतः इलाज योग्य है। उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 में धारा 8 में कुष्ठाश्रम शब्द का लिखा हुआ था। यह शब्दावली कुष्ठ रोग से प्रभावित या स्वस्थ हो चुके व्यक्तियों के प्रति भेदभावपूर्ण अभिव्यक्ति मानी जाती रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को ऐसे भेदभावपूर्ण शब्दों को कानूनों से हटाने के निर्देश दिया था।

युवाओं और कौशल विकास को नयी दिशा देता बजट

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विधान परिषद में उत्तर प्रदेश के बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान कहा कि यह बजट युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, कौशल आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और उत्तर प्रदेश को तकनीकी व औद्योगिक रूप से अग्रणी बनाने का संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा कि यह बजट शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कृषि और सामाजिक समावेशन को साथ लेकर चलने वाला समग्र विकास का दस्तावेज है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसमें शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, रोजगार से लेकर उद्योग तक हर क्षेत्र में व्यापक बदलाव दिखाई दे रहा है। उच्च शिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, रिसर्च व इनोवेशन को प्रोत्साहन देने से युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा रहा है। विश्वविद्यालयों में इंडस्ट्री लिंकिंग, स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार आधारित शिक्षा से युवाओं को डिग्री के साथ दक्षता भी मिल रही है। उन्होंने बताया कि कौशल विकास विभाग द्वारा आईटीआई, पॉलिटेक्निक और प्रशिक्षण केंद्रों को आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ड्रोन, एविएशन और 3डी प्रिंटिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। प्रशिक्षण से रोजगार तक सीधा संबंध स्थापित करने के लिए इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट लिंकिंग की प्रभावी व्यवस्था की गई है, जिससे युवा नौकरी चाहने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन सकें।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि डेटा सेंटर पार्क, औद्योगिक निवेश, स्टार्टअप इकोसिस्टम और एमएसएमई को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधान आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में मील का पत्थर हैं। किसानों के लिए ऊर्जा व सिंचाई योजनाएं, महिलाओं के लिए रोजगार व भागीदारी के अवसर और बुनियादी ढांचे का विस्तार समावेशी विकास को मजबूत कर रहे हैं।

पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से लाखों युवाओं को बिना भ्रष्टाचार के रोजगार मिलना सुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की आईटीआई और कौशल संस्थान नई तकनीकों से सुसज्जित होकर नवाचार के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपने-अपने जनपदों में जाकर कौशल संस्थानों का अवलोकन करने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा आत्मनिर्भर होंगे तो उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा और यही आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करेगा।

महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षकों की सेवा शर्तें अलग, तुलना उचित नहीं : उच्च शिक्षा मंत्री

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि राज्य की प्रत्येक शैक्षणिक संस्था निर्धारित संवैधानिक और वैधानिक नियमों के आधार पर संचालित होती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय दोनों की सेवा संरचना अलग-अलग नियमों से नियंत्रित होती है, इसलिए उनके कर्मचारियों और शिक्षकों की सुविधाओं की सीधी तुलना उचित नहीं है। मंत्री उपाध्याय ने बताया कि राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षक राज्य सरकारी सेवकों की श्रेणी में आते हैं, जिनकी नियुक्ति एवं सेवा शर्तें संविधान के अनुच्छेद 309 के अंतर्गत अधिसूचित नियमावलियों से विनियमित होती हैं। वहीं, राज्य विश्वविद्यालय तथा उनसे संबद्ध महाविद्यालयों के कर्मचारी उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 तथा उससे संबंधित परिनियमों के अंतर्गत आते हैं, जिससे दोनों की सेवा शर्तों में स्वाभाविक अंतर रहता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं, जबकि महाविद्यालयों में यह आयु 60 वर्ष है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय शिक्षकों को अर्जित अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश तथा यूजीसी मानकों के अनुरूप अवकाश सुविधाएं प्राप्त होती हैं, जबकि राजकीय महाविद्यालय शिक्षकों के लिए अलग प्रकार की अवकाश व्यवस्था लागू है, जिसमें चिकित्सकीय अवकाश सहित अन्य प्रावधान शामिल हैं।

डिजिटल सर्विलांस से संचारी रोगों में आई कमी, लैब नेटवर्क हुआ मजबूत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में व्यापक सुधार किए हैं। प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। साथ ही इन केंद्रों को आधुनिक उपकरणों, पर्याप्त दवाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में कमान संभालने के बाद प्रदेश में सैकड़ों नए स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने के साथ उच्चीकृत भी किए हैं। जहां पहले कई पीएचसी में नाममात्र की सुविधाएं थीं, वहीं अब उनमें 24 घंटे प्रसव सुविधा, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष प्राथमिकता देते हुए संस्थागत प्रसव दर में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिछले वर्षों में कई जिलों में मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से लाखों पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वास्थ्य कार्ड वितरण और लाभार्थियों की पहचान की प्रक्रिया को भी डिजिटल माध्यम से पारदर्शी बनाया गया है।

नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और जिला अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण से विशेषज्ञ सेवाओं का दायरा बढ़ा है। इससे प्राथमिक स्तर पर मरीजों की स्क्रीनिंग के बाद उन्हें उच्च संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था अधिक व्यवस्थित हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में एंबुलेंस सेवाओं 102 और 108 को सशक्त किया गया है, जिससे आपात स्थिति में मरीजों को शीघ्र उपचार मिल सके। स्वास्थ्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरूआत से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध हो रहा है। ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से हजारों मरीज घर बैठे चिकित्सकीय सलाह प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्री कपिल देव का अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पर जोर

केंद्र सरकार से 4.5 लाख युवाओं के स्किल ट्रेनिंग लक्ष्य की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी स्किल हब बनाने के उद्देश्य से डीडीयू-जीकेवाई 2.0 और आरसेटीआई 2.0 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्री-ईसी बैठक का मंगलवार को लखनऊ स्थित होटल सेंट्रम में समापन हुआ। समापन सत्र में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक रोजगार का अवसर पहुंचाना है। उन्होंने अंत्योदय के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि ग्रामीण और वंचित युवाओं को आधुनिक कौशल से लैस कर आत्मनिर्भर बनाना ही सरकार की प्राथमिकता है।

मंत्री ने बताया कि डीडीयू-जीकेवाई 1.0 के तहत प्रदेश में 2.62 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से लगभग 2 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस सफलता के आधार पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने आगामी वर्षों में केंद्र सरकार से 4.5 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट में कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनका फोकस ग्रामीण युवाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग और वंचित समुदायों पर रहेगा, ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि कौशल विकास के क्षेत्र में राज्यों के बीच सहयोगात्मक संवाद देश के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। समापन सत्र में लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, बिहार और झारखंड के प्रतिनिधियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के दौरान मिशन निदेशक पुलकित खरे ने उत्तर प्रदेश के कौशल विकास मॉडल का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें उद्योगों की मांग आधारित प्रशिक्षण, डिजिटल मॉनिटरिंग और रोजगार लिंकिंग को प्रमुख आधार बताया गया। उन्होंने कौशल दृष्टि ऐप और कौशल दिशा पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण केंद्रों की रीयल-टाइम निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जानकारी दी। साथ ही ब्लॉक स्तर पर आयोजित रोजगार मेलों की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश में लाखों युवाओं को सीधे नियुक्ति पत्र प्रदान कर उन्हें रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ा गया है।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निदेशक (स्किल्स) राज प्रिय सिंह, लद्दाख के मिशन निदेशक सैयद सज्जाद कादरी तथा विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है : अखिलेश यादव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार में जल जीवन मिशन में बन रही पानी की टंकियां भ्रष्टाचार का भार नहीं शह पा रही है। टंकियां ढह जा रही हैं। मुख्यमंत्री जब लखीमपुर में थे तब भी वहां पानी की टंकी ढह गयी थी। आगरा में ढह गयी। टंकियां जिले-जिले में गिर रही हैं। इनको पता है कि टंकियां ठीक नहीं बनी है। आधा पानी भरा जाता है। तब भी गिर जा रही है। इस सरकार में भ्रष्टाचार की पाइप लाइन महोबा से सीधी लखनऊ आ रही है। जिसकी वजह से टंकी गिर गयी।

महोबा में तो पानी में दूध मिलाया गया है। पानी को सफेद कर बच्चों को पिलाया जा रहा है। इस सरकार के भ्रष्टाचार को प्रदेश की जनता समझ गयी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पता ही नहीं कि प्रदेश में क्या हो रहा है। इनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों ने कभी वंदेमातरम नहीं गाया। न आजादी के पहले गाया और न आजादी के बाद गाया। इन्हें अपने अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों से पूछना चाहिए कि आपने आजादी से पहले वंदे मातरम क्यों नहीं गया। सुजलाम, सुफलाम क्यों नहीं गाया? वीबी रामजी योजना के विरोध को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार है लेकिन यह सरकार विरोध नहीं सह पाती है। विरोध को न देख सकती है और न सुन सकती है। सिर्फ अपना राग गाती रहती है। इतनी झूठी सरकार आज तक नहीं देखी है। उन्होंने कहा कि वीबी रामजी योजना में यूपी का बजट कम हो गया। इस योजना का विरोध करना अच्छी बात है। इससे सरकार को पता चलेगा कि जनता किस बात से नाराज है। योजना में क्या खामियां है? उसमें क्या संशोधन होना चाहिए।

उद्यम सारथी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से आसान हो रहा कारोबार

एमएसएमई चैम्पियनशिप और तकनीकी उन्नयन से बढ़ी प्रतिस्पर्धा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बहुस्तरीय पहल की गति तेज कर दी हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी उन्नयन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से प्रदेश के 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुख बनाने का प्रयास किया गया है। योगी सरकार के इन कदमों से उत्पादन क्षमता बढ़ी है और रोजगार सृजन को नई गति प्राप्त हुई है।

डिजिटल अवसंरचना, नीतिगत सरलता और वित्तीय सहयोग के संयोजन ने प्रदेश को अग्रणी औद्योगिक केंद्र बनाने की आधारभूमि को तैयार करने का काम किया है।

एमएसएमई सेक्टर की योजनाओं के लिए प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में 3,822 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं, जो वर्ष 2025-2026 की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत मार्केटिंग डेवलपमेंट, टूलकिट वितरण और प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

- **नई एमएसएमई नीति और प्लग एंड प्ले मॉडल से निवेश को गति**

विकसित किया गया है। इसके माध्यम से एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के कारीगरों को तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पारंपरिक उत्पादों को ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने से स्थानीय वस्तुओं की पहुंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक बढ़ी है। एमएसएमई चैम्पियनशिप इनीशिएटिव (चैंपियंस पोर्टल) के अंतर्गत चयनित इकाइयों को आधुनिक मशीनरी को अपनाने, गुणवत्ता सुधार और डिजिटल टूल्स के उपयोग के लिए तकनीकी सहायता दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य उत्पादन लागत को घटाकर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और विकसित करना है। लाखों इकाइयों को डिजिटल उन्नयन और विपणन सहयोग का लाभ मिल रहा है। 24 जनवरी, 2021 को लॉन्च की गई उद्यम सारथी ऐप के जरिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन, योजनाओं की जानकारी और संचालन मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। इससे उद्यमियों की सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों तक त्वरित पहुंच प्राप्त हो जाती है। वर्ष 2022 से लागू एमएसएमई नीति के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। प्लग एंड प्ले मॉडल से 72 घंटे में संचालन शुरू करने की सुविधा दी गई है। क्रेडिट प्रवाह में वृद्धि और पांच लाख रुपये तक बीमा कवरेज जैसी व्यवस्थाओं ने उद्यमियों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने का काम किया है। इन उपायों से निवेश वातावरण मजबूत हुआ है। प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों का असर रोजगार सृजन पर भी पड़ा है। एमएसएमई क्षेत्र पहले से ही करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार रहा है और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से इसमें नए अवसर जुड़े हैं।

हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो

उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि जून एवं सितम्बर 2025 में प्रशिक्षण से वंचित रह गए जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के लिए मंगलवार को उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम), लखनऊ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 6 जिलों यथा चित्रकूट, बलरामपुर, बस्ती, हाथरस, श्रावस्ती एवं कौशांबी के जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा विभिन्न जिलों के 55 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों सहित कुल 61 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाये जाने के साथ ही समावेशी पंजीकरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

प्रशिक्षण में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम-1960, मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल-2023 में उल्लिखित विधिक दायित्वों, बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ समन्वय, निर्वाचक नामावली में दावे-आपत्तियों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, ईआरओ नेट, बीएलओ ऐप और बुक ए कॉल विद बीएलओ के तकनीकी पक्षों तथा फील्ड अनुश्रवण की प्रक्रिया और एनजीएसपी पर शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के संबंध में जानकारी दी गयी तथा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया में मीडिया एवं सोशल मीडिया की भूमिका से अवगत कराया गया। साथ ही विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत नोटिस चरण, सुनवाई प्रक्रिया और नियमावली के अनुपालन पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में अधिकारियों को बताया गया कि किस प्रकार मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन करने तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। हेल्पलाइन नम्बर 1950 के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों का निरन्तर अनुश्रवण एवं समयबद्ध समाधान, पोलिंग स्टेशन के युक्तिकरण से संबंधित पहलुओं और विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए।

उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, किन्तु नये अधिकारियों द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के कारण कुछ अधिकारी प्रशिक्षण से वंचित रह गए। इन नवनियुक्त अधिकारियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित किये जाने के उद्देश्य से यह विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिससे सभी संबंधित अधिकारी पुनरीक्षण कार्य में दक्षता के साथ अपेक्षित दायित्वों का निर्वहन कर सकें। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों का मूल्यांकन भी किया गया, ताकि प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

81 मेडिकल कॉलेजों के साथ वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज विजन को दी गति

एमबीबीएस और पीजी सीटें बढ़ीं, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता में हुआ सुधार, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का किया विस्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में पिछले नौ वर्षों के दौरान व्यापक और संरचनात्मक परिवर्तन आया है। योगी सरकार ने स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने, मेडिकल शिक्षा का विस्तार करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने को प्राथमिकता दी है। नये अस्पतालों के निर्माण, पुराने अस्पतालों के कायाकल्प और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि ने तस्वीर को बदल दिया है। वर्ष 2017 तक प्रदेश में कुल 36 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे। वर्तमान में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 81 हो चुकी है। योगी सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज के विजन के अनुरूप मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रही है। वहीं एमबीबीएस सीटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्ष 2017 में जहां लगभग 4,690 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 12,700 हो चुकी है। पीजी सीटों में भी दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है जिससे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता में सुधार हुआ है। प्रदेश के 75 जिलों में जिला अस्पतालों का आधुनिकीकरण किया गया है। कई अस्पतालों में आईसीयू, एनआईसीयू, डायलिसिस यूनिट, ट्रॉमा सेंटर और आधुनिक पैथोलॉजी लैब की स्थापना की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। योगी सरकार 1,500 से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को क्रियाशील चुकी है। इनमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, जांच और गैरसंचारी रोगों की स्क्रीनिंग जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को विशेषज्ञ परामर्श से जोड़ा गया है। प्रदेश में आरोग्य मंदिर की अवधारणा के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को समग्र रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत आयुष पद्धति, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और एलोपैथिक सेवाओं का समन्वय किया जा रहा है। कई जिलों में आयुष अस्पतालों और वेलनेस सेंटर का निर्माण कराया गया है। योगी सरकार ने आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं, जिससे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को संस्थागत मजबूती मिल रही है। वर्ष 2017 में जहां सीमित जिलों में ही अत्याधुनिक लैब की सुविधा उपलब्ध थी, वहीं अब सभी जिलों में आरटी-पीसीआर लैब, ब्लड बैंक और डिजिटल एक्स-रे जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

कोविड-19 काल में विकसित की गई लैब क्षमता को स्थायी रूप से सुदृढ़ किया गया है। पिछले नौ वर्षों में 200 से अधिक नई पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक यूनिट स्थापित की गई है। इससे जांच की संख्या और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है, और मरीजों को निजी लैब पर निर्भरता कम करनी पड़ी है। सरकार ने 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं के बेड़े में उल्लेखनीय वृद्धि की है। वर्तमान में प्रदेश में 4,000 से अधिक एम्बुलेंस संचालित हैं, जिनमें एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भी शामिल हैं। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए विशेष एम्बुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट आवंटन में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में चिकित्सा शिक्षा, आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग के लिए 55,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 37,956 करोड़ रुपये, चिकित्सा शिक्षा के लिए 14997 करोड़ रुपये और आयुष विभाग को 2867 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसका बड़ा हिस्सा ढांचागत विकास, चिकित्सा उपकरणों की खरीद, मानव संसाधन की भर्ती और मेडिकल कॉलेजों के निर्माण पर व्यय किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य क्षेत्र को सेवा और सुशासन का प्रमुख आधार बताया है। उन्होंने नियमित रूप से निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेजों की समीक्षा की है और समयबद्ध कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

कृषि विकास और प्रशिक्षण के लिए 70.61करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी

- **कृषि योजनाओं के सुदृढ़ीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रदेश सरकार ने आवंटित की धनराशि**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कृषि क्षेत्र की क्षमता, कौशल विकास और उत्पादन वृद्धि की विभिन्न योजनाओं के सफल संचालन के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं। यह कदम राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार करने और कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सरकार द्वारा जारी स्वीकृतियों में सर्वाधिक 34.44 करोड़ रुपये की धनराशि 'नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी' के अंतर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (एसएमएई) योजना के लिए आवंटित की गई है। इसी क्रम में, कृषि क्षेत्र की क्षमता एवं कौशल विकास तथा उत्पादन वृद्धि योजना के अंतर्गत मानक मदों में बचत के माध्यम से 29.49 करोड़ रुपये की एक और बड़ी धनराशि विकास कार्यों के लिए प्रदान की गई है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के अंतर्गत नवीन संरचनाओं, मशीनों, उपकरणों की खरीद और परिसंपत्तियों के विकास के लिए सरकार ने 4.17 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है। साथ ही, आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, देवरिया पर ट्रेनिंग सेंटर के अवशेष निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु 1.81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। योजनाओं के प्रभावी संचालन और अनुश्रवण संबंधी प्रशासनिक कार्यों के लिए 0.60 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, रहमानखेड़ा के लिए सहायता अनुदान (गैर वेतन) के रूप में 0.10 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है। इन निवेशों से प्रदेश की कृषि व्यवस्था में व्यापक सुधार और किसानों की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी।

नगर निगम सदन 21 व 22 को कार्यकारिणी पास करेगी बजट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर निगम की 21 को सदन और 22 फरवरी को कार्यकारिणी की बैठक प्रस्तावित की गई है। इन बैठकों में चालू वित्तीय वर्ष के पुनरीक्षित बजट और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के मूल बजट पर मुहर लगेगी। नगर निगम प्रशासन के अनुसार 21 फरवरी को होने वाली सदन की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के 2266.24 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित बजट को मंजूरी के लिए रखा जाएगा। कार्यकारिणी पहले ही इस पुनरीक्षित बजट को स्वीकृति दे चुकी है। अब अंतिम अनुमोदन के लिए इसे सदन के पटल पर रखा जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2278.34 करोड़ रुपये का मूल बजट भी तैयार कर लिया गया है। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बजट को सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। अब इसे कार्यकारिणी की बैठक में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यकारिणी से हरी झंडी मिलने के बाद बजट को आगे की प्रक्रिया के लिए बढ़ाया जाएगा। चर्चा है कि चुनावी वर्ष होने के चलते आगामी बजट में मूलभूत सुविधाओं को सफाई व्यवस्था, सड़क मरम्मत, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था को विशेष फोकस दिया जाएगा। प्रस्तावित बजट में कूड़ा प्रबंधन पर 300 करोड़, नालों की सफाई का बजट पहले की तरह सिर्फ 15 करोड़ रुपये ही रखा गया है। राजधानी की सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों के निर्माण के लिए 326.40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़कों के निर्माण के लिए अलग से 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बजट में 370 करोड़ रुपये पुराने दायित्वों के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा कार्यदाई संस्थाओं को भुगतान की रकम में कटौती की गई है। पुनरीक्षित बजट में 130 करोड़ का प्रावधान था, जिसे घटाकर 100 करोड़ कर दिया गया है।

इन पर भी खर्च होगा बजट

- नगर निगम ने पार्कों के अनुरक्षण का बजट 38.38 करोड़ से बढ़ाकर 42 करोड़ कर दिया है। पार्कों की रंगाई-पुताई पर 6 करोड़ खर्च होंगे। मार्ग प्रकाश के लिए 16 करोड़, स्ट्रीट लाइट मरम्मत के लिए 6 करोड़ और उपकरण खरीद के लिए 6.50 करोड़ रुपये का प्रावधान है। नए निर्माण कार्यों के लिए 7 करोड़ रखे गए हैं। भवन मरम्मत के लिए 5 करोड़, फ्लैट निर्माण के लिए 25 करोड़, अहाना एनक्लेव की बहुमंजिली आवासीय योजना को पूरा करने के लिए 40 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। नगर निगम की भूमियों के सर्वे और बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 10 करोड़, अवस्थापना निधि से 180 करोड़ के विकास कार्य होंगे। मॉडल वेंडिंग जोन के निर्माण और संचालन का बजट 10 करोड़ से बढ़ाकर 15 करोड़ प्रस्तावित किया गया है।

57 इंडस्ट्री पर 2.35 करोड़ का टैक्स बकाया, नगर निगम करेगा कार्रवाई

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर निगम 2 करोड़ 35 लाख रुपये हाउस टैक्स न जमा करने वाली 57 इंडस्ट्री को कुर्क करने की कार्रवाई करेगा। इसके लिए नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 507, 509, 513 के तहत यह कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि पहले ही इन इंडस्ट्री मालिकों को नोटिस भेजा जा चुका है। बावजूद इसके बकाया प्रापर्टी टैक्स नहीं जमा किया गया है, जिसके चलते यह कार्रवाई की जाएगी। इंडस्ट्री की अचल संपत्ति की नीलामी कर वसूली करेगी इसमें चल संपत्ति में मोटर कार, फ्रिज, कूलर,एसी, टीवी, फर्नीचर और बैंक खाते को सीज कर बकाया टैक्स जमा किया जाएगा।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने यह कार्रवाई तेज कर दी है। इस दौरान वित्तीय वर्ष के खत्म होने से पहले वसूली करने की तैयारी है। नगर निगम की तरफ से कहा गया है कि जो बकायादार बकाए का एक फीसदी और कुर्की चार्ज के साथ अन्य मदों का पैसा अगर नगर निगम के खाते में जमा कर देगा, वह कुर्की की कार्रवाई से बच जाएगा। इस दौरान नगर निगम की तरफ से जारी किए गए कुर्की नोटिस और चेतावनी पर लखनऊ के उद्यमियों ने नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि जिन व्यक्तियों को नगर निगम की तरफ से गलत बिल भेजा गया है। उसका क्या होगा? नगर निगम के अधिकारी टैक्स का बकाया नियम के मुताबिक नहीं भेज रहे हैं, जबकि कुर्की की धमकी दे रहे हैं। लखनऊ समेत प्रदेश में छोटे उद्योगों को टैक्स से राहत सरकार ने दे दिया था। ऐसे में नगर निगम की तरफ से छोटे उद्योग का टैक्स सिर्फ आवासीय के बराबर बिल गया था। सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की मांग पर सरकार ने हामी भरी थी। नगर निगम की तरफ से नोटिस भेजा जा रहा है। साथ ही कुर्की की चेतावनी भी दी जा रही। तालकटोरा, चिनहट, सरोजनीनगर, नादरगंज सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 1500 इकाइयां हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि जोन-7 में कुल 63 बकाएदार यूनिट थी, जिसमें से कई ने कुर्की के नोटिस के बाद बकाया टैक्स जमा कर दिया है, लेकिन कई ने पैसा नहीं जमा किया है। इसमें करीब 57 यूनिट है। इसके कुर्की की तैयारी की जा रही है। नगर निगम के जोन 2 में नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं जमा करने पर सीलिंग की कार्रवाई की है। नगर आयुक्त के निर्देश पर टैक्स बकाए को लेकर जोन 3 में छऊअ की प्रॉपर्टी पर सीलिंग की गई है। अलीगंज स्थित 2 स्टोर व एक सामुदायिक केंद्र को सील करने की कार्रवाई की।

साहसी बालिका संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने सदन की कार्यवाही को देखा

लखनऊ। कायमगंज की गैर-सरकारी संस्था साहसी बालिका संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक डॉ. सुरभि के विधानसभा क्षेत्र में संचालित सामाजिक गतिविधियों के संदर्भ में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संस्था की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहीं। इस अवसर पर संस्था की ओर से बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, स्वावलंबन एवं कौशल विकास प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विविध कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। संस्था ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निरंतर जनजागरूकता शिविर, परामर्श कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनसे अनेक बालिकाएं एवं महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा परिसर का भ्रमण भी किया तथा सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखा। सदन की गरिमा, अनुशासन एवं लोकतांत्रिक संवाद की स्वस्थ परंपरा को समझते हुए सदस्यों ने इसे अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अनुभव बताया। अध्यक्ष सतीश महाना ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए समाजहित में निरंतर समर्पित भाव से कार्य करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

वी हेकाली झिमोमी प्रमुख सचिव वन पर्यावरण बनी

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने दो आईएएस अफसरों के दायित्वों में फेरबदल किए हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटी प्रतीक्षारत वी. हेकाली झिमोमी को प्रमुख सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन बनाया गया है। अनिल कुमार तृतीय के पास अभी तक यह प्रभार था। उनसे यह प्रभार ले लिया गया है। प्रमुख सचिव पंचायती राज वह बने रहेंगे।

विधान सभा की 30 स्थायी समितियां निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की 30 स्थाई समितियों को निलंबत कर दिया गया है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मंगलवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना अब इन समितियों के लिए नए सिरे से नामित करेंगे। उन्होंने बताया कि लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों की संयुक्त समिति को निलंबित किया गया है। सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति, प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच समिति तथा पंचायती राज समिति और मंत्रियों को परामर्श देने वाली स्थाई समितियों में सदस्य के लिए निर्वाचन प्रक्रिया तक निलंबित की गई है। उक्त सभी समितियों में वर्ष 2026-27 के लिए अपेक्षित संख्या में विधानसभा के सदस्यों को नामित किया जाएगा। उसके बाद वर्ष में इन समितियों में आकस्मिक रिक्तियों के लिए भी विधान सभा अध्यक्ष को अधिकृत किया गया है।

तापमान में बढ़ोतरी, बुंदेलखंड क्षेत्र में हल्की बारिश

लखनऊ। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बदलाव होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों, आगरा, अलीगढ़, दिल्ली से सटे जिलों और बुंदेलखंड के कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। बादलों की सक्रियता बढ़ने से रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। वहीं प्रदेशभर में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। झांसी, आगरा, प्रयागराज और वाराणसी समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक पहुंच गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि खासतौर पर आगरा और आसपास के जिलों के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में हल्की वर्षा संभव है। मंगलवार को 31.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बांदा में सबसे गर्म दिन रहा। वहीं हमीरपुर में 31.2 डिग्री और प्रयागराज में 31 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं 15.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ इटावा में सबसे गर्म रात रही।

निर्धारित स्टॉप पर बस को अनिवार्य रूप से रोकें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी क्षेत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों द्वारा विभागीय प्रगति, संचालन व्यवस्था तथा यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिए कि सभी बसों का संचालन निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी परिचालकों एवं चालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि वे प्रत्येक निर्धारित स्टॉप पर बस को अनिवार्य रूप से रोकें। यात्रियों को बैठाकर उनके गंतव्य तक पहुँचाएँ, जिससे यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित होने के साथ-साथ निगम के राजस्व में भी वृद्धि हो सके। दयाशंकर सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि समस्त जांच स्कॉड दल द्वारा दिन रात्रि दोनों समय प्रभावी जांच व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि निगम की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

जीसीआरजी बना विजेता, आशियाना इलेवन को 6 विकेट से हराया

लखनऊ। दयाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित सीजन-5 का मंगलवार को समापन हुआ। फाइनल के रोमांचक मुकाबले में जीसीआरजी ने आशियाना इलेवन को 6 विकेट हराकर खिताबी जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. अमित कुमार सिंह और डिप्टी डायरेक्टर तफजील अहमद खान ने विजेता टीम को 21 हजार रुपये व ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। फाइनल मैच में आशियाना इलेवन ने 16 ओवर में। 125 रन पर आउट हो गई। जीसीआरजी 11 ओवर में ही चार विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। 5 दिनों तक चले इस टूनामेंट में लखनऊ की प्रतिष्ठित टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद और आशियाना इलेवन फाइनल में पहुंचे थे। निदेशक डॉ. अमित कुमार सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि दयाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि दयाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

शोएब अध्यक्ष, शरीफ बने वरिष्ठ महामंत्री

विशेष संवाददाता (vol)

- लखनऊ व्यापार मंडल की विकासनगर इकाई गठित

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल की विकास नगर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह लक्ष्मी कॉम्पलेक्स निकट मामा चौराहा विकासनगर में सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान इकाई के पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता नीरज सिंह मौजूद रहे। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की। मुख्य अतिथि ने इकाई के अध्यक्ष मोहम्मद शोएब जलाली, संरक्षक एडवोकेट पान सिंह भंडारी, मोहम्मद सबाहत, चेयरमैन डॉ. अनुपम सिंह भंडारी, वरिष्ठ महामंत्री मोहम्मद शरीफ सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, महामंत्री अमन शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमान मुस्तफा खान, मोहम्मद अनवर सिद्दीकी, ऋषभ चौरसिया, अनस अहमद, उपाध्यक्ष डॉ. पूजा सनवाल, सईद बशीर, फैज खान, मनोज कुमार गुप्ता, वरिष्ठ संगठन सचिव सैय्यद अकरम अली, प्रेम चंद गुप्ता, संगठन सचिव राज कुमार सिंह, नफीस खालिद, प्रचार मंत्री मोहम्मद आरिफ रहमानी, डॉ. मोहम्मद काशिफ, डॉ. प्रिया सिंह, मोहम्मद सलीम, फैज अहमद सिद्दीकी, शकीलउररहमान खान, अब्दुल अहद और मीडिया प्रभारी के पद पर अमीर अब्बास, मोहन सिंह बिष्ट को शपथ दिलाई। मंच का संचालन विशाल चौरसिया एवं एडवोकेट पान सिंह भंडारी ने किया।

सेंट्रल पार्क में घटिया मिला प्ले इक्विपमेंट ओपेन जिम का काम, एजेंसियों पर जुर्माना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बीते दिनों बायोडायवर्सिटी पार्क, विपुल खण्ड लाइब्रेरी, सेंटर पार्क, गोमती नगर विस्तार, सेक्टर-1, निमार्णाधीन कम्यूनिटी सेंटर, फ्लड पम्पिंग स्टेशन, फ्लॉवर वैली तथा ग्रीन कॉरीडोर शहीद पथ के निकट का निरीक्षण किया। गोमती नगर विस्तार सेक्टर-1 स्थित सेंट्रल पार्क के रख-रखाव एवं मेंटेनेंस में लापरवाही मिली है। पार्क में प्ले ईक्यूपमेंट ओपेन जिम, हट की स्थापना का काम दोयम दर्जे का किया गया है। यहां काम करने वाली फर्म साईं शक्ति ने का काम निरीक्षण के समय निम्न श्रेणी का पाया गया। फर्म पर 5 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

आईके इण्टरप्राइजेज के पास पार्क के अनुरक्षण की जिम्मेदारी है लेकिन सफाई न मिलने पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गोमती नगर विस्तार में जी-20 रोड के पास फ्लड पम्पिंग स्टेशन का निर्माण कार्य शिवाय कान्सट्रक्शन की ओर से किया गया है। यहां विकसित किए गए पार्क में सीमा इण्टरप्राइजेज के काम में लापरवाही मिली। जगह-जगह पर गंदगी है एवं हेजिंग खुली हुई है, झूले टूटे हैं, घास कटिंग अधूरा व असमान है, अधिकांश पौधे सूख गए हैं, पार्क में निर्धारित मानकों के अनुसार हरियाली नहीं की गई है, पैसे की बवार्दी होने पर फर्म के विरूद्ध 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गोमती नगर विस्तार सेक्टर-7 में फ्लावर वैली के पास फ्लाई ओवर, लूप एवं रैम्प का निर्माण होना है। 101 करोड़ से फ्लाईओवर का निर्माण होना है जबकि 159 करोड़ से दो लूप एवं रैम्प निर्माण का प्रस्ताव मंजूरी के लिए शासन को भेजा गया है। इसके लिए शासन से हरी झंडी मिलने के बाद ही फ्लाईओवर के निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए।

एलडीए बोर्ड बैठक 10 को

लखनऊ विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 10 मार्च को होगी। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श करने के लिए अनुभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। इस बार बैठक में समता मूलक चौक पर फ्लाई ओवर से सम्बंधित प्रस्ताव को भी रखा जा सकता है। दिसम्बर में हुई बोर्ड बैठक में एलडीए सदस्य पुष्कर शुक्ला ने गोमती नगर स्थित समता मूलक चौक पर भीषण जाम की समस्या को उठाया था। उन्होंने बताया था कि यह चौराहा तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र के बीच स्थित है, जहां रोजाना हजारों वाहनों का दबाव रहता है।

केजीएमयू के शताब्दी में बाहर से डॉक्टर करा रहे है एक्सरे

लखनऊ। केजीएमयू के शताब्दी फेस 1 में एक्सरे मशीन होने के बाद भी डाक्टर प्राइवेट एक्सरे करवा रहे है। मगंलवार को शताब्दी फेस 1 के प्रथम तल पर एक प्राइवेट कर्मचारी लगभग 12 से लेकर घूम रहा था । वह आवाज लगाकर तीमारदारो से एक्सरे लेने के लिए कह रहा था। जब उससे पूछा गया कि इसका पैसा तो नही पड़ना चाहिए तो उसने बताया कि डाक्टर जब कहते है तो बाहर से एक्सरे करवाया जाता है। हम बाहरी है तो क्यो हुआ सुविधा तो दे रहे है। ऐसे में जब इस बारे में डाक्टर से बात किया गया तो एक डाक्टर ने कहा कि हम लोग कभी भी बाहर की दवा और एक्सरे नही लिखते है। हां अगर तीमारदार चाहे तो वह बाहर या कही भी दवा ले लेते है। परिसर के अन्दर कोई एक्सरे के लिए कह रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में शताब्दी-2 में संचालित विभागों के मरीजों को अब सस्ती दवाएं आसानी से मिले इसके लिए इसके लिए शताब्दी भवन में दो रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के दो मेडिकल स्टोर खोले गये है। इसमें विभाग की जरूरत के हिसाब से मरीजों को दवाएं 60 से 70 फीसदी कम कीमतों पर मुहैया कराई जाती है। शताब्दी-2 आठ मंजिला भवन है। इसमें ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, रेडियोथेरेपी, पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, गेस्ट्रो मेडिसिन, सर्जिकल आंकोलॉजी, ट्रॉमा सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, हिमैटोलॉजी समेत दूसरे विभागों का संचालन हो रहा है. भवन को नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल (एनएबीएच) के मानकों पर कसा जाएगा। इसके लिए भूतल पर 4 बेड का ट्रॉयज एरिया बनाया गया है। शताब्दी में आने वाले मरीजों को पहले ट्रॉयज एरिया में रखा जाता है। ट्रॉयज एरिया पहले से संचालित एचआरएफ स्टोर को बंदकर बनाया गया है।

संजय दत्त करेंगे नेट जीरो सरोजनीनगर अभियान का शुभारंभ

विशेष संवाददाता (vol)

- विधायक राजेश्वर सिंह संग संजय दत्त का रोड शो 22 को
- पर्यावरण संरक्षण और मतदान जागरूकता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को दोपहर 11:00 बजे से 3:00 बजे तक, बंगला बाजार, सरोजनीनगर विधानसभा में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें भारतीय सिनेमा के प्रख्यात अभिनेता संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत संजय दत्त सरोजनीनगर क्षेत्र में एक भव्य रोड शो के माध्यम से नागरिकों एवं युवाओं से संवाद करेंगे। इसके पश्चात वे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पर्यावरण वीरों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस अवसर पर संजय दत्त की ओर से बहुप्रतीक्षित नेट जीरो सरोजनीनगर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पर्यावरण-संरक्षण, हरित जागरूकता एवं सतत विकास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं एवं नव मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना भी है। संजय दत्त इस अवसर पर युवाओं से अपील करेंगे कि वे मतदाता सूची में अपना नामांकन सुनिश्चित करें, अपने मतदाता पहचान पत्र बनवाएँ तथा लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मतदान का सक्रिय रूप से प्रयोग करें। विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक जागरूकता को समान प्राथमिकता दी जा रही है। नेट जीरो सरोजनीनगर अभियान इसी दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, युवा भागीदारी एवं नागरिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

8 जिलों में 3,852 आवासीय व व्यावसायिक भवन बनेंगे

- रेरा ने 3348 करोड़ की 14 रियल एस्टेट परियोजनाओं को दी मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण ने राज्य के विभिन्न जिलों में 14 नई रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन परियोजनाओं में कुल 3,348.22 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इनके माध्यम से 3,852 आवासीय और व्यावसायिक उपयोग की इकाइयों का विकास किया जाएगा। इन परियोजनाओं को स्वीकृति यू.पी. रेरा की 196वीं प्राधिकरण बैठक में प्रदान की गई, जिसकी अध्यक्षता प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया।

स्वीकृत 14 परियोजनाओं में लखनऊ की दो आवासीय परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें 109.23 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत कुल 200 इकाइयों का विकास किया जाएगा। गौतमबुद्ध नगर को सर्वाधिक चार परियोजनाओं की मंजूरी मिली है, जो निवेश और इकाइयों की संख्या के लिहाज से शीर्ष पर रहा। इनमें दो आवासीय परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें 1,617 इकाइयों का निर्माण प्रस्तावित है, जबकि दो व्यावसायिक परियोजनाओं में 1,284 इकाइयां विकसित की जाएंगी। इन चारों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 2,740.87 करोड़ रुपये है। आगरा में 18.56 करोड़ से एक आवासीय परियोजना को स्वीकृति दी गई है, जिसमें 236 इकाइयां विकसित होंगी। गाजियाबाद में 196.85 करोड़ रुपसे से एक परियोजना को मंजूरी मिली है, जिसके अंतर्गत 125 आवासीय इकाइयां प्रस्तावित हैं। मथुरा में 50.25 करोड़ रूपये से दो आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनमें कुल 187 इकाइयों का विकास किया जाएगा। मुरादाबाद में 59.79 करोड़ रुपये की लागत वाली दो आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है, जिनमें 72 इकाइयां शामिल हैं। भदोही में 14.54 करोड़ रुपये से एक व्यावसायिक परियोजना में 61 इकाइयों का विकास प्रस्तावित है।

प्रयागराज में 158.13 करोड़ रुपये से एक आवासीय परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें 70 इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। यू.पी. रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि आठ जिलों में आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं की स्वीकृति यह दर्शाती है कि यू.पी. रेरा प्रदेश में संतुलित एवं योजनाबद्ध शहरी विकास को प्राथमिकता दे रहा है।

मनरेगा बचाने के लिए कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

विशेष संवाददाता (vol)

- मनरेगा रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा है : अविनाश पाण्डेय
- कांग्रेस कार्यकर्ता दमनकारी नीतियों से ना डरेगा, ना झुकेगा, ना रुकेगा : अजय राय

लखनऊ। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आहवान पर विधानसभा के घेराव के लिए मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। इस दौरान भारी पुलिस बल और बैरीकेडस लगाकर कांग्रेस कार्यालय के चारों तरफ जाने वाली सड़कों को बंद कर दिया गया और छावनी में तब्दील कर दिया गया। कार्यकर्ता पुलिस से जूझते रहे और विधानसभा की तरफ कूच करते रहे इस दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर अस्थाई जेल ले गये।

कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश की जनविरोधी नीतियों, मनरेगा योजना के विरूद्ध हो रहे कुचक्र, मजदूरों के बकाया भुगतान तथा ग्रामीण आजीविका पर पड़ रहे प्रभाव के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करते हुए विधानसभा की ओर बढ़े जिन्हें रोकने के लिए के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया तथा जगह-जगह बैरिकेडस लगाए गए फिर भी कार्यकर्ता पूरे जज्बे के साथ नारे लगाते हुए विधानसभा की ओर आगे बढ़े। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस प्रशासन के बीच धक्का-मुक्की एवं तीखी नोक-झोंक हुई। इसके बावजूद प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, राष्ट्रीय सचिव सहप्रभारी उप्र धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, नीलांशू चतुर्वेदी, प्रदीप नरवाल, सांसद केएल शर्मा, विधायक वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी एव डॉ. शहजाद आलम आगे बढ़ते हुए बैरीकेडस पर चढ़कर जमकर नारेबाजी की। प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय सहित सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके बसों के माध्यम से अस्थाई जेल ईको गार्डेन ले जाया गया। इस मौके प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की समग्र आर्थिक प्रणाली को चलाने वाला आधार स्तंभ था। मनरेगा कोरोना काल की भीषण महामारी के दौर में प्रवासियों को रोजगार उपलब्ध कराकर जीवनदायिनी साबित हुई। इसे बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश में एक विशाल मनरेगा बचाओ संग्राम छेड़ रखा है जिसके तहत देश के सभी राज्यों के प्रत्येक जिलों में चौपाल, धरना प्रदर्शन एवं लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस मौके अजय राय ने योगी सरकार के इशारे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर की गई कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा मजदूरों, गरीबों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी यदि मनरेगा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता ना डरेगा, ना झुकेगा, ना रूकेगा।

इस मौके उप्र कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि मनरेगा के माध्यम से महिलाओं को अपनी गांव में सम्मान सहित रोजगार उपलब्ध होता था इसको कमजोर कर भाजपा सरकार ने अपना महिला विरोधी चेहरा उजागर करने का काम किया है।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सतीश अजमानी, भगवती प्रसाद चौधरी, श्याम किशोर शुक्ला, धीरेन्द्र सिंह धीरू, सोहेल अख्तर अंसारी, इन्दल रावत, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, शरद मिश्रा, विश्वविजय सिंह, आलोक प्रसाद, केशवचन्द्र यादव, विवेकानंद पाठक, सरिता पटेल, अरशद खुर्शीद, संजीव शर्मा, मुकेश सिंह चौहान, संजय दीक्षित, मनीष हिंदवी, डॉ. उमा शंकर पाण्डेय, अंशू अवस्थी, प्रियंका गुप्ता, डॉ. अलीमुल्लाह खान, पुनीत पाठक, सचिन रावत, डॉ. राजकुमार मौर्या, प्रतिभा अटल पाल, उप्र कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन मनोज यादव, धीरज श्रीवास्तव सहित प्रदेश के कई जिलों के जिला/शहर अध्यक्षगण शामिल रहे।

इसके साथ सांसद तनुज पुनिया, राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी सहित प्रदेश भर के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं, नेताओं एवं जिला/शहर अध्यक्षगणों को हाउस अरेस्ट किया गया।

विवेकानंद अस्पताल में आज से शुरू होगी स्ट्रोक प्रबंधन सेवा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्ट्रोक विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारण में से एक तथा विकलांगता का तीसरा प्रमुख कारण है। रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए रोगी का गुणवत्तापूर्ण इलाज पहले जरूरी है। यहां रोगी का इलाज सेवा की भावना से किया जाता है इसलिए मरीज को न्यूनतम खर्च पर प्रभावी इलाज मिल सकेगा। यह बातें विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद ने पत्रकारवार्ता के दौरान कहीं।

उन्होंने बताया कि इस सप्ताह संस्थान के 57वें समर्पण दिवस के अवसर पर 18 फरवरी से विवेकानंद अस्पताल में विशेष स्ट्रोक प्रबंधन सेवा की शुरूआत की जा रही है। जिसके अंतर्गत स्ट्रोक रोगी के साढे चार घंटे के गोल्डन आवर के भीतर ही रिस्पांस टीम द्वारा मरीज का सीटी स्कैन करने के बाद इंट्रावेनस थ्रंबोलाइसिस का उपचार दिया जा सकेगा और 24 से 48 घंटे के भीतर छुट्टी भी मिल जाएगी। स्वामी जी ने कहा कि जिस जीवन रक्षक प्रक्रिया के लिए बड़े अस्पताल में लाखों रुपए का बिल बनता है वही प्रक्रिया कुछ हजार रुपए में विवेकानंद अस्पताल में संपन्न हो जाएगी। निर्धन व अक्षम मरीजों के इलाज के लिए भी धन की दिक्कत आगे नहीं आएगी।

विख्यात न्यूरोलॉजिस्ट प्रो. यूके मिश्रा ने कहा कि वर्तमान में दुनिया भर में केवल 2 से 5 प्रतिशत स्ट्रोक मरीज ही साढ़े चार घंटे की महत्वपूर्ण समय सीमा के भीतर अस्पताल पहुंच पाते हैं इसलिए विवेकानंद अस्पताल में स्ट्रोक प्रबंधन टीम जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जन, रेडियोलॉजिस्ट और इमरजेंसी मेडिकल अफसर शामिल है 18 फरवरी से सक्रिय रहेंगे। यह टीम सुनिश्चित करेगी कि जैसे ही इस्केमिक स्ट्रोक रोगी इमरजेंसी में पहुंचता है उसे तुरंत आवश्यक न्यूरो इमेजिंग और उपचार दिया जा सके। डॉ मिश्रा ने कहा कि विवेकानंद हॉस्पिटल शहर के बीचों बीच स्थित है इसलिए यहां स्ट्रोक रोगी के लिए साढ़े चार घंटे की अवधि में इलाज मिलना बहुत सुलभ है। उन्होंने कहा कि स्ट्रोक के लक्षणों में शरीर के एक तरफ हाथ या पैरों में कमजोरी आना, चेहरे का टेढ़ा होना, बोलने में लड़खड़ाना आदि कोई भी लक्षण नजर आने पर बिना देर किए उसे तुरंत विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान के स्ट्रोक प्रबंधन टीम से संपर्क करना चाहिए ताकि मरीज को सर्वोत्तम उपचार मिल सके और विकलांगता के जोखिम को कम किया जा सके।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

भाई के सामने चाकू मारकर हत्या, चार गिरफ्तार

मृतक ने किया था प्रेम विवाह, मायके में रह रही पत्नी का घर वाले करने वाले थे दूसरा विवाह

- काकोरी के ग्राम लालताखेड़ा गांव का मामला

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रेम विवाह के बाद मायके गयी पत्नी को भाई के साथ विदा कराने गए, भाई के सामने ही प्रेमिका के पिता व भाइयों ने पीटा और चाकू मार कर हत्या कर दी। मौके पर मौजूद भाई को भी हमलावरों ने पीटा, जिससे वह घायल हो गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल रामसागर (24) को अस्पताल भेजा, जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक रामसागर पुत्र इन्दल मूलरूप से ग्राम माधौटांडा थाना माधौटांडा जनपद पीलीभीत का रहने वाला था।

मृतक रामसागर के भाई राहुल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि मृतक रामसागर का दिसंबर 2024 में कामिनी पुत्री भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी से प्रेम विवाह हुआ था। विवाह के बाद कामिनी कुछ समय ससुराल में रही। बाद में उसके परिजन उसे अपने घर लालताखेड़ा ले गए। आरोप है कि उसके परिजन उसकी दूसरी जगह शादी कराने की तैयारी कर रहे थे।

इसी बीच सोमवार को राहुल अपने भाई रामसागर के साथ उसकी पत्नी कामिनी को विदा कराने भाई की ससुराल लालताखेड़ा काकोरी रात करीब 10.30 गया था, जहां पर कामिनी के पिता भीमा गौतम, उसके पुत्र सुमित, अमित तथा पंकज (जो कि लड़की की मौसी का बेटा है) पुत्र इन्दर गौतम निवासी लोनहा थाना बंथरा के साथ लालताखेड़ा गांव के बाहर बातचीत के दौरान विवाद हो गया।

इसके बाद पंकज, सुमित, अमित व भीमा गौतम ने एकराय होकर रामसागर व राहुल के साथ गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। उसी दौरान सुमित पुत्र भीमा गौतम ने रामसागर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। उसने कई वार किए। राहुल ने बीच-बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट की। शोर-शराबा होने पर राहगीरों के आने की आहट पाकर आरोपितगण मौके से फरार हो गए। सूचना पाकर सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी व थाना प्रभारी काकोरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल रामसागर को अस्पताल भेजा, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फील्ड यूनिट को बुलाया। फील्ड यूनिट ने साक्ष्य संकलन की कार्यवाही करते हुए मौके पर रक्त के धब्बे पाए, जिसे साक्ष्य के लिए उठाया। पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर चार नामजद आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में नामजद अभियुक्तगण लड़की का मौसेरा भाई पंकज पुत्र इन्दर गौतम निवासी ग्राम लोनहा थाना बंथरा, भाई सुमित पुत्र भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी, भाई अमित पुत्र भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी व पिता भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और मामला साफ होने पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

दुल्हन की मां का बैग चोरी

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित शहीद पथ के राजपूताना रिजॉर्ट में शादी समारोह के दौरान अचानक बिजली चली जाने होने का फायदा उठाकर चोरों ने दुल्हन की मां के जेवर, नकदी और मोबाइल से भरा बैग चोरी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर घटना के करीब दो सप्ताह बाद सोमवार रात पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कैंट नीलमथा स्थित दुगार्पुरी तिराहा निवासी प्रेमचंद सिंह के मुताबिक उन्होंने अपने बेटे की शादी के लिए 3 और 4 फरवरी 2026 को राजपूताना रिजॉर्ट बुक किया था। आरोप है कि 3 फरवरी की रात करीब 9.30 बजे संगीत कार्यक्रम चल रहा था, तभी अचानक 5 से 7 मिनट के लिए बिजली चली गई। उसी दौरान दुल्हन की मां अंजू जायसवाल का लेडीज बैग गायब हो गया। पीड़ित के अनुसार बैग में मंगलसूत्र, सोने के झुमके, करीब 20 हजार रुपये नकद, घर की चाबियां और वन प्लस नॉर्ड-2 मोबाइल फोन रखा था। बिजली आने के बाद परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन बैग का कोई पता नहीं चला।

लिव-इन पार्टनर ने प्रेग्नेंट होने पर जबरन कराया गर्भपात

- शादी के बाद मांगा 5 लाख दहेज
- चेहरा तेजाब से जलाने की धमकी

लखनऊ। आशियाना इलाके में एक युवती ने पति पर लिव-इन के दौरान जबरन गर्भपात कराने और शादी के बाद 5 लाख रुपये दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का दावा है कि मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उसका चेहरा तेजाब से जलाने की धमकी देकर उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्टाग्राम से शुरू हुआ था खूनी खेल।

पीड़िता के अनुसार तीन साल पहले यानी 17 फरवरी 2023 को उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए बांदा निवासी शिव हनुमान पटेल से हुई थी। आरोपित शिव लखनऊ आया और शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ लेखराज मार्केट के पास करीब डेढ़ साल तक लिव-इन में रहा। इस दौरान जब महिला प्रेग्नेंट हुई, तो शिव ने शादी करने के बजाय उसकी पिटाई की और जबरन दवा खिला दी। बेहोश होने के बाद महिला का गर्भपात हो गया। पुलिस के दबाव में की शादी, दहेज की मांग और तेजाब की धमकी। शिव के भागने के बाद पीड़िता ने बांदा के बिसंडा थाने में शिकायत की।

शिव ने पहले मंदिर और फिर कोर्ट मैरिज की, लेकिन यह शादी महिला के लिए और बड़ी मुसीबत बन गई। महिला का आरोप है कि शादी के बाद पति, सास, ससुर और ननद ने मिलकर 5 लाख रुपये नकद, एसी, फ्रिज और गहनों की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर महिला को एक अलग कमरे में बंद कर प्रताड़ित किया जाने लगा। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति शिव हनुमान पटेल, ससुर, सास और ननद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में तीन को भेजा जेल

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने थाना क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित गिरोह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग लीडर समेत तीन आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट की मंगलवार को कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर सुशान्त गोल्फ सिटी राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि नई बस्ती अर्जुनगंज निवासी संतोष यादव अपने साथियों जितेंद्र यादव और स्वर्णलता पाण्डेय के साथ मिलकर संगठित गिरोह चला रहा था। गिरोह का मकसद अवैध तरीके से आर्थिक और भौतिक लाभ कमाना था। इसके लिए गिरोह में नए सदस्यों को शामिल कर विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जाता था। जांच में सामने आया कि गिरोह की गतिविधियों से इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया था। लोग अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। गिरोह की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट की कार्यवाई करते हुए जितेंद्र यादव को जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सुशान्त गोल्फ सिटी थाने में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। बाकी की तलाश जारी है।

इंदिरा नहर में उतराता मिला लापता गार्ड का शव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोसाईगंज इलाके के कबीरपुर गांव से बीते एक फरवरी से लापता हुए युवक का शव नई जेल के पास इंदिरा नहर में उतराता हुआ मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव को नहर से निकाल कर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गोसाईगंज के कबीरपुर गांव रहने वाले प्रियांशु गांव के ही अल्फा पब्लिक स्कूल में रात्रि में गार्ड का काम करता था। वो एक फरवरी को अपना मोबाइल फोन स्कूल में चार्जिंग में लगा कर कहीं चला गया था। लेकिन जब शाम तक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। जब कुछ पता नही चला तो दो फरवरी को उसके भाई सुधीर ने गोसाईगंज कोतवाली पर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

इसके बाद एसडीआरएफ की टीम कई दिनों तक इंदिरा नहर में उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका था। मंगलवार की शाम को ग्रामीणों ने नई जेल के पास इंदिरा नहर में एक शव उतराता हुआ देखा, जिसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी शिनाख्त की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खाताधारक से ठगों ने ऑनलाइन हड़पे 2.41 लाख

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ- आलमबाग। कृष्णानगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक खाताधारक से जालसाजों ने अलग-अलग बहाने बनाकर कुल 2.41 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी कर रुपए हड़प लिये। कृष्णानगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित विनय नगर निवासी अशोक अग्निहोत्री पुत्र स्व. श्रीराम अग्निहोत्री ने बताया कि बीते 15 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे उनके पास एक फोन कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को उनका पुराना मित्र अशोक गुप्ता बताते हुए हरियाणा में होने और पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने की बात कही। उसने अपने पुत्र के खाते में 40 हजार रुपये तत्काल भेजने का अनुरोध किया। भरोसे में आकर पीड़ित ने अपने एसबीआई खाते से पेटीएम के माध्यम से बताए गए नंबर पर 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके तुरंत बाद फिर से रुपयों की मांग की गई, जिससे उन्हें संदेह हुआ।

उन्होंने साइबर टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करा दी। करीब डेढ़ माह बाद 27 जनवरी को दूसरी घटना हुई। इस बार कॉलर ने जीवित प्रमाण पत्र कोषागार भेजने के नाम पर बैंक खाते की जानकारी ले ली। अगले दिन पीड़ित को पता चला कि उनके खाते से पांच बार में 95 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। इसके बाद 31 जनवरी और 1 फरवरी की रात को भी पांच अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 1.06 लाख रुपये और निकाल लिए गए। इस तरह जालसाजों ने कुल 2.41 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर सेल समेत कृष्णानगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यूपीआई के जरिए एक लाख की साइबर ठगी, मुकदमा दर्ज : रहीमाबाद थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहां अज्ञात साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से एक लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार शाम को रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम लालूहर निवासी संतलाल का बैंक ऑफ बड़ौदा की रहीमाबाद शाखा में खाता है। उन्होंने बताया कि 11 अक्टूबर 2025 को अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनके खाते से कुल एक लाख रुपये निकाल लिए। यह रकम तीन अलग-अलग लेनदेन में निकाली गई।

संतलाल का कहना है कि उन्होंने स्वयं न तो कोई लेनदेन किया और न ही किसी को बैंक संबंधी जानकारी दी। घटना की जानकारी होते ही पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके साथ ही शिकायत एनसीआरबी पोर्टल पर भी पंजीकृत कराई गई। इसके बाद संतलाल ने रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि मिली तहरीर के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और संबंधित खातों व लेनदेन की जांच की जा रही है।

दुकान में लगी आग, भारी क्षति

लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दुकान में आग लग गयी। आग लगने की सूचना पाते ही सरोजनीनगर फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची और कड़ मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग लगने से दुकान में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। दुकानदार को भारी क्षति हुई है। मंगलवार दोपहर करीब 12.48 बजे फायर स्टेशन सरोजनीनगर कण्ट्रोल रूम को सूचना किली कि टी. एस. मिश्रा हॉस्पिटल के पास दुकान में आग लग गयी है। सूचना प्राप्त होते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंशुल मित्तल के निर्देशन में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी एफएस सरोजनीनगर धर्मपाल सिंह 01 फायर टेंडर मय यूनिट लेकमर तत्काल घटनास्थल को रवाना हुए। यूनिट ने घटनास्थल पहुंचकर देखा कि आग दुकान में लगी हुई थी जो काफी भयंकर रूप से जल रही थी। दमकलकर्मियों ने आग को बुझाना प्रारंभ किया। लगभग 40 मिनट की कड़ मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग को पूर्णरूप से बुझा दिया। इस हादसे में किसी के झुलसने की जानकारी नहीं है। काम्प्लेक्स के मालिक यदुवीर पुत्र सहदेव सिंह हैं, जबकि दुकान मालिक दिलशाद अली पुत्र रहमत अली निवासी अमौसी सरोजनी नगर हैं। दिलशाद का कहना है कि आग लगने से उसे भारी क्षति हुई है।

बिना प्रशिक्षण के संविदा कर्मी कर रहे काम, हो रही है दुर्घटना

- प्रशिक्षण नही कराया जाता है बिजली संविदाकर्मियों
- दिव्यांग होने पर नौकरी से निकाल दिया जाता है
- 12 से 14 घण्टे कार्य कराया जाता है

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आखिर कब तक मरते रहेगें बिना पढ़े लिखे बिजली संविदा कर्मचारी यह बात सभी कहते है लेकिन बिजली अधिकारी के कान में जूं तक नही रेगती है। कोई ऐसा महिना नही खाली जाता है जिस माह में संविदा कर्मी को चोट नही लगी हो। मंगलवार को अपट्रॉन उपकेंद्र में फीडर (बस कप्लर) में धमाके से संविदा कर्मचारी संदीप झुलस गया। साथी कर्मचारियों ने सिप्स अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऐशबाग निवासी संदीप अपट्रॉन उपकेंद्र में 10 साल से संविदा पर कार्यरत थे लेकिन मरम्मत कार्य करा रहा था। दोपहर 12:30 बजे बस कप्लर पर काम के दौरान संविदाकर्मी संदीप झुलस गया। यूपी पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के महामंत्री देवेन्द्र कुमार पांडेय ने कहा कि सरकारी कर्मचारी के बावजूद संविदा कर्मचारी से काम कराया जा रहा था।

लेसा प्रबंधन से मांग की है कि घायल कर्मचारी का उपचार पूरी तरह निःशुल्क कराया जाए। अधिशासी अभियंता ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी। लेसा में जानवर और संविदा कर्मी के करंट से चिपककर मरने की खबरे अब आम बात हो गयी है। कभी संविदा कर्मी के सुरक्षा उपकरण नही पहनने से मौत हो रही है तो कही तार जमीन से लटकने के वजह से जानवर की मौत हो रही है। ऐसे में यूपीपीसीएल गर्मी आने से पहले अधिकारियों को जर्जर तार बदलने को लेकर निर्देश जारी कर दिया जाता है। जबकी आदेश अधिकारियों के पास पहुंचते ही ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। सबसे ज्यादा सिस गोमती में खुले 11 केवी के तार के नीचे गार्ड तार नही लगे होने के कारण दुर्घटना हो रही है।

नादरगंज, बीकेटी, मुशिपुलिया, चिनहट, गोमतीनगर, ठाकुरगंज सहित दो दर्जन से अधिक क्षेत्रों में 11 केवी से लेकर एलटी लाईन तक जर्जर हो चुके है। ध्यान जब जाता है जब किसी संविदा कर्मी या जानवर की मौत हो जाती है। इस वर्ष दो माह के अन्दर तीन संविदा कर्मी की करंट से चिपककर मौत हो चुकी है। जबकी माल, मलिहाबाद, काकोरी, बीकेटी में दर्जन भर से अधिक गाय, बकरी, और सड़क पर रहने वाले कुत्तो की मौत हो चुकी है।

पान की वैज्ञानिक खेती पर दो दिवसीय जनपद स्तरीय गोष्ठी शुरू

लखनऊ-मलिहाबाद। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र मलिहाबाद में 17 और 18 फरवरी को गुणवत्ता युक्त पान प्रोत्साहन योजना के तहत दो दिवसीय जनपद स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में लखनऊ जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए कृषकों को पान की नवीनतम वैज्ञानिक खेती की जानकारी विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा दी गई। गोष्ठी में मुख्य उद्यान विशेषज्ञ कृष्ण मोहन चौधरी ने कम लागत में अधिक उत्पादन, छत पर बागवानी को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने सरकार की मंशा के अनुरूप आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डॉ. डी.वी. सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र बावन, हरदोई), डॉ. ए.के. सिंह (वैज्ञानिक, केवीके उन्नाव), डॉ. दलगंजन सिंह (तकनीकी सलाहकार, सीओई कन्नौज), सिद्धनाथ शर्मा (सेवानिवृत्त), नरेंद्र कुमार (वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक), सूरज कुमार (सहायक उद्यान निरीक्षक) एवं प्रवेश कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बहराइच

पत्र सं. : 9033/अलाव व्यवस्था/सूखी जलौनी लकड़ी-आपूर्ति/2025-26 दिनाँक : 13 फरवरी, 2026

अति अल्पकालिक ई-निविदा सूचना (तृतीय चरण)

इस कार्यालय के पत्र सं.-2054/अलाव व्यवस्था/सूखी जलौनी लकड़ी-आपूर्ति /2025-26 दिनाँक : 13 फरवरी, 2026 द्वारा नगर पालिका परिषद, बहराइच में वर्ष 2025-26 में ठण्डक एंव शीत लहरी के दौरान नगर के विभिन्न चौराहो/प्रमुख स्थानों/वार्डों में अलाव जलवाये जाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति तृतीय चरण में किये जाने हेतु समस्त टिम्बर मर्चेन्टों, लकड़ी की ठेकी वाले व्यक्तियों से जिनका पंजीकरण वन विभाग/वन निगम में हो अथवा लकड़ी आपूर्ति करने का अनुभव प्रमाण पत्र हो से ई-टेण्डर पोर्टल http://etender.up.nic.in पर आनलाइन निविदायें दिनाँक : 17 फरवरी, 2026 को अपरान्ह 2.30 बजे से दिनाँक 05 मार्च, 2026 को अपरान्ह 3.30 बजे तक निर्धारित नियम व शर्तों के अधीन आमन्त्रित की जाती है। जिनकी तकनीकी बिड दिनांकः 05 मार्च, 2026 को अपरान्ह 04.00 बजे आनलाइन खोली जायेंगी। तकनीकी बिड में अर्ह पाये जाने वाले निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदायें आनलाइन ई-टेण्डर पोर्टल पर खोलने हेतु अपलोड जायेंगी। सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति हेतु आनलाइन प्राप्त न्यूनतम निविदादाता की दरों के अनुसार आवश्यकतानुसार कायार्देश निर्गत करके न्यूनतम निविदादाता से प्राप्त की जायेगी। प्राप्त निविदाओं में से किसी एक निविदा अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार मा. अध्यक्ष महोदय, नगर पालिका परिषद, बहराइच में निहिन होगा। आपूर्ति की जाने वाली सूखी जलौनी लकड़ी की मात्रा में विचलन सम्भावित है। 02 प्रतिशत जमानत धनराशि एवं निविदा मूल्य की धनराशि नगर पालिका परिषद, बहराइच के इण्डियन बैंक बहराइच स्थिति खाता सं.-50383894033 IFS code IDIB000C601 में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा करके जमा रसीद /यू.टी.आर. नम्बर ई-निविदा पोर्टल पर निविदा के साथ अपलोड करना होगा अथवा जमानत धनराशि के सापेक्ष एफ.डी.आर./टी.डी.आर. /सी.डी.आर./एन.एस.सी. निविदा के साथ संलग्न करना होगा। निविदा मूल्य आनलाइन ही जमा करना होगा। सम्बन्धित विस्तृत निविदा सूचना नगर पालिका परिषद, बहराइच की वेब साइट www.bahraichnpp.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बहराइच

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बहराइच

विवेकानन्द कॉलेज व स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विवेकानन्द कॉलेज व स्कूल ऑफ नर्सिंग के बीएससी (नर्सिंग) के 21वें सत्र व जीएनएम के 35वें सत्र के प्रथम वर्ष की छात्राओं का दीप प्रज्जवलन एवं शपथ ग्रहण समारोह विवेकानन्द कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग के प्रांगण में मनाया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, कानपुर के सचिव एवं ट्रस्टी, रामकृष्ण मठ, बेलूड़ मठ, हावड़ा के स्वामी आत्मश्रद्धानन्द महाराज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में नर्सिंग में प्रशिक्षित नर्सों को उपलब्ध कराने के लिए नर्सिंग स्कूल की कोशिशों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नर्सिंग पेशे में 24 घंण्टे त्याग की भावना, समर्पण, समझदारी और निस्वार्थ सेवा की मांग है और इस नर्सिंग व्यवसाय को स्वेच्छा से चुनने के लिए विद्यार्थियों की सराहना की।

विशिष्ठ अतिथि के रूप में कमाण्ड हॉस्पिटल (सेंट्रल कमांड), लखनऊ के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसपल कर्नल जीना वी उपस्थित थी। उन्होंने कहा कि संस्थान सदैव विद्यार्थियों की पहली पसंद है। नर्सिंग कालेज द्वारा आसाधारण परिणाम व छात्राओं जिन्होने इस सम्मानजनक पेशे को अपनाया और बाहरी प्रतिस्पर्धा के लिए अपने को तैयार करने के लिए बधाई दी। संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानन्द महाराज ने समारोह कहा कि आज 50 बीएससी (नर्सिंग) व 60 जीएनएम प्रथम वर्ष की छात्राएं त्याग और सेवा के लिए शपथ ले रही हैं।

इसके बाद कॉलेज की प्रधानाचार्या डा. एन वेंकटलक्ष्मी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए नर्सिंग स्कूल के छात्राओं के एकेडमिक व क्लीनिकल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज की मेधावी छात्राओं को मेडल व नगद धनराशि के रूप में पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र भी दिए गए।

अंसल के निदेशक समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में अंसल प्रापर्टीज के निदेशक सुशील अंसल समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है।

शिरीश दुबे ने आरोप लगाया कि उन्होंने प्लाट के लिए 16.63 लाख रुपये दिये। सुशांत गोल्फ सिटी थाने में अंसल के निदेशक सुशील अंसल समेत पांच के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा गोमतीनगर एल्डिको के रहने वाले शिरीश दुबे ने दर्ज कराया है। उन्होंने निदेशक समेत पांच आरोपितों पर प्लाट के नाम पर 16.53 लाख रुपये ठगी का आरोप लगाया है।

इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी राजीव रंजन उपाध्याय के मुताबिक शिरीष ने तहरीर देकर बताया कि उन्हें प्लाट खरीदना था। 10 अक्तूबर 2008 मेसर्स अंसल प्रापर्टीज एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के जे-ब्लाक में एक प्लाट बुक कराया। पांच जुलाई 2010 को उसका एग्रीमेंट कराया। कई किस्तों में 16.63 लाख रुपये कंपनी और निदेशक के खाते में ट्रांसफर किए।

तय समय पर भी कंपनी के निदेशक सुशील अंसल, प्रणव अंसल, अधिकारी हरीश गुल्ला, डीपी डुडेजा, राजेश्वर व अन्य लोग प्लाट नहीं दे सके। जब भी प्लाट के लिए बात की उक्त लोग टाल मटोल करते रहे। विरोध पर धमकी दी और प्लाट देने से मना कर दिया। रुपयों की मांग की तो वह भी नहीं दिए। घटना की जानकारी पुलिस के उच्चाधिकारियों को दी।

इसके बाद तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर अंसल के निदेशक सुशील अंसल, प्रणव अंसल के अलावा अधिकारी और कर्मचारियों में हरीश गुल्ला, डीपी डुडेजा, राजेश्वर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आज देखा जायेगा माह-ए-रमजान का मुबारक चांद

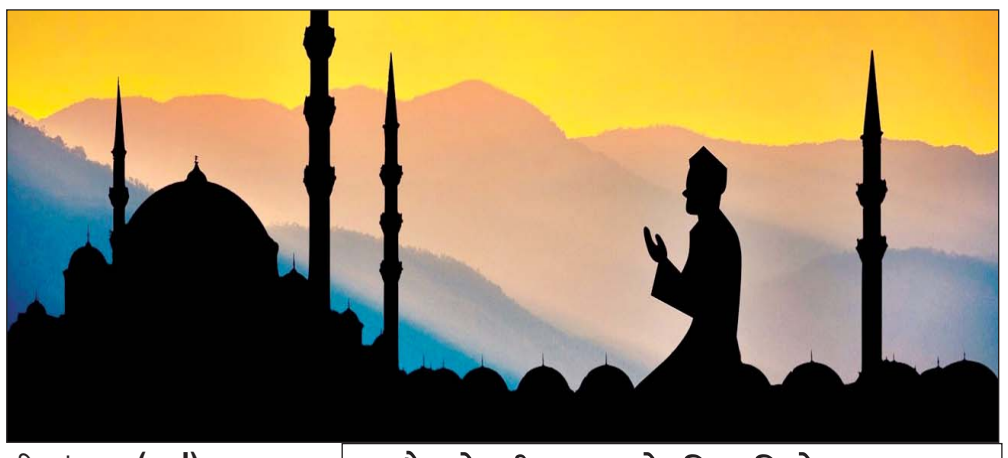

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। माह-ए-रमजान का चांद बुधवार को देखा जाएगा। चांद दिखने पर पहला रोजा 19 फरवरी को होगा नहीं तो 20 फरवरी को होगा। चांद दिखने के साथ ही सभी मस्जिदों में तरावीह की नमाज शुरू होगी।

रमजान में तरावीह नमाज का विशेष महत्व है। तरावीह में बीस रकात नमाज अदा की जाती है। सभी मस्जिदों में तरावीह की नमाज विशेष रूप से अदा की जाती है। ज्यादातर मस्जिदों के लिए हाफिज-ए-कुरआन तय हो चुके हैं। साथ ही इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया से तमाम मस्जिदों में पारे और समय की घोषणा कर दी गई है। शहर की अधिकांश मस्जिदों में ईशा यानी रात की नमाज आठ बजे होगी। इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी ने कहा कि तरावीह की नमाज मर्द व औरत सबके लिए सुन्नत है। तरावीह की नमाज पूरे माह-ए-रमजान में पढ़नी है। रमजान में तरावीह नमाज के दौरान एक बार खत्मे कुरआन करना सुन्नत है। दो बार खत्म करना अफजल हैं। तीन बार कुरआन मुकम्मल करना फजीलत माना गया है। ऐशबाग ईदगाह में औरतों की तरावीह की नमाज के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

चांद देखने की अपील: मरकजी चांद कमेटी फरंगी महल के सदर एवं इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने तमाम मुसलमानों से अपील की कि वह 28 फरवरी रमजानुल मुबारक के चांद देखने का एहतिमाम करें। चांद देख कर कमेटी के अध्यक्ष को गवाही दें या इस सिलसिले में 9415023970 9335929670, 9415102947, 9839313602, 9889911119 9839132548 7376952721, 9140427677 इन नम्बरों पर सूचना दें। मरकजी शिया चांद कमेटी अध्यक्ष मौलाना सैय्यद सैफ अब्बास नकवी ने लोगों से अपील की है कि 18 फरवरी को रमजान का चांद देखनें की कोशिश करें। अगर चांद दिखाई देता है तो इन नम्बरों पर 9839097407, 9415784680, 9651623004, 7905912573, 9621168661,9415580936 बताएं।

लैलात अल-कद्र का महत्व: लैलात अल-कद्र रमजान की आखिरी 10 रातों की विषम रातों में से एक होती है। इस रात को हजार महीनों से बेहतर बताया गया है। कई हदीसों के अनुसार, 27वीं रात को लैलात अल-कद्र माना जाता है। इस रात में इबादत, दुआ, दान और नेक काम का सवाब कई गुना बढ़ जाता है।

ईद-उल-फितर कब और क्यों मनाई जाती है?: ईद-उल-फितर रमजान के महीने के खत्म होने के बाद मनाई जाती है। इसे रोजा खोलने का त्योहार भी कहा जाता है। 30 रोजे पूरे होने के बाद शव्वाल महीने के पहले दिन ईद मनाई जाती है। लोग इस दिन एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हैं। रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बिताते हैं और बच्चों को ईदी देते हैं। ईद-उल-फितर अल्लाह के प्रति आभार का प्रतीक है। यह पर्व त्याग और भाईचारे का संदेश देती है।

जकात-उल-फितर क्या है?: रमजान के अंत में और ईद की नमाज से पहले जकात-उल-फितर देना अनिवार्य होता है। यह आमतौर पर गेहूं, चावल या अन्य खाद्य सामग्री के रूप में दी जाती है।

जकात-उल-फितर का उद्देश्य: गरीब और जरूरतमंदों को ईद की खुशियों में शामिल करना। समाज में बराबरी और सहयोग की भावना बढ़ाना। इसे रमजान के आखिरी दिनों में या लैलात अल-कद्र के दिन देना अधिक सवाब का काम माना जाता है।

रमजान की तारीख हर साल क्यों बदलती है?: रमजान की शुरूआत इस्लामी चंद्र कैलेंडर पर आधारित होती है। जैसे ही शाबान महीने के अंत में नया चांद दिखता है, अगले दिन से रमजान शुरू हो जाता है। अगर चांद न दिखे, तो शाबान के 30 दिन पूरे किए जाते हैं। इसी कारण रमजान हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर में 10-11 दिन पहले आ जाता है। अलग-अलग देशों में चांद दिखने के समय में फर्क होने से तारीखें अलग हो सकती हैं।

चांद 18 की शाम को दिखने पर पहला रोजा 19 को रखा जायेगा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुस्लिम और गैर-मुस्लिम दोनों ही रमजान को इस्लामी कैलेंडर का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण महीना मानते हैं। यह महीना रोजा रखने, आत्मचिंतन करने और अल्लाह की इबादत में खुद को समर्पित करने का होता है। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है, जिसकी शुरूआत चांद दिखने पर होती है। रोजा रखने का उद्देश्य केवल भूखा रहना नहीं, बल्कि नफ्स यानी इच्छाओं पर काबू, बुरी बातों से दूरी और सकारात्मक सोच को अपनाना है।

साल 2026 में रमजान फरवरी महीने में शुरू होने की संभावना है, जिससे रोजेदारों को मौसम की वजह से रोजा रखने में सहूलियत मिल सकती है। आइए जानते हैं कि इस साल रमजान कब से शुरू होने वाला है। मुस्लिम एड वेबसाइट संस्था के अनुसार, माह-ए-रमजान 2026 की शुरूआत 19 या 20 फरवरी से हो सकती है। हालांकि, इसकी अंतिम पुष्टि चांद दिखने पर ही होगी। रमजान का महीना 29 या 30 दिनों का होता है। चांद 18 फरवरी की शाम को दिखने पर पहला रोजा 19 फरवरी को रखा जाएगा। अगर चांद नहीं दिखा, तो रोजा 20 फरवरी से शुरू होगा।

रमजान 2026 की मुख्य तारीखें

- रमजान 2026 की शुरूआत- 19 या 20 फरवरी
- रमजान कितने दिन का होगा- 29 या 30 दिन
- रमजान खत्म होने की तारीख- लगभग 20 मार्च
- लैलात अल-कद्र 2026- 27वां रमजान (संभावित तारीख 17 मार्च)
- ईद-उल-फितर 2026: 20 या 21 मार्च के आसपास

औरतों की नमाज के लिए विशेष इंतजाम

इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल में माहे रमजान के इस्तकबाल के विषय पर बैठक हुई। अध्यक्षता सेन्टर के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने की। मौलाना ने बताया कि जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में तरावीह में पांच पारे होंगे। इशा की जमाअत का समय शाम 7: 45 बजे है। औरतों के लिए भी जमाअत के साथ नमाज अदा करने का अलग इंतजाम किया गया है। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि रमजान का महीना बहुत बरकत वाला है। इसकी फजीलत अनगिनत हैं। उन्होंने कहा कि हदीस शरीफ में हजरत अबू हुरैरा से रिवायत है कि रसूल पाक ने फरमाया है कि रोजा दोजख से बचने के लिए एक ढाल है। इस लिए राजेदार न बेकार बात करें और न जिहालत की बातें और अगर कोई शख्स उससे लड़े या उसे गाली दे तो इसका जवाब सिर्फ यह होना चाहिए कि मैं रोजेदार हूं। यह शब्द दो बार कह दे। मौलाना ने कहा कि रमजान का महीना हमदर्दी, गमख्वारी और सहायता करने का महीना है। बैठक में मौलाना मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीकी, मौलाना मुशताक नदवी और मौलाना अब्दुल लतीफ नदवी व अन्य शामिल रहे।

झूलेलाल जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

लखनऊ। झूलेलाल जयंती पर स्वर्जनिक छुट्टी न मिलने से सिंधी समुदाय निराश है मेला कमेटी के पदाधिकारियों की आज इंदिरा नगर झूले लाल भवन में हुई बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया जिसमें यह बात भी कही गई कि देश के कई प्रांतों में जैसे (राजस्थान, मध्य प्रदेश गुजरात) सहित अन्य राज्यों में भगवान झूलेलाल जयंती पर स्वर्जनिक छुट्टी घोषित है। चेट्टी चंद मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने आज बैठक कर मुख्यमंत्री से उतर प्रदेश में भी सिन्धी समाज के ईष्ट देव भगवान झूलेलाल जयंती पर छुट्टी घोषित करने की माँग की है जल्द ही मेला कमेटी अपने मुख्यमंत्री से मिलकर इससे लागू करने का अनुरोध करेंगे आज मेला कमेटी की कार्यकारिणी की पहली बैठक में पुरानी टीम को उन्हीं पदों पर जगह दी गई इसके अलावा कुछ नए समाज के लोगों को शामिल कर बदलाव भी किये गए है। चेट्टी चंद मेला कमेटी के प्रवक्ता अशोक मोतियानी अध्यक्ष रतन मेघानी महामंत्री संजय जसवानी कोषाध्यक्ष सतेन्द्र भावनानी श्याम कृषनानी, हंसराज राजपाल, राजू जसवानी सतीश लखमानी सुरेश छबलानी अमर नाथ चौधरी सहित सभी ने संयुक्त रूप से बताया कि भगवान झूलेलाल जयंती धूम धाम से मनाए जाने की तैयारियों में सिन्धी समाज जुट गया है। 20 मार्च को सिन्धी समुदाय अपने ईष्ट देव भगवान झूले लाल की जयंती धूम धाम से मनाएगा सिन्धी बाहुल्य क्षेत्रों से भगवान झूलेलाल जी की शोभा यात्रा निकाली जाएगी चेट्टी चंद मेला कमेटी कि नईकार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से नीरज राजपाल नितेश मध्यान, विक्की दयलानी , दिनेश रायचंदानी प्रल्हाद गुरनानी, आनंद खत्री , सुरेश चबलानी अमर नाथ चौधरी, मुकेश केवलानी, मनीष लालवानी, हंसराज राजपाल राजू जसवानी निखिल तोलानी सूरज जसवानी सतीश लखमानी पुनीत लालचंदानी घनश्याम सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

भविष्यवाणी की एक प्राचीन पद्धति है वाइन रीडिंग या ओएनोमेंसी

महिलाओं में वाइन, साइन्स एंड डिवाइन सत्र में ज्योतिष के प्रति दिखा उत्साह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर ने लखनऊ के निशातगंज स्थित मेट्रो सिटी सेंटर के सफायर सुइट्स में डॉ. शीतल शपारिया के साथ वाइन, साइन्स एंड डिवाइन शीर्षक से एक खास और दिलचस्प सत्र होस्ट किया।

डॉ. शीतल शपारिया ने इस कार्यक्रम में फ्लो सदस्यों को वाइन रीडिंग की कला से परिचित कराया गया। इसमें कैनवस पर वाइन से बने पैटर्न को किसी की पर्सनैलिटी और लाइफ जर्नी के बारे में इनसाइट बताने के लिए इंटरप्रेट किया जाता है। फिर पार्टिसिपेंट्स ने अपने इंप्रेशन को एक्सप्रेसिव आर्टवर्क में बदला, जिससे उनके अंदर के सिंबॉलिक रिफ्लेक्शन बने। डॉ. शीतल शपारिया ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि वाइन रीडिंग या ओएनोमेंसी भविष्यवाणी की एक प्राचीन पद्धति है जिसमें वाइन पीने के बाद गिलास में बचे लाल वाइन के तलछट में मौजूद पैटर्न का विश्लेषण करके व्यक्ति, रिश्तों और भविष्य के बारे में जानकारी प्राप्त की जाती है। ग्रीक और

रोमन परंपराओं से जुड़ी इस प्रक्रिया में, मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए अवशेष के आकार, रंग और सुगंध का विश्लेषण किया जाता है। वाइन रीडर, इन आकृतियों को साधक के जीवन के पहलुओं के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के रूप में व्याख्या करते हैं। उन्होंने कहा कि कौन सोचेगा कि ग्लास में बची हुई वाइन से छिपी हुई पर्सनैलिटी की खासियतें, रोमांटिक रिश्तों की समझ, करियर में सफलता और भविष्य में क्या होने वाला है, यह पता चल सकता है, लेकिन वाइन रीडिंग असल में भविष्यवाणी का एक पुराना तरीका है जिसका इस्तेमाल भविष्य बताने के लिए किया जाता है। यह पुराने रोम के समय में बहुत प्रसिद्ध कला थी लेकिन हाल ही में इसे कुछ खास ज्योतिषियों ने फिर से अपना लिया है। वाइन रीडिंग के इतिहास के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शुरूआत भी ड्रिंक की तरह ही रहस्यमयी है। यह बात पुराने ग्रीस और रोम से शुरू होती है, जब देवताओं को चढ़ावे के तौर पर वाइन चढ़ाई जाती थी, इस उम्मीद में कि वे एक अच्छा भविष्य पक्का करेंगे। पुराने ग्रीस में वाइन को डायोनिसस से जोड़ा जाता था, जो मौज-मस्ती के देवता थे और 'एपिफेनी' के रूप में प्रेरणा देते थे। डायोनिसस के जैसे ही बैकस थे जो वाइन और दिव्य उन्माद के रोमन देवता थे। बैकस खुद ज़िंदा और मरे हुए लोगों के बीच एक दिव्य कम्युनिकेटर के तौर पर काम करते थे। रोम में वाइन रीडिंग की कला पारंपरिक रूप से पुजारिन बैकान्टे करती थीं। इस सेशन में क्रिएटिविटी, आत्मनिरीक्षण और सार्थक बातचीत का एक अच्छा मेल था, जिससे यह फ्लो लखनऊ के लिए एक खास शाम बन गई। मंच का संचालन शमा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में फिक्की फ्लो लखनऊ की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल, सिमरन साहनी, स्वाति वर्मा, विभा अग्रवाल, देवांशी सेठ, वनिता यादव, नेहा सिंह, स्मृति गर्ग सहित 150 से अधिक फ्लो सदस्य मौजूद थे।

सरस कार्बेट महोत्सव में सम्मिलित होंगे लखनऊ के कलाकार डॉ. अवधेश मिश्र

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तराखंड में 18 से 24 फरवरी 2026 तक आयोजित चम्पावत सरस कार्बेट महोत्सव में वरिष्ठ कलाकार, कला दीर्घा, अंतर्राष्ट्रीय दृश्य कला पत्रिका के संपादक तथा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कलाचार्य डॉ. अवधेश मिश्र रिसोर्स पर्सन के रूप में सहभागिता करेंगे। उनके मार्गदर्शन में ऐपण शिल्पियों को देश की विविध लोककलाओं एवं समकालीन कला का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे पारंपरिक कला-चेतना को व्यापक भारतीय संदर्भ से जोड़ा जा सके।

महोत्सव में डॉ अवधेश मिश्र के साथ सहायक कलाकार के रूप में ललित कला परास्नातक के छात्र पुलक मिश्र और हिमांशु गुप्त सम्मिलित होंगे। चम्पावत महोत्सव उत्तराखंड का एक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं पर्यटन आयोजन है, जहाँ कुमाऊँ अंचल की लोकपरंपराएँ, कला,

शिल्प, संगीत, नृत्य और स्थानीय जीवनशैली एक जीवंत उत्सवधर्मी वातावरण में अभिव्यक्त होती हैं। इस महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्रीय सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण, स्थानीय कलाकारों को सशक्त मंच प्रदान करना तथा पर्यटन को प्रोत्साहन देना है। यहाँ झोड़ा, छपेली और चांचरी जैसे कुमाऊँनी-गढ़वाली लोकनृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियाँ ढोल, दमाऊ और रणसिंघा की गूँज के साथ वातावरण को आलोकित करती हैं। साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, रिंगाल एवं बाँस की कारीगरी की प्रदर्शनी-विक्रय, पारंपरिक व्यंजनों, जैसे - भट्ट की चुड़कानी, रस और झंगोरे की खीर का स्वाद, खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ तथा क्षेत्रीय विकास योजनाओं की झलक इस आयोजन को बहुआयामी स्वरूप प्रदान करती हैं। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक हिमालयी दृश्यावलियों, हरित घाटियों और निर्मल परिवेश का अनुभव करते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और बाजार को सुदृढ़ बनाते हैं। शीत और वसंत ऋतु के मध्य जिला प्रशासन एवं स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव कुमाऊँ की जीवंत सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है, जहाँ इतिहास, परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय दृष्टिगोचर होता है। आमंत्रित कलाकार डॉ. अवधेश मिश्र भारतीय समकालीन कला जगत में लगभग तीन दशकों से सृजन और विचार दोनों के प्रति समान प्रतिबद्धता के साथ सक्रिय हैं।

ठुमरी एवं खयाल गायकी की बारीकियों से रूबरू हुए छात्र

- भातखण्डे में शुभ्रा गुहा के निर्देशन में ठुमरी व खयाल कार्यशाला का द्वितीय दिवस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पद्मभूषण बेगम अख्तर की पावन स्मृति में स्थापित पीठ के अंतर्गत ठुमरी एवं खयाल गायकी पर आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का द्वितीय दिवस विश्वविद्यालय के सुजान सभागार में अत्यंत गरिमामय एवं प्रेरणादायक वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह कार्यशाला 16 से 19 फरवरी 2026 तक गायन विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें सुप्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका

विदुषी शुभ्रा गुहा विशेषज्ञ के रूप में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस के शुभारम्भ अवसर पर विशेषज्ञ विदुषी शुभ्रा गुहा के साथ कार्यक्रम संयोजिका एवं गायन विभागाध्यक्ष प्रो. सृष्टि माथुर, सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, संगतकर्ता, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विदुषी शुभ्रा गुहा ने ठुमरी एवं खयाल गायकी की बारीकियों, स्वर-साधना, भाव-अभिव्यक्ति, राग की संवेदनशीलता तथा शैलीगत विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संवादात्मक शैली में उन्होंने विद्यार्थियों व शोधार्थियों को गायन की तकनीकी तथा शोधपरक समझ को सुदृढ़ करने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण सत्र में गायन में सबीना, तानपुरे पर प्रशांत पाण्डेय तथा तबले पर सौरभ सिंह ने प्रभावी संगत प्रदान की। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को भारतीय शास्त्रीय गायन परंपरा की समृद्धि, तकनीकी विशेषताओं तथा महान कला विभूतियों के सांस्कृतिक योगदान से परिचित कराना है। साथ ही इस अमूल्य सांगीतिक धरोहर को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संगीत के प्रति गहन समझ, अनुशासन एवं रचनात्मक दृष्टि विकसित करते हैं तथा परंपरा और आधुनिक शोध के बीच सार्थक सेतु स्थापित करते हैं। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन ने बताया कि बेगम अख्तर स्मृति पीठ के अंतर्गत वर्षभर व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, संगीत-नृत्य प्रस्तुतियाँ एवं शोधपरक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है, जिससे संगीत शिक्षा, अनुसंधान तथा सामाजिक सहभागिता को नई दिशा प्राप्त होगी।

जाति भेदभाव, महिलाओं के शोषण की कहानी है 'पारो पिनाकी'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। एक गटर साफ करने वाला लड़का, एक सब्जी बेचने वाली लड़की। गरीबी और संघर्ष की जिंदगी के बीच हर दिन ट्रेन में होने वाली मुलाकात। प्यार के फूल, खलिखलाती मुस्कुराहट, भविष्य के सपने। 'पारो पिनाकी की प्रेम कहानी' की शुरूआत ऐसे ही होती है।

रुद्र जादौन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अपनी शुरूआत से ही लुभाती है। फिर जब कहानी में ट्वस्टि आता है, तो यह कचोटती भी है। लेकिन एक सोशल ड्रामा फिल्म में डायरेक्टर जातिगत भेदभाव, महलिाओं के शोषण और गरीबी के दंश, जैसे गंभीर मुद्दों को उठाते तो हैं, पर उस प्रबलता से असरदार बनाने में मात खा जाते हैं, जसिकी ऐसी फिल्मों से उम्मीद की जाती है। पिनाकी (संजय बिश्नोई) एक मजदूर है। वह गटर साफ करने का काम करता है। बड़ी मुश्किल से जिंदगी जी रहा है। वह हर दिन काम पर आने-जाने के लिए ट्रेन की यात्रा करता है, जहां रोजाना उसे मरियम (ईशिता सिंह) दिखती है। मरियम एक सब्जी बेचने वाली है, जो ट्रेन के टॉयलेट के पास हर दिन मिलती है। दोनों के बीच आम बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल जाती है।

- ऐक्टर: इशिता सिंह, संजय बिश्नोई, हनुमान सोनी
- डायरेक्टर : रुद्र जादौन

रेटिंग-2/5

प्यार पनपता है, और वे एक साथ भविष्य के सपने देखने लगते हैं, यहां तक कि शादी की बात भी होने लगती है। लेकिन तभी कहानी में ट्वस्टि आता है। किस्मत पिनाकी और मरियम की प्रेम कहानी में दखल देती है। एक दिन अचानक मरियम बिना कुछ बताए, बिना किसी निशान के गायब हो जाती है। उसके गायब होने से पिनाकी टूट जाता है। वह बेसब्र होकर उसे खोजने लगता है। उसके घर में घुसने की कोशिश करता है। वह इसके लिए अपनी मां के सोने के हार के चोरी होने की झूठी कहानी बनाता है और उसके पिता पर झूठा आरोप लगाता है, जिससे वह पुलिस के साथ घर में घुसकर यह देख सके कि मरियम वहां है या नहीं। लेकिन यह उसकी लगातार खोज आखिरकार उसे एक भयानक सच्चाई तक ले जाती है। 'पारो पिनाकी की कहानी' एक ऐसी फल्मि है जिसका दिल सही जगह पर है, यानी उसकी चाहत नेक है। लेकिन एक कमजोर और उलझी हुई स्क्रीनप्ले की वजह से यह निराश करती है। कहानी बिखरी हुई लगती है। फल्मि एक साथ कई सामाजिक मुद्दों को उठाने की कोशिश करती है, लेकिन एक सार्थक कहानी बनने के बजाय, यह अराजकता में बदल जाती है। कलाकारों की अदाकारी से ज्यादा, यहां सही निर्देशन की कमी खलती है। एक गटर साफ करने वाला और एक सब्जी बेचने वाली की प्रेम कहानी, यह अपने आप में ऐसा प्लॉट है, जो आपको बांधता है। लेकिन अफसोस कि फिल्म देखते हुए यह असर कुछ पलों के लिए ही होता है। खराब एडिटिंग और कहानी की संरचना, शुरूआती उत्साह को खत्म कर देती है। फल्मि के अधकितर कलाकार नए हैं, हालांकि उन्होंने ईमानदारी और भरोसेमंद एक्टिंग की है। खराब डायरेक्शन और स्क्रीनप्ले की वजह से उन्हें पूरी तरह से चमकने का मौका नहीं मिलता। पिनाकी के रूप में संजय बिश्नोई ने दिल को छू लेने वाली एक्टिंग की है, जो सबसे अलग है। उनका किरदार भावनात्मक रूप से ईमानदार लगता है, और उनके किरदार का दर्द असली लगता है। ईशिता सिंह के साथ उनके सीन स्वाभाविक लगते हैं, खासकर वे पल जब वह पैसे कमाने के लिए संघर्ष करता है और अपनी प्रेमिका को वापस लाने के लिए दुकानों पर काम मांगने जाता है। ईशिता सिंह अपनी भूमिका में भरोसेमंद लगती हैं और आत्मविश्वास से भरी और जमीन से जुड़ी अदाकारी करती हैं।

कार्यालय जिलाधिकारी/लाइंस प्राधिकारी, बहराइच

संख्या : 1380/जि.आ.अ./अन्तरिम व्यवस्थापन/2025-26/बहराइच/ दिनांक : 17/2/2026

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद स्थित निलम्बित कम्पोजिट शॉप-जरवल कस्बा (शॉप आई.डी. 43266) वर्ष 2025-26 के दैनिक आधार पर 14 दिवस की अवधि या नियमित व्यवस्थापन के दिनांक तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए आगणित देयताओं पर अन्तरिम व्यवस्थापन हेतु ऑफलाईन ऑफर आमंत्रित किया जाता हैं। इच्छुक अर्ह आवेदक दिनांक 18.02.2026 को अपरान्ह 11.30 बजे तक अपना टेण्डर/ऑफर कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बहराइच में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त ऑफरों को अपरान्ह 12.00 बजे नियमानुसार खोला जायेगा, जिसमें सर्वोच्च ऑफर को स्वीकृत किया जायेगा। दो या दो से अधिक समान ऑफर प्राप्त होने पर सार्वजनिक मैनुअल लॉटरी के माध्यम से सर्वोच्च ऑफर का चयन करते हुए दुकान का दैनिक आधार पर अन्तरिम व्यवस्थापन किया जायेगा । दिनांक 03.02.2026 को अपरान्ह 11.30 बजे तक किसी टेण्डर/ऑफर प्राप्त न होने की दशा में पुनः आगामी तिथि पर टेण्डर/ऑफर दिया जा सकता है। निलम्बित कम्पोजिट शॉप जरवल कस्बा का विदेशी मदिरा एवं बीयर का दैनिक लाइसेंस फीस एवं एम. जी. आर. का विवरण निम्नवत हैः-

क्र. सं.	कम्पोजिट शॉप	शॉप आई.डी.	विदेशी मदिरा दुकान का दैनिक एम.जी.आर. (रू. में)	बीयर का दैनिक एम.जी.आर. (रू. में)	अन्तरिम व्यवस्थापन हेतु दुकान की दैनिक लाइसेंस फीस (रू.में)
1	जरवल कस्बा	43266	28767.12	30136.99	3877.00

उपरोक्त दैनिक एम.जी.आर. का ऑफर विदेशी एवं बीयर के लिए अलग-अलग दिया जायेगा। लाइसेंस फीस एवं प्रतिभूति धनराशि का आगणन निर्धारित 14 दिवस के लिए प्रदान किये गये ऑफर पर किया जायेगा। चयनित उच्चतम ऑफरदाता को तत्काल लाइसेंस फीस एवं प्रतिभूति धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा तथा प्रस्तुत ऑफर में दिये गये एम. जी. आर. को अन्तरिम व्यवस्थापन अवधि के दौरान उठान अनिवार्य होगा। अन्य विस्तृत जानकारी हेतु संबंधित आबकारी निरीक्षक एवं कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बहराइच से प्राप्त की जा सकती है। यह अन्तरिम व्यवस्थापन दिनांक 18.02.2026 से अग्रिम 14 दिवस के लिए प्रभावी होगा ।

जिला आबकारी अधिकारी
बहराइच

लाइसेंस प्राधिकारी/जिलाधिकारी
बहराइच

अवध-हमसफर, सप्तक्रांति सहित बदले रूट से चलेंगी कई ट्रेनें

रेलवे ने बदले नियम, अब स्टाफ के बजाय आम आदमी को मिलेगी सीट

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के बेतिया-कुमारबाग स्टेशनों के मध्य रेलवे ट्रैक पर काम होने के कारण लखनऊ होकर जाने वाली अवध, हमसफर, सप्तक्रांति सहित कई ट्रेनें बदले रूट से चलेंगी। एक ट्रेन को पहले के स्टेशनों पर ही रोक कर वहीं से चलाया जाएगा। बरौनी से 16 एवं 17 फरवरी को चलने वाली 19038 बरौनी-बांद्रा अवध एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जाएगी। मुजफ्फरपुर से 16 एवं 17 फरवरी को चलने वाली 12557 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार सप्तक्रांति एक्सप्रेस सुगौली-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जाएगी।

आनंद विहार से 16 फरवरी को चलने वाली 12558 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सुगौली के रास्ते चलाई जाएगी। कटिहार से 16 फरवरी को चलने वाली 15705 कटिहार-दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जाएगी। बापूधाम मोतिहारी से 17 फरवरी को चलने वाली 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस सुगौली-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जाएगी। बापूधाम मोतिहारी से 17 फरवरी को चलने वाली 14009 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार एक्सप्रेस बापूधाम मोतिहारी के स्थान पर नरकटियागंज स्टेशन से चलाई जाएगी।

बाराबंकी को रेलवे ने दी 2 स्पेशल ट्रेनों की सौगात : होली में दो आरक्षित स्पेशल ट्रेनें 20 फरवरी से छह मार्च तक संचालित होंगी, जिनका स्टापेज बाराबंकी मुख्यालय पर दो मिनट निर्धारित किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 04054 होली स्पेशल ट्रेन नई दिल्ली से बरौनी तक चलेगी। नई दिल्ली से देर शाम सात बजकर 50 मिनट पर चलकर बाराबंकी स्टेशन पर दूसरे दिन सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर पहुंचेगी, यहां से दो मिनट बाद सुबह नौ बजकर 15 मिनट पर रवाना हो जाएगी। वापसी में दोपहर एक बजकर 53 मिनट पर स्टेशन आएगी, यहां से दो मिनट बाद एक बजकर 55 मिनट पर रवाना होगी।

दूसरी होली स्पेशल आरक्षित ट्रेन 04060 नई दिल्ली से रात नौ बजकर 35 मिनट पर चल कर बाराबंकी मुख्यालय स्टेशन पर सुबह 10 बजकर 53 मिनट पर पहुंचेगी। 10 बजकर 55 मिनट पर रवाना होगी। वापसी में होली स्पेशल ट्रेन देर रात दो बजकर 20 मिनट पर मुख्यालय के स्टेशन पर पहुंचेगी। दो बजकर 22 मिनट पर रवाना होगी। 04022 व 04014 होली स्पेशल ट्रेनें मुख्यालय के स्टेशन से गुजरेंगी, लेकिन इन दोनों ट्रेनों का ठहराव नहीं होगा।

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और ट्रेन संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रेलवे बोर्ड के मैकेनिकल निदेशालय द्वारा जारी नए निदेर्शों के अनुसार, ट्रेन के भीतर तैनात रहने वाले ऑन-बोर्ड स्टाफ (ओबीएचएस, एसी स्टाफ और वेंडिंग स्टाफ) को दी जाने वाली बर्थ के नियमों में आमूल-चूल बदलाव किया गया है। इस नए फैसले का सबसे सीधा और बड़ा लाभ आम यात्रियों को मिलने वाला है। अब तक स्टाफ के नाम पर 'ब्लाक' रहने वाली कई कीमती सीटें अब आम जनता के लिए बुकिंग के लिए उपलब्ध होंगी। अक्सर देखा जाता था कि लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रियों को 'वेटिंग लिस्ट' का सामना करना पड़ता है, जबकि कई कोचों में गेट के पास वाली सीटें या बीच की कुछ बर्थ 'स्टाफ' के नाम पर आरक्षित रहती थीं। पहले के नियमों में स्पष्टता की कमी के कारण, आन-बोर्ड स्टाफ (जैसे सफाईकर्मी या एसी मैकेनिक) कई बार उन सीटों का भी उपयोग करते थे जो यात्रियों के लिए होनी चाहिए थीं। इसके अलावा, पेंट्री कार होने के बावजूद खाना बेचने वाले स्टाफ द्वारा अलग से सीटें घेरने की शिकायतें भी आम थीं। इन्हीं विसंगतियों को दूर करने के लिए रेलवे ने पुराने सभी निदेर्शों (जैसे 2016 और 2018 के सर्कुलर) को रद करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की है।

एसी कोच स्टाफ को अब नहीं मिलेगी 'प्रीमियम' बर्थ : ट्रेन में एसी की देखभाल करने वाले स्टाफ (एसीसीआइ/एसीसीईए) के लिए नियम अब बहुत सख्त कर दिए गए हैं। क्लास का निर्धारण किया गया है। अब एसी स्टाफ को फर्स्ट एसी या सेकेंड एसी जैसे महंगे कोचों में कोई बर्थ नहीं दी जाएगी। अगर ट्रेन पूरी तरह एसी (जैसे राजधानी या दुरंतो) है, तो उन्हें सबसे निचली श्रेणी यानी थर्ड एसी (एसीसीएन) में जगह मिलेगी। अगर ट्रेन मिश्रित (मिक्सड) है (जिसमें स्लीपर कोच भी हैं), तो एसी स्टाफ को अनिवार्य रूप से स्लीपर क्लास (एससीएन) में ही बर्थ दी जाएगी।

पूरी ट्रेन के एसी मेंटेनेंस स्टाफ को सिर्फ 2 सीटें आरक्षित : सीटों की संख्या को देखें तो पूरी ट्रेन के सभी एसी मेंटेनेंस स्टाफ के लिए कुल मिलाकर सिर्फ दो बर्थ आरक्षित की जाएंगी। पुरानी सीटों की वापसी भी होगी। आदेश में साफ कहा गया है कि इन नियमों से पहले अगर रकिराया देने वाली सीटस के नाम पर कोई भी सीट स्टाफ को दी गई थी, तो उसे तुरंत प्रभाव से वापस ले लिया जाए। पहले सभी कोच में एक-एक सीट अटेंडेंट को मिलती थी। यानी अगर ट्रेन में 10 एसी कोच हैं तो 10 सीटें स्टाफ को मिल जाती थी। अब यह नियम बदल दिया गया है।

यात्रियों को फायदा : इससे फर्स्ट एसी और सेकेंड एसी की वो सीटें, जो पहले स्टाफ के पास रहती थीं, अब पूरी तरह यात्रियों के लिए खाली रहेंगी। हर ट्रेन में औसतन चार से छह महंगी सीटें यात्रियों के खाते में वापस आएंगी।

सफाई स्टाफ झुंड बनाकर नहीं बैठेंगे : आन-बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ (ओबीएचएस) वो टीम है जो ट्रेन में टयलेट और कोच की सफाई करती है। इनके लिए नया 'स्प्रेड माडल' लागू किया गया है। अब सफाई स्टाफ एक जगह झुंड बनाकर नहीं बैठेगा। उन्हें ट्रेन के चार अलग-अलग कोचों में एक-एक साइड लोअर बर्थ दी जाएगी। जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करना होगा कि ये चार कोच एक-दूसरे के पास न हों, बल्कि उनके बीच कम से कम दो कोच का अंतर हो। ये सीटें ट्रेन के दोनों सिरों (शुरूआत और अंत) के पास वाले कोचों में होंगी।

सफाईकर्मी चंद मिनटों में आपके कोच में पहुंचेगा : पहले यात्रियों को सफाईकर्मी को ढूंढने के लिए कई कोच पार करने पड़ते थे। अब चूंकि वे पूरी ट्रेन में फैले होंगे, तो आपके बुलाने पर सफाईकर्मी चंद मिनटों में आपके कोच तक पहुंच जाएगा। साथ ही, साइड लोअर बर्थ का चुनाव इसलिए किया गया है ताकि बीच की मुख्य बर्थ यात्रियों के लिए बची रहें।

खाना बेचने वाले स्टाफ (टीएसवी) के लिए कड़े नियम : ट्रेन साइड वेंडिंग (टीएसवी) स्टाफ को लेकर रेलवे ने सबसे बड़ा वित्तीय फैसला लिया है। पेंट्री कार होने पर 'नो बर्थ' होगा। यानी किसी ट्रेन में पेंट्री कार (रसोई यान) लगी है, तो खाना बेचने वाले कर्मचारियों को कोच के अंदर एक भी सीट नहीं मिलेगी। उन्हें पेंट्री कार में ही अपनी जगह बनानी होगी। जिन ट्रेनों में पेंट्री कार नहीं है, वहां वेंडिंग स्टाफ को स्लीपर क्लास में दो बर्थ दी जाएंगी।

यात्रियों के कंफर्म होंगे टिकट : अक्सर पेंट्री कार होने के बावजूद वेंडर कोच में सीटें घेरे रहते थे। अब उन 2-3 सीटों पर आम यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे।

'मिनी-पेंट्री' और भविष्य की योजना : रेलवे एक ऐसी तकनीक पर काम कर रहा है जिसे 'माडिफाइड मिनी-पेंट्री' कहा जाता है। भविष्य में जैसे ही कोच के भीतर सामान रखने वाली जगह को स्टाफ के बैठने लायक बना दिया जाएगा, वैसे ही सफाई स्टाफ और एसी स्टाफ को दी गई ये छह सीटें (चार ओबीएचएस + 2 एसी) भी वापस ले ली जाएंगी। यानी भविष्य में स्टाफ के पास कोच के भीतर एक भी यात्री बर्थ नहीं होगी, वे सिर्फ अपने डेजिग्नेटेड एरिया में बैठेंगे।

दुरुपयोग रोकने के लिए पेनाल्टी और निगरानी : रेलवे ने केवल नियम नहीं बनाए, बल्कि उनकी कड़ाई से पालना के लिए 'चेक एंड बैलेंस' भी रखा है। यदि सफाई स्टाफ ट्रेन में नहीं चढ़ता है, तो इसकी सूचना तुरंत कमर्शियल कंट्रोल को दी जाएगी। वह बर्थ अगले स्टेशन पर किसी वेटिंग लिस्ट वाले यात्री को अलाट कर दी जाएगी। बर्थ को खाली रखना या स्टाफ द्वारा अनधिकृत रूप से उपयोग करना अपराध माना जाएगा। यदि ठेकेदार का स्टाफ आवंटित बर्थ का दुरुपयोग करता है या किसी यात्री की सीट पर बैठता है, तो ठेकेदार पर भारी पेनाल्टी लगाई जाएगी।

आम आदमी को क्या मिलेगा लाभ?

अगर हम इस पूरी खबर का सार निकालें, तो एक औसत ट्रेन में अब यात्रियों को निम्नलिखित लाभ मिलेंगे।

- **ज्यादा कंफर्म सीटें :** हर ट्रेन में औसतन 8 से 12 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी (एसी स्टाफ की कटौती, टीएसवी स्टाफ की कटौती)।
- **राजस्व में वृद्धि :** महंगे कोच (एसी प्रथम/एसी द्वितीय) की सीटें बिकने से रेलवे की कमाई बढ़ेगी, जिसका इस्तेमाल यात्री सुविधाओं में होगा।
- **बेहतर सर्विस :** सफाईकर्मी पूरी ट्रेन में मौजूद रहेंगे, जिससे स्वच्छता की शिकायतें कम होंगी।
- **पारदर्शिता :** टीटीई को अब पता होगा कि कौन सी सीट स्टाफ की है और कौन सी यात्री की, जिससे अनधिकृत कब्जे की संभावना खत्म हो जाएगी।
- **स्टाफ कब्जे वाली सीट आपको होगी कंफर्म :** रेलवे का यह नया 'बर्थ आवंटन मॉडल' इस बात का प्रमाण है कि विभाग अब 'ऑपरेशनल स्टाफ' की जरूरतों और 'यात्री सुविधाओं' के बीच एक सटीक संतुलन बना रहा है। अब आपकी अगली यात्रा में, गेट के पास वाले स्टाफ कब्जेड वाली सीटों पर आपके किसी परिजन का कंफर्म टिकट हो सकता है।

सीबीएसई परीक्षा शुरू, एनसीईआरटी से पूछे गये सवाल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षा मंगलवार को शुरू हो गईं। पहले दिन 10 वीं में मैथमैटिक्स स्टैंडर्ड व मैथमैटिक्स बेसिक और 12 वीं में बायोटेक्नोलॉजी, इंटरप्रेन्योरशिप व शार्ट हैंड (इंग्लिश और हिन्दी) का पेपर था।

परीक्षा देकर केन्द्रों से बाहर निकले परीक्षार्थियों ने बताया कि पेपर में पूछे गए सवाल एनसीईआरटी की किताब से पूछे गए थे। गणित के कुछ सवालों में गणना करने में समय लगा, लेकिन ओवरऑल प्रश्न पत्र आसान रहा। परीक्षा केन्द्रों की निगरानी क्षेत्रीय कार्यालय से की जा रही है। वहीं मंगलवार को आईसीएसई 10 वीं की परीक्षा शुरू

हुई। पहले दिन इंग्लिश लैंग्वेज का पेपर हुआ। परीक्षार्थियों ने पेपर को आसान बताया।

सीबीएसई के लखनऊ में 40 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन केन्द्रों पर 10 वीं और 12 वीं के 40 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 10 वीं कुछ परीक्षार्थियों को गणित में थोड़ी दिक्कतें हुईं। हालांकि अधिकांश ने कहा प्रश्न पत्र बहुत आसान था। पहले दिन परीक्षार्थियों को केन्द्रों तक पहुंचने में जाम की वजह से कुछ देर से पहुंचे। हालांकि केन्द्रों ने किसी परीक्षार्थी को लौटाया नहीं।

मंगलवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक 10 वीं में मैथमेटिक्स स्टैंडर्ड और मैथमेटिक्स बेसिक और 12 वीं बायोटेक्नोलाजी, इंटरप्रेन्योरशिप, शार्टहैंड (इंग्लिश) और शार्टहैंड (हिंदी) की परीक्षाएं हुईं।

अवध कॉलेजिएट के छात्रों ने जेईई में किया कमाल

लखनऊ। अवध कॉलेजिएट के विद्यार्थियों ने इस वर्ष जेईई मेंस 2026 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच छात्रों ने अपने परिश्रम, समर्पण और दृढ़ संकल्प से उत्कृष्ट परिणाम उत्साहवर्धक प्राप्त हुए। इसमें नमन जैन 97.46 परसेंटाइल, उज्ज्वल कुशवाहा 94.77 परसेंटाइल, अभिषेक मणि त्रिपाठी 94.5 परसेंटाइल प्राप्त किया।

वहीं, 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा के साथ-साथ जेईई 2026 की तैयारी में भी अद्भुत संतुलन और मेहनत का परिचय दिया। सभी विद्यार्थी अपने अगले प्रयास में और बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहित हैं। प्रबंधक सर्वजीत सिंह ने कहा कि प्रबंधतंत्र का सदैव प्रयास रहा है जेईई तथा नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय स्तर पर जेईई तथा नीट की विशेष कक्षाएं आयोजित की जाए। इसी सत्र से ये कक्षाएं प्रारंभ की गई जिसके बेहतर परिणाम 2026 में ही प्राप्त हुए है। विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विद्यालय अपने विद्यार्थियों को ये सुविधाएं निःशुल्क प्रदान कर रहा है।

उन्होंने बताया कि भविष्य में इन विशेष कक्षाओं का आयोजन और प्रभावशाली ढंग से किया जाएगा ताकि अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी जेईई तथा नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सके।

उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना गर्व की बात है। हमें विश्वास है कि हमारे छात्र भविष्य में भी इसी प्रकार संस्थान और देश का नाम रोशन करेंगे। निदेशिका जतिंदर वालिया ने कहा अवध कॉलेजिएट सदैव विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा और श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे छात्रों की सफलता यह सिद्ध करती है कि समर्पण और सही दिशा मिलने पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। अवध कॉलेजिएट की सभी शाखाओं की प्रधानाचार्यों ने सभी प्रतिभाशाली छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एसबीआई लखनऊ मंडल ने सीएसआर फंड से विजय श्री फाउंडेशन प्रसादम सेवा को बैटरी लोडर प्रदान

लखनऊ। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई की इंदिरा नगर शाखा, लखनऊ की ब्रांच मैनेजर तन्वी सिंह जी द्वारा औपचारिक रूप से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत विजय श्री फाउंडेशन प्रसादम सेवा को सेवा कार्यों के विस्तार हेतु एक बैटरी लोडर प्रदान किया गया। रइकबैंकिंग क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी सदैव अग्रसर रहा है। समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग पहुंचाने की यह पहल उसकी सेवा भावना और संवेदनशीलता को दर्शाती है। आपको बताते चले विजय श्री फाउंडेशन पिछले 16 वर्षों से लखनऊ के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों एवं उनके तीमारदारों को निशुल्क प्रसादम भोजन सेवा प्रदान करता आ रहा है' एसबीआई के इस सहयोग से संस्था के सेवा कार्य को नई गति और मजबूती मिलेगी। डॉ. विशाल सिंह (फूडमैन) ने एसबीआई परिवार एवं विशेष रूप से ब्रांच मैनेजर तन्वी सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग केवल एक वाहन का नहीं, बल्कि मानवता की सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का सशक्त संकल्प है।

भाषा विवि के 23 शिक्षकों को पदोन्नति

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में 39वीं कार्यपरिषद की बैठकसम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक उन्नयन, प्रशासनिक सुधार तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों के हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।

बैठक की शुरूआत विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा से हुई, जिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने तथा संस्थागत व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने परजोर दिया गया। विश्वविद्यालय की रोवर्स एवं रेंजर्स इकाइयों का नामकरण किया गया। विश्वविद्यालय में संचालित रोवर्स/रेंजर्स योजना के अन्तर्गत रोवर्स को सुभाष चन्द्र बोस रोवर्स क्रू तथा रेंजर्स को लक्ष्मीबाई रेंजर्स टीम नामांकित किये जाने कार्य परिषद् द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत 15 जनवरी तक लंबित सभी पदोन्नतियों को स्वीकृति प्रदान की गई। कुल 23 शिक्षकों के प्रमोशन अनुमोदित किए गए। एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की गयी, जिसमें डॉ. ततहीर फातिमा (गृह विज्ञान), असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति दी गयी, जिसमें डॉ. वसी आजम अंसारी, उर्दू विभाग, डॉ. मोहम्मद अकमल, उर्दू विभाग, डॉ. अब्दुल हफीज, अरबी विभाग, डॉ. नीरज शुक्ला, कॉमर्स विभाग, डॉ. मो. शारिक, फिजिकल एजुकेशन विभाग, डॉ. पूनम चौधरी, इतिहास विभाग, डॉ. मजर खालिक, सीएस एंड आईटी विभाग और डॉ. नलिनी मिश्रा, एजुकेशन विभाग है।

यूपी बोर्ड : नकल विहीन परीक्षा के लिए सरकार सख्त

- 8033 केंद्रों पर सीसीटीवी और वॉयस रिकॉर्डर से होगी लाइव मॉनिटरिंग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने लखनऊ स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय में बने राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम का मंगलवार को उद्घाटन किया। यूपी बोर्ड की 10 एवं 12 वीं की परीक्षा कल 18 फरवरी से शुरू होने जा रही है जो 12 मार्च तक चलेगी। माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग (नकल) की प्रवृत्ति तथा सम्भावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ-साथ परीक्षा की शुचिता, पवित्रता, गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा विधि व्यवस्था

बनाये रखने के उद्देश्य से लखनऊ में स्थापित यह राज्य स्तरीय कन्ट्रोल रूम सम्पूर्ण परीक्षा अवधि में सुचारू व समयबद्ध रूप से नियमित ऑनलाइन मानिटरिंग करेगा।

माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 2026 की नकल विहीन बोर्ड परीक्षाओं को सम्पन्न कराने के लिए प्रदेश में कुल 8033 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें 596 राजकीय, 3453 अशासकीय सहायता प्राप्त तथा 3984 स्ववित्त पोषित माध्यमिक विद्यालय हैं। 18 जिलों को संवेदनशील जिले के रूप में चिन्हित किया गया है। कुल 222 परीक्षा केन्द्रों को अति संवेदनशील एवं 683 परीक्षा केन्द्रों को संवेदनशील परीक्षा केन्द्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के प्रत्येक कक्ष में वॉयस रिकार्डरयुक्त दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ राउटर, डीवीआर एवं हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्शन हैं, जिनके माध्यम से सम्पूर्ण परीक्षा अवधि की लाइव मॉनीटरिंग वेबकास्टिंग के माध्यम से की जाएगी। परीक्षा के लिए 53.37,778 विद्यार्थी हैं पंजीकृत इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 27,61,696 एवं इण्टरमीडिएट के 25,76,082 कुल 53.37,778 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

इसके लिए 8033 केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 स्टैटिक मैजिस्ट्रेट, 1210 सेक्टर मैजिस्ट्रेट, 427 जोनल मैजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं तथा 69 मण्डलीय और 440 जिला स्तरीय सचल दलों का गठन किया गया है। परीक्षा अवधि में छात्रों/अभिभावकों की समस्याओं के समाधान तथा मार्गदर्शन और जन सामान्य से प्राप्त सुझाव, शिकायतों के लिए ई-मेल, फेसबुक, एक्स हैण्डल, व्हाट्सएप एवं टोल-फ्री नम्बर की व्यवस्था की गई है।

सफल प्रबंधन के लिए उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल को मिला सम्मान

लखनऊ। राजधानी में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाईड जंबूरी के दौरान देशभर से आए हजारों प्रतिभागियों के सुचारू एवं सुरक्षित परिवहन की

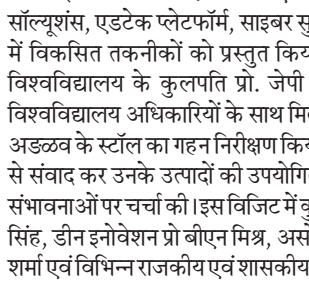

जिम्मेदारी उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल द्वारा सफलतापूवर्क निभाई गई। इस विशाल आयोजन में विभिन्न राज्यों से आए स्काउट एंव गाईड प्रतिभागियों के आवागमन को सुनिश्चत करने में मण्डल प्रशासन ने उत्कष्ट कार्य किया। मण्डल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा के कुशल निर्देशन में समस्त विभागों के अधिकारियों एंव कर्मचारियों नें सुनियोजित कार्ययोजना के तहत परिवहन व्यवस्था को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया। उक्त उत्कष्ट कार्य के लिए बाबा साहब भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय के साउथ सिटी लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ० महेंद्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष स्काउट एंव गाईड द्वारा उत्तर रलवे लखनऊ मंडल को प्रशस्ति पत्र एंव शील्ड देकर सम्मानित किया गया। ये सम्मान न केवल लखनऊ मंडल की कार्यकुशलता का प्रमाण है बल्कि बड़े आयोजनों के दौरान यात्रियों व प्रतिभागियों की सुविधा एंव सुरक्षा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

सीएम ऑफिस के आदेश को दरकिनार कर मनमानी पर आतुर मुख्य अभियंता, झांसी

शिकायतकर्ता ने उच्चधिकारियों समेत मुख्य अभियंता झांसी को पत्र लिखकर फर्म के खिलाफ कार्यवाही की उठायी मांग

- ब्लैकलिस्टेड फर्म को अस्तित्व में लाने को लेकर शिकायतकर्ता ने जतायी आपत्ति, एफआईआर की मांग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग में मुख्य अभियंता, झांसी मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश को दरकिनार कर मनमानी को आतुर है। विभाग को मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश दिये गये कि जांच के बाद समुचित कार्यवाही की बात कही गयी, लेकिन मुख्य अभियंता झांसी आरएन गुप्ता मैसर्स श्रीमती शालिनी दीक्षित ठेकेदार की ब्लैकलिस्टेड फर्म को अस्तित्व में लाने की जुगत में लगे हुए है। इसके लिए शिकायतकर्ता अभिषेक ने प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की जांच कराते हुए कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

मैसर्स श्रीमती शालिनी दीक्षित, जालौन के विरूद्ध वर्ष 2024 में कनर्वटर प्रमाण-पत्र फर्जी व कूटरचित जालसाजी से तैयार करके लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय पर जमा करने की शिकायत मुख्यमंत्री से किये जाने पर जीरो टॉलरेन्स नीति के अन्तर्गत कराये गये रोड साइनेज के ए श्रेणी के पंजीकरण को लगभग एक वर्ष पूर्व ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है यानि फर्म की रोड साइनेज की मुख्य अर्हरता कनवर्टरशिप ही फर्जी थी, तो उसे पूर्णकालिक रूप से ब्लैकलिस्ट विभाग द्वारा करते हुये ठेकेदार द्वारा कराये गये कार्यो का विवरण मण्डलीय क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं से मांगा गया है, जिसकी सूचना मुख्यालय द्वारा एकत्रित की जा रही है।

पुनः शिकायतकर्ता समाजसेवी अभिषेक द्वारा मैसर्स श्रीमती शालिनी दीक्षित द्वारा लोक निर्माण विभाग में मार्ग श्रेणी के पंजीकरण के समय वर्ष 2018 में प्रस्तुत किये गये कार्य अनुभव, साइट इंजीनियरर्स, मशीनरी आदि के प्रतिशपथ-पत्र विभाग में प्रस्तुत हार्डकॉपी तथा प्रहरी और चाणक्य पोर्टल में स्वयं ठेकेदार द्वारा ऑन लाइन अपलोड किये गये विवरणों की भिन्नता जैसे सभी कूटरचित दस्तावेजों की जांच कराये जाने के प्रकरण में मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री संजय प्रसाद ने शिकायतकर्ता के पत्र में उल्लिखित विवरण को 'वॉयस ऑफ लखनऊ' में प्रकाशित किये जाने की खबर की कटिंग पर दिये गये आदेश संबंधी प्रकरण को मुख्य अभियंता झांसी को मुख्यालय द्वारा ई-आफिस के माध्यम से पत्रावली को भेजा जा चुका है लेकिन मुख्य अभियंता झांसी द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश यह कि जांचोंपरान्त समुचित कार्यवाही की अपेक्षा की गई है। इस आदेश को धताकर एक वर्ष पूर्व किये गये ब्लैकलिस्ट प्रकरण को पुर्नजीवित करने की कार्यवाही शुरू करने की कवायद के क्रम में प्रकरण को मुख्यालय पर केंद्र सरकार की गाइडलाइन/मेमोरेन्डम का हवाला देकर बहाल करने का अनुमोदन मांगा गया। मुख्यालय पर मुख्य अभियंता, झांसी क्षेत्र के प्रस्ताव को औचित्यपूर्ण न पाते हुए पुनः निर्देश नियमानुसार कार्यवाही करने के दिये गये है।

सूत्रों के अनुसार मुख्य अभियंता, झांसी आरएन गुप्ता अक्टूबर, 2026 में सेवानिवृत्त हो रहे, तो श्रीमती शालिनी दीक्षित, ठेकेदार-जालौन से साजिश करके मोटी रकम लेकर ब्लैक लिस्ट से बहाली करने की कार्यवाही करने की शिकायतकर्ता ने पुनः पत्र सीधे मुख्य अभियंता, झांसी को लिखते हुए उच्चाधिकारियों को भी पत्र लिखा है।

यह भी पत्र में लिखा है कि सर्वप्रथम मुख्य अभियंता, झांसी द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में श्रीमती शालिनी दीक्षित, जालौन मार्ग श्रेणी-ए, मार्ग कार्यो के लिए पंजीकरण के समय चाणक्य एवं प्रहरी पर अपलोड किये गये विरोधाभाषी व कुटरचित दस्तावेजों की जांच की जानी अनिवार्य है और उसकी जमानत धनराशि 5.00 लाख रुपये को जब्त करने के साथ-साथ ठेकेदार के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी जानी अनिवार्य है।

इंडिया अकइम्पैक्ट समिट में एकेटीयू के स्टार्टअप्स का दमदार प्रदर्शन

लखनऊ। दिल्ली में भव्य इंडिया अकइम्पैक्ट समिट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश की अग्रणी तकनीकी कंपनियां, स्टार्टअप्स, शिक्षण संस्थान और नीति-निमार्ता भाग ले रहे हैं। समिट का उद्देश्य अकआधारित समाधानों को उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, साइबर सुरक्षा और सुशासन के क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करने पर व्यापक विचार-विमर्श करना है, आयोजन स्थल पर नवाचार और तकनीकी संभावनाओं की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) द्वारा हॉल संख्या 6 में विशेष स्टॉल स्थापित किया गया है, जो प्रतिभागियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब से सहायता प्राप्त अक आधारित स्टार्टअप्स ने अपने अभिनव उत्पादों और तकनीकी मॉडलों का प्रदर्शन किया। इन स्टार्टअप्स ने हेल्थकेयर एनालिटिक्स, स्मार्ट एग्रीकल्चर, ई-गवर्नेंस सॉल्यूशंस, एडटेक प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा और स्मार्ट सिटी मॉडल जैसे क्षेत्रों में विकसित तकनीकों को प्रस्तुत किया, जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने स्टार्टअप प्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ मिलकर हॉल 6 में स्थापित इनोवैशन हब अडळव के स्टॉल का गहन निरीक्षण किया तथा प्रत्येक अकआधारित स्टार्टअप से संवाद कर उनके उत्पादों की उपयोगिता, तकनीकी संरचना और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। इस विजिट में कुलपति के साथ वित्त अधिकारी, केशव सिंह, डीन इनोवेशन प्रो बीएन मिश्र, असोसिएट डीन इनोवेशन डा अनुज कुमार शर्मा एवं विभिन्न राजकीय एवं शासकीय संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

संक्षेप

15 से अधिक कंपनियां देंगी रोजगार

देवरिया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में 24 फरवरी को जनपद में एक भव्य रोजगार महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में सीधे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

जिला समन्वयक, जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, देवरिया ने बताया कि महोत्सव में देश-प्रदेश की 15 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।

विभिन्न क्षेत्रों जैसे आईटी, मैन्युफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र में हजारों रिक्त पदों पर युवाओं का चयन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा।

उन्होंने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई तथा कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित अभ्यर्थी अपनी प्रोफाइल एवं समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्रों के साथ इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

जिला संवाददाता

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जनपद स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने रमजान, होलिका दहन, होली, नवरात्रि एवं रामनवमी आदि पर्वों की सभागार में उपस्थित पीस कमेटी के सदस्यों के माध्यम से जनपदवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी त्योहार आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में परम्परागत तरीके से मनाया जाय। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ पिछले विवादों विशेष कर दो समुदायों के रिकार्ड को अवश्य चेक कर लें, तथा जो लगातार विवादों में शामिल रहे हों उन्हेंउचित धाराओं में पाबन्द कर दिए जाएं। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विवेक का इस्तेमाल करें तथा आवश्यकता अनुरूप उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक एवं पुलिस वीभाग के अधिकारी, स्वास्थ्य, विद्युत, नगरपालिका के अधिकारियों का मोबाइल नम्बर अवश्य रखें ताकि कम समय मे बेहतर रिस्पॉन्स मिल सके।

जिलाधकारी ने कहा होली के दिन किसी को जबरदस्ती रंग न लगाया जाए तथा शराब पीकर किसी भी प्रकार की अभद्रता न की जाए। पुरानी रंजिश को लेकर विवाद उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि होलिका दहन स्थलों से संबंधित विवादों का समाधान आपसी सहमति एवं शांतिपूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों से संबंधित तैयारियां समय से पूर्ण कर लें। होलिका दहन के दिन निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, तथा रमजान के दौरान नमाज स्थलों पर साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था रहे। उन्होंने कहा कि शोभायात्राओं के दौरान डीजे की ध्वनि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित डेसीबल सीमा के अनुरूप ही हो। यदि कोई व्यक्ति होली की शोभायात्रा में कानून-व्यवस्था से छेड़छाड़ करता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान शहरी क्षेत्रों के भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भारी एवं ओवरलोड वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त चालान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही किसी प्रकार की प्रतिक्रिया दें। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने की अपील की।

उन्होंने निर्देश दिया कि डीजे माननीय न्यायालय की गाइडलाइन के अनुसार ही बजाए जाएं तथा होली के अवसर पर शराब पीकर किसी भी प्रकार की अभद्रता न की जाए। आयोजक समितियों के सदस्यों की ड्यूटी पुलिस के साथ समन्वय में लगाई जाए, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विवाद रहित तरीके से संपन्न कराएं। शरारती तत्वों को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार पाबंद किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोजकों से वार्ता कर होलिका दहन एवं जुलूस परम्परागत तरीके से ही हो तथा हल्का सिपाही अपने अपने क्षेत्रों का भ्रमण अवश्य कर लें। उन्होंने कहा कि कहीं भी सड़क पर नमाज न हो तथा निर्धारित स्थलों पर ही पढ़ी जाय। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं पीस कमेटी के सदस्यों से सुझाव लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी गण के साथ विभिन्न धर्मों के अनुयायी एवं गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहे।

हज यात्रियों के लिए टीकाकरण का हुआ शुभारंभ

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड सं.12वीर अब्दुल नगर(पिपरहिया) स्थित जामिया उमर फारूक मदरसा में मंगलवार को हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के टीकाकरण का शुभारम्भ किया गया टीकाकरण कार्य का उद्घाटन जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.मुकेश यादव के निर्देशन मे जिला वेक्सीन भंडार प्रबंधक विनोद शाह और डा. उम? जमा द्वारा फीता काट कर किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. श्री यादव ने बताया कि हज यात्रियों को मेनिन्जाइटिस और इन्फ्लूएंजा का टीका लगाया जा रहा है। दोनों टीका संक्रामक बीमारियों के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हज यात्रा एक पवित्र और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण सफर है, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। आमतौर पर हज यात्रियों के लिए टीकाकरण और स्वास्थ्य प्रक्रियाओं से जुड़ी मुख्य टीके सऊदी अरब सरकार की गाइड लाइन के अनुसार अनिवार्य है। टीकाकरण के बाद यात्रियों को हेल्थ सर्टिफिकेट 'वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट' भी दिया गया, जिसे यात्रा के दौरान साथ रखना जरूरी है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम में डा.स्नेहा कुमारी, एलटी संतोष गोंड, फार्मासिस्ट बशीर अहमद, ऐनम शबनम खातून, कन्हैया यादव, राजीव श्रीवास्तव, आरएम धरवेंद्र सिंह, आदर्श आदि स्वास्थ्य कर्मी व हज यात्री मौजूद रहे।

नए कॉरिडोर से वाराणसी से जुड़ेगा देवरिया, कुशीनगर वाराणसी की यात्रा होगी सुगम

जिला संवाददाता

बरहज,देवरिया। कुशीनगर से वाराणसी के लिए नए कॉरिडोर का निर्माण होगा। यह कॉरिडोर जनपद से भी होकर जाएगा। 220 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के निर्माण की कुल लागत करीब 342 करोड़ रुपए है। कुशीनगर से देवरिया, दोहरीघाट, गाजीपुर, जमानिया होते हुए वाराणसी तक यह नया कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसमें कुशीनगर से देवरिया खंड 35 किलोमीटर, देवरिया से दोहरीघाट खंड 22 किलोमीटर, दोहरीघाट से गाजीपुर खंड 83 किलोमीटर और गाजीपुर से वाराणसी खंड 80 किलोमीटर है।

जानकारी के अनुसार दोहरीघाट, बड़हलगंज से गाजीपुर तक फोरलेन का निर्माण किया गया है।

अब इसे और भी सुदृढ़ तरीके से बनाया जाएगा। नए कॉरिडोर का पूर्वांचल और गंगा एक्सप्रेसवे से सीधे जोड़कर बिहार और प्रयागराज तक आवागमन को सुलभ करना है। इसमें दोहरीघाट से गाजीपुर तक फोरलेन का निर्माण किया गया है। मार्ग को सही करने के लिए स्टेपलिंग और गाउटिंग का काम तेज गति से हो रहा है। फोरलेन पर पड़ने वाले ओवरब्रिज सहित अनेक जगहों पर मरम्मत कार्य हो रहा है। बौद्ध स्थली होने से वाराणसी, सारनाथ से भी लोगों का आवागमन होता है। वाराणसी से दोहरीघाट, बड़हलगंज तक फोरलेन मार्ग है, कोरिडोर का निर्माण होने से अब देवरिया होते हुए सीधे कुशीनगर तक लोग जाएंगे। इसके पहले लोग कुशीनगर गोरखपुर होकर जाते है। नया कोरिडोर का निर्माण होने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल छह हाईवे कारिडोर में से एक कारिडोर कुशीनगर से बरहज, बड़हलगंज, मऊ व जमानियां के रास्ते वाराणसी तक प्रस्तावित है। कुशीनगर से वाराणसी के लिए नए कॉरिडोर का निर्माण राज्य सरकार की ओर से प्रस्तावित है। इसको लेकर कवायद की जा रही है।

नगर निगम कार्यालयों में नगर आयुक्त ने की जनसुनवाई, अधिकांश शिकायतों का मौके पर

मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले इसंभवइ संतुष्टि एवं समृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम मथुरा-वृंदावन कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा जनसुनवाई की गई। वहीं वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने शिकायतकताओं की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। भूतेश्वर जोन में कुल 9 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 4 अतिक्रमण, 1 पेंशन, 2 आवारा कुत्तों को पकड़वाने तथा 2 सफाई से

संबंधित थीं। इनमें से एक सफाई संबंधी शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। वृंदावन जोन में सफाई से जुड़ी 2 शिकायतें प्राप्त हुईं। सिटी जोन में सफाई से संबंधित 1 शिकायत दर्ज की गई। सफाई एवं जलकर से संबंधित शिकायतों का निस्तारण करा दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, कल्पना सिंह चैहान, अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता अमरेंद्र गौतम, जल विभाग के अधिशासी अभियंता राम कैलाश, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार यादव तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा की जिला प्रशिक्षण कार्यशाला आज

देवरिया : मंगलवार, भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन बुधवार को क्षेत्र के औरा चौरी स्थित पार्टी कार्यालय पर किया जाएगा। उक्त बातें भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने जिला पंचायत परिसर में एक बैठक के दौरान बताई। श्री सिंह ने बताया कि संगठन को मजबूत और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए समय समय पर पार्टी द्वारा ऐसे आयोजन किए जाते हैं जहां कार्यकर्ताओं को संगठन की जानकारी, अनुशासन, और राष्ट्रनिर्माण के प्रति सजग किए जाने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी इस कार्यशाला में उपस्थित हो राष्ट्रनिर्माण की भावना से प्रेरित होकर विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने में अपना योगदान करें। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, कृष्णनाथ राय, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, राजेश सिंह, सुधीर श्रीवास्तव, रूपम पांडे, विश्वनाथ राव आदि उपस्थित रहे।

याद किये गये पूर्व मंत्री पंडित दुर्गा प्रसाद मिश्र

बरहज, देवरिया। भालुअनी ब्लाक सभागार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री स्व. दुर्गा प्रसाद मिश्र की 12वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. दुर्गा प्रसाद मिश्र गरीबों, मजदूरों का पैरोकार थे। वह राजनीतिक पुरोधा थे। उनका राजनीतिक जीवन हमेशा गरीबों के उत्थान व क्षेत्र के विकास के लिए प्रयत्नशील रहा। पूर्व विधायक सलेमपुर काली प्रसाद ने संबोधित करते हुए कहाकि स्व. मिश्र का जीवन हमेशा गरीबों के लिए समर्पित रहा। सभा को अंगद तिवारी, ब्लाक प्रमुख देवरिया पिंटू जायसवाल, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह बबलू, अमरेश सिंह, प्रणव कुमार दूबे आदि ने संबोधित किया।इस दौरान रामजी सिंह, अष्टभुजा श्रीवास्तव, सूरज दूबे, सचिन सिंह, रामानंद सिंह ,जितेंद्र सागर, विनोद सिंह गुड्डू, सुनील जायसवाल, दिनेश गुप्त, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

बेटी बचाओझ्र बेटी पढ़ाओ पर रैली, नुक्कड़ नाटक से जागरूकता

भटनी (देवरिया) स्थानीय नगर स्थित बहादुर यादव मेमोरियल पी जी कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का द्वितीय दिवस सामाजिक सरोकारों और जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरूआत एनएसएस के लक्ष्य गीत इउठे समाज के लिए उठेइ के सामूहिक गायन से हुई। इसके उपरांत स्वयंसेविकाओं द्वारा बेटी बचाओझ्रबेटी पढ़ाओ विषय पर केंद्रित जागरूकता रैली निकाली गई। छात्राओं ने प्लेकार्ड एवं आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से समाज को बालिका शिक्षा एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. त्रिपुरेश कुमार कुशवाहा के निर्देशन में स्वयंसेविकाओं ने प्राथमिक विद्यालय परिसर में साफ-सफाई कर तथा पौधों की सिंचाई कर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर नारी शिक्षा पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावुक एवं प्रेरित किया। छात्राओं द्वारा नारी शिक्षा विषयक पोस्टर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसकी सराहना की गई। द्वितीय सत्र में आयोजित बौद्धिक गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. अभिनव द्विवेदी ने कहा कि बेटियां देश और समाज की रीढ़ हैं तथा उनके शिक्षा और स्वास्थ्य की सुनिश्चित व्यवस्था हर सभ्य समाज का नैतिक दायित्व है।

अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. महेश कुमार गोंड ने कहा कि स्त्री शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास का आधार है और आज महिलाएं विज्ञान, राजनीति, साहित्य, पर्यावरण एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं इसी क्रम में महाविद्यालय में एनएसएस के तृतीय दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मतदाता साक्षरता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकालकर युवाओं को मतदान के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी कंचन शर्मा द्वारा किया गया।महाविद्यालय के प्रबंधक कैप्टन जवराम यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मतदाता पहचान पत्र किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक नागरिक से मतदाता पहचान पत्र बनवाने और मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।शिक्षाशास्त्र विभाग की डॉ. स्वणारानी ने 1 छात्राओं को फॉर्म-6 भरने के लिए प्रेरित किया।

ओएनजीसी और एसएसए आई टी के ऐतिहासिक समझौता

देवरिया। जिले के रुद्रपुर तहसील क्षेत्र में स्थित कन्होली गांव में स्थापित होगा विश्व का पहला ग्रामीण ओलंपिक तीरंदाजी हॉस्टल।भारत में जमीनी स्तर से ओलंपिक तैयारी को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ओ एन जी सी और एस एस ए आई टी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है इस समझौते के अंतर्गत देवरिया जिले के रुद्रपुर तहसील क्षेत्र में स्थित कन्होली गांव में विश्व का पहला ओलंपिक तीरंदाजी हॉस्टल स्थापित किया जाएगा। उक्त बाते प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजीव सिंह संस्थापक अध्यक्ष एवं निदेशक संजीव आर्चरी इंस्टीट्यूट ने जानकारी दी है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा आवासीय ओलंपिक स्तर का छात्रावास स्पोर्ट्स साइंस केंद्र उच्च प्रदर्शन शक्ति।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तीरंदाजी प्रशिक्षण मैदान उपलब्ध रहेगा। श्री सिंह ने बताया कि संजीव सिंह आर्चरी इंस्टीट्यूट ट्रस्ट श्रीनेत ग्लोबल स्कूल प्रथम वर्ल्ड आर्चरी स्कूल का उद्घाटन और शिलान्यास के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया गया है उम्मीद है कि उनके कर कमलों द्वारा जल्दी सम्पन्न किया जाएगा।

राजनीतिक सुचिता के लिए कर्पूरी का अनुशरण आवश्यकः चंद्रभूषण सिंह यादव

देवरिया। भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने मुख्यमंत्री रहते सामाजिक न्याय के लिए जो कार्य किए हैं, वे सदियों तक याद किए जाते रहेंगे क्योंकि अब और कोई कर्पूरी नहीं पैदा होगा जो जीते जी सामाजिक विषमता के विरुद्ध लड़ते हुए अपमान सहकर भी जीवन पर्यंत कार्य करते रहे। मरने के बाद उनके पास कोई धन,संपदा,बैंक बैलेंस नहीं रहा। उक्त उद्गार रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जन संपर्क कार्यालय पर आयोजित कर्पूरी ठाकुर स्मृति दिवस कार्यक्रम में व्यक्त करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि कर्पूरी व्यक्ति नहीं विचार थे जिनका अनुशरण राजनीतिक शुचिता के लिये आवश्यक है सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने जब सामंतवाद के मुकाबले पिछड़े वर्गों की बहबूदी के लिए संवैधानिक प्राविधानों के तहत विशेष अवसर देने की घोषणा की तो मुख्यमंत्री रहते उन्हें विधानसभा के अंदर और पटना की सड़कों पर भर विरोध झेल। सामाजिक समता के लिए जीवन पर्यंत संघर्षरत रहे कर्पूरी ठाकुर को उनके स्मृति दिवस पर व्यास यादव, रामाशीष यादव, श्यामराज कन्नौजिया,रामआसरे यादव,सुरेश नारायण सिंह यादव, रामप्यारे यादव, संतोष मद्धेशिया, अयोध्या वर्मा, नाजिर अंसारी, शंकर गोंड, नारायण प्रसाद, विनोद यादव, इकबाल अहमद, संतोष कुमार सिंह, राम नगीना यादव आदि ने उनके चित्र के समक्ष श्रद्धावनत हो नमन किया।

प्रशासनिक लापरवाही या साजिश,हाईकोर्ट के नो रिलीफ से छात्रों का साल बर्बाद

जिला संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना नगर मे संचालित गोस्वामी तुलसीदास इंटर कॉलेज के 700 छात्र इस साल परीक्षा कक्ष की दहलीज तक नहीं पहुंच सकेगें। वजह जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की प्रशासनिक ढिलाई, नोडल अधिकारी की कथित लापरवाही और विद्यालय के प्रधान लिपिक की गैरजिम्मेदाराना

सिस्टम की गलती, छात्रों को मिली सजा: हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत।

फर्जीवाड़े पर कोर्ट की चोट: सिस्टम की भेट चढ़ी 700 परीक्षार्थियों का भविष्य

कारस्तानी। जब उम्मीद की आखिरी किरण के रूप में यह मामला कोर्ट मे पहुंचा तो इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी इनो रिलीफइ की टिप्पणी करते हुए परीक्षार्थियों को तत्काल राहत देने से इंकार कर दिया।न्यायालय ने आवेदन-पत्रों में पाई गई गंभीर अनियमितताओं को आधार मानते हुए स्पष्ट कर दिया कि परीक्षा प्रक्रिया में नियमों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के इस सख्त आदेश ने न केवल विद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि सैकड़ों छात्रों का पूरा शैक्षणिक वर्ष भी अधर में डाल दिया है।नतीजतन 700 छात्रों का एक साल बिना फेल हुए बर्बाद हो गया।

कैसे फंसा 700 छात्रों का भविष्य

बताया जा रहा है कि पत्राचार पंजीकरण और परीक्षा से संबंधित औपचारिकताओं में गंभीर अनियमितताएं बरती गई। समय से ऑनलाइन प्रविष्टियां, सत्यापन और आवश्यक अभिलेख अपलोड नहीं किए गए। आरोप है कि नोडल अधिकारी विकास मणि त्रिपाठी ने निगरानी में कोताही बरती, जबकि प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक स्तर पर कागजी कार्रवाई में भारी चूक हुई।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, जो अंतिम सत्यापन की जिम्मेदारी निभाता है, समय रहते खामियों को पकड़ने और सुधारने में विफल रहा। आरोप यह भी है कि बोर्ड परीक्षा के लिए अग्रसारित किए गए आवेदन-पत्रों पर नोडल अधिकारी के अधिकृत हस्ताक्षर नहीं थे। उनकी जगह प्रधान लिपिक द्वारा हस्ताक्षर किये गए थे जिसकी बोर्ड ने जांच कराई, जिसमें हस्ताक्षर फर्जी पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने संबंधित आवेदन निरस्त कर दिए।परिणामस्वरूप बोर्ड स्तर पर सात सौ छात्रों का प्रवेश पत्र जारी ही नहीं हो सका।

परीक्षा छूटी, बिना फेल हुए बर्बाद हुआ एक साल

परीक्षा से वंचित हुए छात्र अब असमंजस में हैं। किसी का सपना सेना में भर्ती का था, किसी को पॉलिटेक्निक या स्नातक में प्रवेश लेना था। कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से हैं, जिनके लिए एक साल का नुकसान सिर्फ शैक्षणिक नहीं, बल्कि आर्थिक और मानसिक आघात भी है। एक छात्र ने कहा, इहमने पूरी तैयारी की थी। गलती अफसरों की थी, सजा हमें मिल गई।इ छात्रों व अभिभावकों में भारी रोष है। उनका कहना है कि यदि गलती प्रशासनिक स्तर पर हुई है, तो उसकी सजा छात्रों को क्यों दी जाए? अभिभावकों ने मांग किया कि सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और छात्रों के भविष्य को बचाने के लिए विशेष परीक्षा या अन्य वैधानिक विकल्प तलाशे जाएं।

न्यायालय का सख्त संदेश

न्यायालय के रुख ने साफ कर दिया है कि शैक्षणिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और वैधानिकता सर्वोपरि है। यदि आवेदन-पत्र ही विधिसम्मत नहीं हैं, तो परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासनिक लापरवाही या आंतरिक अनियमितता का खामियाजा नियमों को दरकिनार कर दूर नहीं किया जा सकता।

जिम्मेदार कौन

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि आवेदन-पत्रों पर फर्जी हस्ताक्षर हुए, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है ?क्या नोडल अधिकारी की जानकारी के बिना दस्तावेज अग्रसारित किए गए ? डीआईओएस कार्यालय ने समय रहते त्रुटि क्यों नहीं पकड़ी? क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर छात्रों का भविष्य बर्बाद करने का सुनियोजित खेल ?विद्यालय प्रबंधन और शिक्षा विभाग दोनों की भूमिका अब जांच के घेरे में है। यदि हस्ताक्षर फर्जी पाए गए, तो यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि दंडनीय कृत्य की श्रेणी में आता है। फिलहाल हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद छात्रों के सामने अगला शैक्षणिक सत्र ही एकमात्र रास्ता बचा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शासन स्तर पर गंभीर पहल हो, तो विशेष अनुमति या वैकल्पिक परीक्षा की संभावना तलाश की जा सकती है लेकिन जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होती, तब तक यह मामला शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न बना रहेगा।

निष्क्रीय पदाधिकारी को दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता

अयोध्या। सुधारन न होने पर निष्क्रीय पदाधिकारी को दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता। ट्विटर एक्स डाउनलोड न करने पर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष ने जताई नाराजगी उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश के नेतृत्व के निर्देश पर जनपद अयोध्या के विकास खंडों में ब्लॉक कार्यसमिति एवं संघर्ष समिति की बैठक कर समीक्षा की जा रही है जिसमें टेट प्रकरण को लेकर आंदोलन की रणनीति एवं ट्विटर शिक्षकों को क्रियाशील किए जाने एवं अन्य विसंगतियों पर ध्यान आकर्षण है बैठक के क्रम में विकास खंड आमानीगंज की बैठक ब्लाक संसाधन केंद्र पर की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि डॉ चक्रवर्ती सिंह जिला मंत्री रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह ने की बैठक का संचालन ब्लॉक मंत्री उध्व श्याम तिवारी ने किया जिलामंत्री चक्रवर्ती सिंह ने बताया कि 22 तारीख को ट्विटर अभियान 23 से 25 तक काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे। 26 फरवरी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना देते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार को ज्ञापन प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से कई जन्मों के पाप धुल जाते हैं: लक्ष्मी प्रिया

भटनी (देवरिया) स्थानीय क्षेत्र के बनकटाशिव, सल्लहपुर स्थित नवनिर्मित परिसर में आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं विग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिवस को श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रातः काल से ही भक्तजनों, श्रद्धालुओं एवं परिक्रमा करने वाले धर्मावलम्बियों की भारी भीड़ ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया।मंदिर परिसर में बने विशाल यज्ञ मंडप में यज्ञाचार्य रंगनाथ त्रिपाठी जी के नेतृत्व में आचार्यों द्वारा सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन एवं यज्ञ जारी है। वेद-मंत्रों की पवित्र ध्वनि से सम्पूर्ण वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस महायज्ञ के प्रमुख यजमान डॉ० नन्द किशोर तिवारी एवं नीलेश्वर राय सपत्नीक उपस्थित रहे और श्रद्धापूर्वक आहुति अर्पित की।दूर-दराज क्षेत्रों से आए नवयुवक-नवयुवतियों, महिलाएँ, बुजुर्ग एवं बच्चे निरंतर यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते रहे। 24 घंटे अनवरत चल रहे इस परिक्रमा ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया है। दोपहर बाद अयोध्या धाम से पधारी मुख्य कथावाचिका लक्ष्मीप्रिया द्वारा आज के प्रसंग में राजा परीक्षित की कथा के माध्यम से मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति का साधन बताते हुए कही की श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से कई जन्मों के पाप धुल जाते है। कथा श्रवण करते श्रद्धालु भाव-विभोर एवं मंत्रमुग्ध दिखाई दिए।सायंकाल आयोजित भजन संध्या में भजन गायिका स्वाति मिश्रा ने अपने मधुर स्वरों से भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। रात्रि 10 बजे से रामलीला का सजीव मंचन किया जा रहा है।

संक्षेप

वैकल्पिक मार्ग में धंसकर ट्रक फंसा

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र के अन्तर्गत काली मिट्टी शिवराज पुर मार्ग पर बाढ़ के समय दबौली के पास हुए कटान से पूरा मार्ग कटकर बह गया था जिससे लगभग छह माह आवागमन रुका रहा। हाल ही मे क्षेत्रीय विधायक श्री कांत कटियार के प्रयासों से वैकल्पिक मार्ग बनाया गया जिससे दो पहिया और हल्के चार पहिया वाहनों को निकलने की अनुमति दी गई लेकिन इससे भारी वाहन भी निकलने लगे। भारी वाहनों के आवागमन से मार्ग क्षतिग्रस्त होने लगा। मंगलवार को एक ट्रक इस वैकल्पिक बने कच्चे मार्ग में फंस गया जिसके चलते अन्य छोटे वाहनों को निकलने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। क्षेत्रीय लोगों ने इस मार्ग से बड़े एवम भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की है ताकि आने जाने वाले लोगों और छोटे वाहन चालकों को कठिनाई का सामना न करना पड़े।

बच्चों ने देखा गन्ने से चीनी बनने तक का सफर

हरगाँव (सीतापुर)। मंगलवार को अवध शुगर एण्ड एनर्जी लिमिटेड परिसर में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। लखीमपुर खीरी जनपद के बेहजम विकास खंड से आए लगभग सौ बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खण्ड शिक्षा अधिकारी देवेश राय के निर्देशन में पहुंचे विद्यार्थियों का स्वागत मिल के मुख्य द्वार पर किया गया तथा सुरक्षा के दृष्टिगत सभी को सुरक्षात्मक टोपियां प्रदान की गईं। इसके बाद बच्चों को गन्ने की तौल, पिराई, रस शोधन, उबाल, क्रिस्टलीकरण और अंततः चीनी तैयार होने तक की पूरी प्रक्रिया क्रमवार दिखाई गई। विशाल मशीनों की गड़गड़ाहट और भाप के बीच चीनी निर्माण की वैज्ञानिक विधि को सरल भाषा में समझाया गया, जिससे बच्चे रोमांचित नजर आए। भ्रमण के पश्चात जलपान की व्यवस्था की गई और विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन बेहजम स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र में हुआ। इस अवसर पर एआरपी राजीव सेंगर, जगदीश मिश्र सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

फीस के नाम पर रोके प्रवेश पत्र, भड़के किसान नेता

सीतापुर। डीपी वर्मा इंटर कॉलेज में बकाया फीस के कारण छात्रों को प्रवेश पत्र न दिए जाने का मामला तूल पकड़ गया। परीक्षा नजदीक होने से छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में भारी चिंता व्याप्त थी। कई विद्यार्थियों की आंखों में आंसू देख माहौल भावुक हो उठा। सूचना मिलते ही संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू कॉलेज परिसर पहुंचे और पीड़ित छात्रों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी। उन्होंने इसे छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बताते हुए तत्काल जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रकरण का संज्ञान लिया और कॉलेज प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही निर्देश दिए कि फीस संबंधी आवेदन पत्र लेकर सभी छात्रों को तुरंत प्रवेश पत्र उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उनकी परीक्षा प्रभावित न हो। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद कॉलेज प्रबंधन ने प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी दी कि आर्थिक कारणों से किसी भी छात्र का भविष्य बाधित नहीं होने दिया जाएगा।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से मां की मौत, बेटा घायल

सीतापुर। कोतवाली देहात क्षेत्र में सोमवार देर रात बिजवार के पास तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रामकोट थाना क्षेत्र के देवगनपुर निवासी रामकली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। पति अवधेश को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार रामकली परिवार के साथ मुंडन संस्कार में शामिल होने जा रही थीं। खैराबाद इलाके के बिजवार के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामकली सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बेटे को जिला अस्पताल भिजवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि अज्ञात बस की तलाश के लिए आसपास के दृश्यांकन यंत्रों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लापरवाही पर बरसे डीएम, वेतन रोकने व प्रतिकूल प्रविष्टि के आदेश

सीतापुर, ।डा. राजागणपति आर ने मंगलवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय परसेण्डी का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा दिया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में गंभीर खामियां मिलने पर डीएम ने समाज कल्याण अधिकारी को फोन पर कड़ी फटकार लगाई। निर्माण पत्रावलियों में फोटोग्राफ न मिलने और अभिलेखों में त्रुटियां पाए जाने पर लेखा लिपिक व खंड विकास अधिकारी रजनीश कुमार शुक्ला को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दिए गए। लघु सिंचाई विभाग के जेई पर अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश भी दिए गए। मनरेगा रजिस्टर अद्यतन न होने पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने एपीओ रामशंकर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के कक्ष में महत्वपूर्ण पत्रावलियां न मिलने पर उनका वेतन रोकने के आदेश दिए गए। सीडीपीओ कार्यालय में पुष्टाहार रजिस्टर का सत्यापन न मिलने पर कनिष्ठ सहायक व सीडीपीओ पर अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने पुष्टाहार की बोरियों की गिनती कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए साफ कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कस्तूरबा विद्यालय में डीएम का निरीक्षण

सीतापुर, ।डा. राजागणपति आर ने कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज, सिधौली का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मल्टीपर्पज हॉल, भोजनालय, किचन, साफ-सफाई, शौचालय व बाथरूम की स्थिति देखी। किचन में बच्चों को दिए जा रहे नाश्ते और राशन की गुणवत्ता परखी, जो संतोषजनक पाई गई। डीएम ने कक्षा-6 की छात्राओं से बातचीत कर शिक्षण व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली तथा अध्यापकों की संख्या के बारे में पूछा। परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए। कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए आरओ के पानी की गुणवत्ता संतोषजनक न मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मातृ मृत्यु दर पर सख्त डीएम, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

सीतापुर, ।डा. राजागणपति आर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। डीएम ने सभी मातृ सुरक्षा केंद्रों और एफआरयू को प्रभावी ढंग से संचालित करने, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और गर्भवती महिलाओं से प्रसव तिथि पूर्व संपर्क कर जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मातृ मृत्यु के हर मामले में डेथ ऑडिट अनिवार्य रूप से किया जाए और लापरवाही पाए जाने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई हो। मेटरनल एनीमिया की समय पर जांच और उपचार, पीएमएसएमए व वीएचएसएनडी दिवसों के प्रभावी आयोजन तथा क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में तेजी लाने पर जोर दिया गया। डीएम ने शत-प्रतिशत टीकाकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सुचारू संचालन और बजट के समयबद्ध सदुपयोग के निर्देश देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

एसडीएम ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियां देखी

पाटन, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में होने वाली उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रयागराज की परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए एसडीएम रणवीर सिंह ने कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण का केंद्र व्यवस्थापको से बातचीत की। यू पी हाई स्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को लेकर एस डी एम रनवीर सिंह ने महात्मा गांधी इंटर कॉलेज पाटन, त्रिवेणी काशी इंटर कॉलेज बिहार, गिरजा शंकर सरला देवी बिहार, आर बी एन इंटर कॉलेज बिहार, भगवान बक्स सिंह इंटर कॉलेज वाजितपुर, इंटर कॉलेज, कोटवार पहुंचकर विद्यालय के केंद्र व्यवस्थापको से बातचीत की। एस डी एम ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा देखी। परीक्षा के लिए चिन्हित कमरों में जाकर सीटिंग प्लान का भी निरीक्षण किया। केंद्र व्यवस्थापकों से कहा कि परीक्षा में शुचिता बनी रहे किसी प्रकार की नकल न होने पाए। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों से विद्यालय में कमरों में लगे सीसीटीवी कैमरा की स्थिति तथा उनके लखनऊ व उन्नाव सेंटर से जुड़े होने की भी जानकारी ली।

भट्ठा उद्योग को बड़ी सौगात स्मार्ट ट्रैक्टर का लॉन्च

फतेहपुर। फतेहपुर कंचन ऑटोमोबाइल्स और टैफे मैसी फर्ग्यूसन कंपनी के तत्वावधान में आवास विकास स्थित गज विलास रिसॉर्ट में भट्ठा मालिकों की मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के करीब भट्ठा मालिक शामिल हुए। टैफे कंपनी के सीनियर डीजीएम नीरज नौटियाल, मार्केटिंग मैनेजर रॉबिन त्यागी, सीनियर एरिया मैनेजर धर्मेंद्र मिश्रा, टेरिटरी मैनेजर अंकित पुनेठा, सीनियर डेमोंस्ट्रेटर राकेश सिंह और टीपीसी सुमित मिश्रा विशेष रूप से मौजूद रहे। कंचन ऑटोमोबाइल्स के प्रोप्राइटर सुरेश सचान और किसान यूनियन के संगठन मंत्री राजेंद्र सिंह भी समारोह में शरीक हुए। मीट के दौरान ट्रैक्टरों की डिलीवरी और ट्रैक्टरों की बुकिंग दर्ज की गई। मैसी फर्ग्यूसन के नए मॉडल स्मार्ट का लॉन्च किया गया। साथ ही, भट्ठों के लिए विशेष रूप से तैयार मॉडल एमएफ की विशेषताओं पर भट्ठा मालिकों को विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भट्ठा मालिकों को मैसी फर्ग्यूसन के नवीनतम उत्पादों और सेवाओं से अवगत कराना था।

तालाब की जमीन पर बना मानकविहीन अस्पताल बेदखली आदेश के बाद भी अब तक कार्रवाई नही

हिलौली, उन्नाव (वीओएल)। पुरवा तहसील के कालूखेड़ा ग्राम पंचायत में तालाब की भूमि पर निर्मित निजी फातिमा अस्पताल के खिलाफ वर्षों से चली आ रही कार्रवाई अब तक पूरी नहीं हो सकी है। न्यायालय द्वारा बेदखली आदेश पारित किए जाने और अपील खारिज होने के बावजूद कब्जा बरकरार है। अभिलेखों के अनुसार, गाटा संख्या 150 की 130 वर्ग मीटर तालाबी भूमि पर अस्पताल का निर्माण किया गया। इस मामले में 22 मई 2017 को उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत तहसीलदार न्यायिक न्यायालय में वाद दायर हुआ था। लंबी सुनवाई के बाद 22 मार्च 2022 को न्यायालय ने 1,72,600 रुपये का अर्थदंड लगाते हुए बेदखली का आदेश दिया। आदेश के अनुपालन के लिए बुलडोजर भी मौके पर पहुंचा, लेकिन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद संबंधित पक्ष ने 28 मई 2022 को धारा 67सी/57 के तहत कलेक्ट्रेट में अपील दाखिल की, जिसे 10 जुलाई 2023 को खारिज कर दिया गया। कलेक्ट्रेट ने निचली अदालत के आदेश को सही ठहराया। अंतिम आदेश के लगभग दो वर्ष बाद भी न तो तालाब की भूमि खाली कराई गई और न ही न्यायालय के निर्देशों का पालन हुआ। मामले में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई है। सूत्रों का दावा है कि कथित राजनीतिक संरक्षण के कारण कार्रवाई लंबित है। उल्लेखनीय है कि अस्पताल को पूर्व में सील भी किया जा चुका है। एसडीएम प्रवेश श्रीवास्तव से जब मामले को लेकर बात की गयी तो उन्होंने लेखपाल अशोक पटेल से बात करने को कहा। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि लेखपाल ने उन्हें बताया कि उनके आने से पूर्व में इसी अस्पताल कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा गिराया गया। दुबारा लेखपाल से बात करने के उपरांत दुबारा टीम बनाने व जांच की बात कही। लेखपाल को फोन मिलाया गया लेकिन उनका फोन नही उठ सका।

कार में लगी भीषण आग, जलकर राख

सीतापुर। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के फादिलापुर गांव में मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घर के बाहर खड़ी विनोद तिवारी पुत्र आशाराम की कार में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी और पूरी तरह राख हो गई। आग की लपटें पास रखे सामान और घर के सामने पड़े छप्पर तक पहुंच गईं।

राज्य स्तर पर डॉ. अनुराग पर्यवेक्षक नियुक्त

फतेहपुर। समाजसेवी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी फतेहपुर के चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव को एक और सम्मानजनक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य स्तर से उन्हें जिला रेडक्रॉस शाखा बांदा एवं अम्बेडकरनगर के कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके लंबे समय से रेडक्रॉस के प्रति समर्पण और निष्पक्ष नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।

नियुक्ति पत्र प्रदान करने का सम्मान इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति एवं उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, जो उत्तर प्रदेश रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य भी हैं, ने कहा, यह मेरे लिए गौरव का विषय है। मैं दोनों जिलों में जिलाधिकारियों के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करूंगा। रेडक्रॉस की भावना के अनुरूप हर कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन किया जाएगा। डॉ. अनुराग निर्धारित तिथियों पर दोनों जिलों के चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराएंगे। उनकी नियुक्ति से न केवल चुनावी प्रक्रिया मजबूत होगी, बल्कि रेडक्रॉस संगठन की विश्वसनीयता में भी वृद्धि होगी। फतेहपुर जिले में रेडक्रॉस के माध्यम से डॉ. श्रीवास्तव ने आपदा राहत, स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो इस जिम्मेदारी के लिए उन्हें उपयुक्त बनाता है। इस समारोह में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के उपसभापति अमरनाथ मिश्र एवं महासचिव रामानंद कटियार उपस्थित रहे। मिश्र ने कहा, डॉ. अनुराग का चयन राज्य स्तर पर उनकी क्षमताओं का प्रमाण है। हम आशा करते हैं कि चुनाव आदर्श रूप से संपन्न होंगे। रेडक्रॉस सोसाइटी मानव सेवा का प्रतीक है और ऐसी नियुक्तियां संगठन को और मजबूत बनाती हैं।

खंती में रेलिंग लगवाने की स्थानीय लोगों ने मांग की

पाटन उन्नाव। उन्नाव लालगंज हाइवे से कस्बा बिहार को उतरने वाले रोड के दोनों तरफ गहरी खंती होने के चलते किसी समय बड़ी दुर्घटना घट सकती है स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी के उच्चाधिकारियों व एस डी एम से खंती में मिट्टी भराने या रेलिंग लगवाने की मांग की है। कस्बा बिहार निवासी धन्नर तिवारी, समाजसेवी सूरज सिंह, शिवबीर सिंह, बउवा वर्मा, रजोली मिश्रा, राम प्रकाश गुप्ता, अजय बाजपेई, मुन्ना सिंह नेशनल हाईवे अथॉरिटी के उच्च अधिकारियों तथा एसडीएम को स्थानीय लोगों की समस्याओं को अवगत कराते हुए बताया कि विभागीय अनदेखी के चलते नेशनल हाईवे से बिहार की तरफ बने कट से उतरने वाले वाहन किसी भी समय गहरी खंती में गिर सकते हैं। हाइवे से कस्बा बिहार, पुराने बस स्टॉप व गांव के लिए जो रास्ता कटता है उसपर रेलिंग लगाए जाने से लोगों को राहत मिलेगी। एसडीएम रणवीर सिंह ने बताया कि मामले को दिखवाया जा रहा है आवश्यकता पड़ने पर खंती की भराई या रेलिंग की व्यवस्था कराई जाएगी।

खेती मत बेचो, जमीन गयी तो किसान बर्बाद हो जायेगा: राकेश टिकैत

सीतापुर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मंगलवार को महमूदाबाद के चतुराबेहड़ स्थित भगवती प्रसाद विद्या मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष नंद किशोर वर्मा बाबू जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा के बाद मीडिया से बातचीत में टिकैत ने किसानों को सीधा संदेश देते हुए कहा, किसान अपनी खेती किसी भी हालत में न बेचे। सरकार की नीतियां ऐसी बन सकती हैं कि खेती नुकसान का सौदा लगे, लेकिन सच यह है कि खेती कभी नुकसान नहीं करती। उन्होंने आगे कहा, किसान गांव में रहकर मेहनत करेगा तो अपना भविष्य बचा लेगा, लेकिन जमीन बेच दी तो उसके पास कुछ नहीं बचेगा। जमीन ही किसान की असली पूंजी है। नंद किशोर वर्मा को याद करते हुए टिकैत ने कहा, वर्मा जी जमीन से जुड़े व्यक्ति थे। उन्होंने लंबे समय तक संगठन को मजबूत किया और दिल्ली आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। टिकैत ने बताया कि संगठन ने वर्मा जी के निधन के बाद उनके बेटे बबलू वर्मा को पदाधिकारी नियुक्त किया है, ताकि संगठन की जिम्मेदारी आगे बढ़ती रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। टिकैत के संबोधन में खेती बचाने और जमीन न बेचने का मुद्दा केंद्र में रहा।

क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

सीतापुर, मंगलवार को सिंघानिया शिक्षण संस्थान में अंतरविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता उत्साह एवं खेल भावना के साथ सम्पन्न हुई। जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के बालक-बालिकाओं के मध्य लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, चक्र फेंक तथा भाला फेंक की स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताएँ निष्पक्षता और अनुशासन के साथ सम्पन्न हुईं। ओएनजीसी सामुदायिक विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंघानिया ने विजेता प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं तथा अनुशासन, दलभावना और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करते हैं। यह क्रीड़ा प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी और यादगार सिद्ध हुई।

जिला अस्पताल की व्यवस्था बदहाल

उन्नाव। मौसम में बदलाव के कारण खांसी, सांस के मरीज बढ़ रहे हैं। लेकिन जिला अस्पताल का हाल ये है कि करीब एक माह से दवा वितरण स्टोर में खांसी का सिरप खत्म है। जिला अस्पताल में 1500 से ज्यादा मरीज ओपीडी पहुंच रहें हैं। इनमें खांसी और सांस के मरीज भी बढ रहें हैं। खांसी का सिरप बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी आयु के मरीजों को दिया जाता है। सांस के मरीज को भी खांसी के सिरप की जरूरत होती है, लेकिन एक महीने से खांसी का सिरप खत्म चल रहा है। सिरप न मिलने से रोजाना 100 से 150 मरीज मायूस होकर वापस जा रहें हैं।

बोले मरीज

आवास-विकास निवासी नीलम ने बताया एक सप्ताह से खांसी आ रही है। लेकिन दवा वितरण कक्ष में खांसी का सिरप नहीं है।

बीघापुर के मदन ने बताया उसे बुखार के साथ खांसी है। अस्पताल में बताया गया खांसी का सिरप खत्म चल रहा है।

इसकी जानकारी जब सीएमएस डॉ राजीव गुप्ता से की गई तो उन्होंने बताया सीएमएसईडी में खांसी का सिरप नहीं है, प्रयास किया जा रहा है अस्पताल में खांसी का सिरप जल्द आ जाए।

नवनिर्मित कक्ष नन्हे फरिश्ते का आईजी ने किया उद्घाटन

जिला संवाददाता

सफीपुर, उन्नाव। आईजी रेंज लखनऊ ने कोतवाली का निरीक्षण इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित नन्हे फरिश्ते कक्ष का उद्घाटन किया।

पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज किरण यश मंगलवार को सफीपुर कोतवाली पहुंचे जहां उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। आईजी ने सफीपुर कोतवाली परिसर में नवनिर्मित नन्हे फरिश्ते कक्ष का फीता कटकर उद्घाटन किया जिससे अब शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं के बच्चों के लिए बैठने, खेलने और पढ़ने की विशेष व्यवस्था प्रदान की जाएगी। नन्हे नन्हे बच्चे अब कोतवाली जैसी जगह पर अच्छा महसूस कर पाएंगे और खेल के साथ साथ पढ़ाई का भी आनंद ले पाएंगे। पुलिस महानिरीक्षक ने सफीपुर कोतवाली का सिलसिलेवार विधिवत निरीक्षण किया जिसमें शस्त्रागार, पुलिस कार्यालय में अभिलेखों, महिला हेल्प डेस्क सहित सीसीटीएनएस का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 30 चैकीदारों को इस्तेमाल करने के लिए टॉर्च एवं पानी की बोतलें भी वितरित की और साफ सफाई व्यवस्था पर संतुष्ट होते हुए कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आईजी ने कहा पुलिस आमजन और विशेषकर महिलाओं और बच्चों सुरक्षा और सुविधा को लेकर पूर्णतया संवेदनशील व प्रतिबद्ध है वहीं पुलिस कार्यालय पहले से और अधिक फ्रेंडली तथा सुविधाजनक बनाया गया है।

इस अवसर पर उन्नाव पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद्र, आईपीएस संचित शर्मा, सफीपुर क्षेत्राधिकारी सोनम सिंह सहित सफीपुर कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी समेत समस्त उपनिरीक्षक एवं पुलिस बल मौजूद रहा। आईजी के आने की सूचना पर घंटों कोतवाली पुलिस हलकान रही। कोतवाली सफीपुर के निरीक्षण के लिए पहुंचे आईजी रेंज लखनऊ किरण यश आने पर कोतवाली पुलिस घंटों हलकान रही। आईजी के जाने के पश्चात कोतवाली पुलिस ने राहत महसूस की।

बच्चों की मेहनत के दम पर उन्नाव बना दूसरी बार मंडल विजेता

जिला संवाददाता(vol)

- खुशी और उपासना ने स्वर्ण रजत पदक हासिल कर बढ़ाया जिले का गौरव

उन्नाव (वीओएल)। मंडल स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के पहले दिन चैक स्टेडियम में हुई उत्साहपूर्ण शुरूआत के बाद आज प्रतियोगिता का भव्य समापन उन्नाव की ऐतिहासिक जीत के साथ हुआ। उन्नाव ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर लगातार दूसरी बार मंडल विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

प्रारंभ से ही खिलाड़ियों ने अद्भुत आत्मविश्वास, अनुशासन और संघर्ष भावना का परिचय दिया। प्राथमिक वर्ग की 50, 100, 200, 400 एवं 600 मीटर दौड़, लंबी कूद, जिमनास्टिक, समूह गान, रिले, कबड्डी, जूनियर खो-खो, जूडो/कुश्ती और बैडमिंटन सहित विभिन्न स्पर्धाओं में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगाकर जनपद को अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचाया। 600 मीटर में स्वर्ण, 400 व 100 मीटर में रजत सहित अनेक पदकों ने इस जीत को और भी गौरवपूर्ण बना दिया। यह सफलता बच्चों की कठोर मेहनत, नियमित अभ्यास और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और बिछिया के अथक प्रयास का परिणाम रही। औरास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की छात्रा खुशी ने 400 मीटर और 600 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता तथा 100 मीटर में कांस्य पदक हासिल किया। उपासना ने हाई जंप, लांग जंप और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डिस्कस स्पर्धा में भी उन्नाव ने रजत पदक अर्जित किया। रिले स्पर्धा में उन्नाव की ओर से प्रतिभाग करने वाली टीम औरास तथा हसनगंज क्षेत्र से रही तथा उन्नाव मंडल स्तर पर उपविजेता बना। बच्चों ने मैदान पर जिस जज्बे, ऊर्जा और समर्पण के साथ प्रदर्शन किया, वही इस ऐतिहासिक विजय की असली ताकत बना।

सर्वाधिक व्यक्तिगत मेडल प्राप्त करने वाला विद्यालय रामपुर गढ़ौवा बना। समापन अवसर पर एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी, बीएसए लखनऊ, डाइट प्राचार्य लखनऊ एवं बीईओ मुख्यालय राजेश सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की और विशेष रूप से खुशी से हाथ मिलाकर उसे स्वर्णिम उपलब्धि पर बधाई दी। जिलाधिकारी उन्नाव ने भी फोन कर खिलाड़ियों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं तथा विशेष रूप से खुशी को 400 मीटर में स्वर्ण पदक और अस्मिता फेडरेशन में राज्य स्तर पर पहुंचने के लिए बधाई दी। बीएसए उन्नाव, बीईओ औरास, बीईओ मियागंज, बीईओ मुख्यालय और प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संजीव संखवार ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बच्चों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। पूर्व बीएसए संगीता सिंह ने भी उन्नाव को बधाई संदेश प्रेषित किया।

प्रतियोगिता में पुरुषोत्तम यादव, निशा सिंह, अनीता वर्मा, विश्वजीत, प्रदीप वर्मा, रईसुल इस्लाम गौहर, गौरव, गोपी, हैदर अब्बास, विद्या सागर, आदित्य, अजीत, राजेंद्र, बृजेश सागर, राकेश तिवारी एवं अनुदीप श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। बच्चों की अटूट मेहनत, टीम भावना और जीत के जज्बे ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि उन्नाव खेल प्रतिभा में अग्रणी है और मंडल का सच्चा सरताज बना हुआ है। जीत की खुशी में बिछिया के विश्वजीत सहित साथी शिक्षक और बच्चे ट्रॉफी लेकर झूमते नजर आए।

संक्षेप

एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

ललितपुर (वीओएल)।एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन ने उर्वरक सब्सिडी नीति में सुधार, यूरिया के संतुलित उपयोग और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर देश के प्रधानमंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन भेजा है।ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन ने वर्तमान उर्वरक मूल्य संरचना में व्याप्त असंतुलन पर चिंता जताते हुए कहा है कि सस्ते यूरिया और महंगे एनपीके/डीएपी उर्वरकों के कारण किसान मजबूरी में यूरिया का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

एसोसिएशन के अनुसार वर्तमान में 45 किलोग्राम यूरिया की कीमत मात्र 266 है, जबकि एनबीएस नीति के चलते एनपीके ग्रेड उर्वरकों की कीमत 2100 प्रति 50 किलोग्राम तक पहुंच गई है।

इस बड़े मूल्य अंतर के कारण मिट्टी अम्लीय हो रही है और सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो रहे हैं, जो दीर्घकाल में कृषि उत्पादन के लिए घातक है।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

ललितपुर (वीओएल)। कोतवाली ललितपुर क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी महिला ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री 16 फरवरी 2026 की रात करीब 10.30 बजे घर पर थी।इसी दौरान बड़ापुरा निवासी युवक राजीव नाम का युवक उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया।

पीड़िता की मां ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही उन्होंने अपनी पुत्री की काफी खोजबीन की, रिश्तेदारों और परिचितों से भी पूछताछ की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा।

जिले में धारा 163, नागरिक सुरक्षा संहिता लागू

बांदा।जिले में हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाओं, अन्य परीक्षाओं, धार्मिक संगठनों व राजनैतिक गतिविधियों पर रोक लगाए जाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा 163 लागू की है।जिला मजिस्ट्रेट जे0 रीभा ने अधिकारों का प्रयोग करते हुए 17 फरवरी से 14 मार्च तक निषेधाज्ञा लागू कर आदेश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर अग्न्यास्त्र, धारदार हथियार, लाठी, भाला व तेज धारदार हंथियार, तरल पदार्थ जिनका प्रयोग अस्त्र व विस्फोटक के रूप में किया जा सकता है लेकर सार्वजनिक रूप से नही घूम सकेगा।यह आदेश सरकारी ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों और ऐसे व्यक्ति पर लागू नही होगा जो दण्डे के सहारे चलते हों अथवा धर्म में उन्हे लेकर चलने की अनिवार्यता है।यह आदेश पूरे जनपद में मंगलवार से ही प्रभावी रहेगा।इस आदेश का उल्लंघन न्याय संहिता-2023 बीएनएस की धारा-221 के तहत दण्डनीय होगा।

जमीन माफियाओं का बड़ा खेल फर्जी बैनामों से करोड़ों की जमीन हड़पी

जिला संवाददाता

ललितपुर (वीओएल)। थाना महरौनी क्षेत्र में जमीन से जुड़े एक बड़े और सुनियोजित फजीर्वाड़े का मामला सामने आया है।पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर 10 नामजद आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। दिनांक 16 फरवरी 2026, समय शाम 5.08 बजे पंजीकृत किया गया।पीड़ित मान सिंह पुत्र मोतीलाल, निवासी ग्राम कुम्हैड़ी, थाना महरौनी ने आरोप लगाया कि उसने पहले भी उच्च अधिकारियों को शिकायत भेजी थी, लेकिन थाना स्तर पर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय की शरण लेने पर एफआईआर दर्ज की गई। वादी के अनुसार, उसकी भूमि खाता संख्या 862, गाटा संख्या 3051 से संबंधित

- 10 नामजद आरोपियों पर गंभीर धाराओं में एफआईआर, सरकारी नाले पर कब्जे से फसल तबाह
- बैनामे में भुगतान के लिए बैंक चेक दिखाए गए, जबकि वास्तविक रूप से कोई वैध लेन-देन नहीं हुआ
- नाले का पानी पीड़ित की कृषि भूमि में बहने लगा

पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने आपसी साठगांठ कर फर्जी दस्तावेजों के सहारे उसकी पैतृक भूमि के बैनामे कर लिए, इतना ही नहीं सरकारी नाले को पाटकर अवैध कब्जा भी कर लिया, जिससे उसकी फसल नष्ट हो गई और उसे करीब 20 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।यह मामला थाना महरौनी में मु.अ.सं. 0059/2026, है, जिस पर उसका वैध और दर्ज स्वामित्व है। आरोप है कि मुख्य आरोपियों ने यह जानते हुए भी कि भूमि उनके नाम दर्ज नहीं है, वर्ष 2021 से 2022 के बीच फर्जी बैनामे तैयार कराए।इन बैनामों में जानबूझकर ग्राम कुम्हैड़ी की जगह अन्य गांव के नक्शे व चैहद्दी दर्शाई गई, ताकि वास्तविक स्थिति छिपाई जा सके। बैनामे में भुगतान के लिए बैंक चेक दिखाए गए, जबकि वास्तविक रूप से कोई वैध लेन-देन नहीं हुआ।एफआईआर में यह भी आरोप है कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी नाले को मिट्टी से पाटकर उस पर कब्जा कर लिया।

इससे नाले का पानी पीड़ित की कृषि भूमि में बहने लगा, जिसके कारण उसकी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। पीड़ित का कहना है कि यह नुकसान जानबूझकर किया गया और लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

एफआईआर में जिन 10 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें झांसी के सिमरावाये निवासी राजकुमारी पत्नी दान सिंह, नरेंद्र सिंह पुत्र दान सिंह, कुम्हैडी महरौनी निवासी भुवानी बाई पत्नी दुर्जन, दुर्जन पुत्र हरप्रसाद, नंदू पुत्र रामचरन, रघुनंदन पुत्र रामचरन, पार्वती पत्नी रामचरन, देवेंद्र पुत्र दुर्जन, गोविंद पुत्र दुर्जन, सविता पत्नी धर्मेंद्र बताये गये हैं, जिन पर गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमा हुआ है।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 406, धारा 120-बी, 427 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

महरौनी मण्डी समिति में बड़ा घोटाला,1.26 करोड़ के गबन का मामला दर्ज

ललितपुर (वीओएल)।महरौनी कृषि उत्पादन मंडी समिति में करोड़ों रुपये के कथित गबन का मामला सामने आया है। इस संबंध में कोतवाली महरौनी पुलिस ने मंडी समिति के सचिव की तहरीर पर पूर्व मंडी निरीक्षक/प्रभारी सचिव गिरजेश कुमार तिवारी के विरुद्ध आईपीसी की धारा 409 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

पूर्व मंडी निरीक्षक पर गंभीर आरोप

मामला वर्ष 2019 से 2024 के बीच का बताया जा रहा है, जिसमें सरकारी धन के दुरुपयोग और अभिलेखों के गायब होने के आरोप हैं। मंडी समिति सचिव अनूप सिंह यादव द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार गिरजेश कुमार तिवारी को 08 जुलाई 2019 को महरौनी मंडी समिति में प्रभारी सचिव के पद पर तैनात किया गया था।

आरोप है कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने मंडी समिति के खातों और लेन-देन में अनियमितताएं कीं। विभागीय ऑडिट रिपोर्ट (वर्ष 2019-20 से 2022-23) में कुल एक करोड़ छब्बीस लाख इकहत्तर हजार नौ सौ सत्तर रुपये की वित्तीय अनियमितता/गबन सामने आया। ऑडिट में गड़बड़ी उजागर होने के बाद मंडी समिति की ओर से आरोपी को कई बार लिखित नोटिस जारी कर राशि जमा कराने और स्पष्टीकरण देने को कहा गया, लेकिन न तो धनराशि जमा की गई और न ही किसी प्रकार का संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत किया गया। तहरीर में यह भी उल्लेख है कि आरोपी द्वारा मंडी समिति की फाइलें और पत्रावलियां विधिवत हैंडओवर नहीं की गईं, जिससे कार्यालयीन कार्य बाधित हुआ और राजस्व को नुकसान पहुंचा।शिकायत में यह गंभीर आरोप भी लगाया गया है कि मंडी समिति में कई महत्वपूर्ण पत्रावलियां उपलब्ध नहीं हैं।रिकॉर्ड के अभाव में न केवल जांच प्रभावित हो रही है, बल्कि मंडी के दैनिक प्रशासनिक कार्य भी बाधित हैं।इससे शासन-प्रशासन को आर्थिक क्षति होने की बात कही गई है। प्राप्त तहरीर के आधार पर कोतवाली महरौनी में मुकदमा संख्या 0060/2026 दिनांक 16 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की विवेचना निरीक्षक निर्भय चंद्र को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान ऑडिट रिपोर्ट, बैंकिंग लेन-देन, मंडी अभिलेख और संबंधित अधिकारियों के बयान जुटाए जाएंगे। दोष सिद्ध होने पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले के सामने आने से मंडी प्रशासन और जिले के प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

काम के दबाव में बीएलओ को हार्ट अटैक, भर्ती

बांदा।सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कहला की बीएलओ अनीता रावत का काम के दबाव में हार्ट अटैक हो गया। परिजनों ने तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन स्थिति गंभीर होने पर उन्हें डॉक्टर ने रेफर कर दिया। अनीता रावत के परिजनों ने बताया कि ग्वालियर के एक अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया है।वहां उनका इलाज चल रहा है।परिजनों का कहना है कि बीएलओ ने बीते दिनों कार्य के दबाव व बीमारी के चलते बीआरसी में प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन खंड शिक्षा अधिकारी ने उनकी मांग को गंभीरता से न लेकर डांटकर भगा दिया।एईआरओ ने भी काम ठीक तरीके और समय से पूरा न करने पर डांट लगाई।इसी दबाव के चलते बीएलओ का हार्ट अटैक हो गया।बीएलओ अनीता रावत का इस समय ग्वालियर के एक नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है।

सशक्त नेतृत्व से राष्ट्रहित, जनहित के निर्णय संभवः अध्यक्ष

बांदा। पंडित दीन दयाल उपाध्याय कार्यशाला का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय में हुआ।मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने कहा कि जिले से लेकर मण्डल स्तर तक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएंगी।इसका मुख्य उद्देश्य कार्यकताओं को प्रशिक्षित करना है।जब तक कार्यकर्ता प्रशिक्षित नही होंगे तब तक सफलता नही मिलेगी। उन्होने कहा कि समर्पित कार्यकताओं की निष्ठा से संगठन मजबूत होता है, मजबूत संगठन से सशक्त नेतृत्व उभरता है और जब सशक्त नेतृत्व होता है तभी राष्ट्रहित व जनहित में दूरदर्शी तथा प्रभावी निर्णय संभव हो पाते हैं।जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण, संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण है।दीन दयाल उपाध्याय का मत था कि संगठन व्यक्ति से और व्यक्तित्व विचार से बनता है।प्रशिक्षण केवल प्रक्रियाओं की औपचारिकताएं नहीं बल्कि विचार वाह साधना है जो कार्यकर्ता को केवल सक्रिय नहीं बल्कि वैचारिक रूप से दृढ़ आचरण से अनुशासित एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाता है। कार्यशाला में जगराम सिंह, अखिलेश नाथ दीक्षित, बालमुकुंद शुक्ला, विवेकानंद गुप्ता, प्रेमनारायण द्विवेदी, ममता मिश्रा, उत्तम सक्सेना, वंदना गुप्ता, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, विनोद जैन, मालती बासू, अन्य नेता व सभी मोर्चा अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष व प्रभारी मौजूद रहे।

विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने लिया हिरासत में

ललितपुर (वीओएल)।मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत 17 फरवरी को ललितपुर से लखनऊ विधानसभा घेराव के लिए जा रहे कांग्रेस कार्यकताओं को पुलिस ने रास्ते में रोककर हिरासत में ले लिया। बताया गया कि ललितपुर से निकले कांग्रेस जनों का पीछा करते हुए पुलिस ने उन्हें लखनऊ में छावनी परिषद क्षेत्र में हिरासत में ले लिया।बाकी अन्य कार्यकताओं को पुलिस द्वारा ललितपुर में ही रोक लिया गया था।और कुछ कार्यकताओं को उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया था। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का आरोप है कि यह कार्रवाई जनआवाज को दबाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसे जनहितकारी मुद्दे पर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने जा रहे लोगों को रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की तानाशाही लोकतंत्र को खत्म नहीं कर सकती।कार्यकताओं ने कहा कि जब तक उनमें सांस है, वे जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाते रहेंगे।उनका यह भी कहना था कि जब-जब सरकार डरती है, तब-तब पुलिस को आगे कर दिया जाता है। बाद में शाम होते ही हिरासत में लिए गए कांग्रेसियों को छोड़ दिया गया। हिरासत में लिये गए प्रमुख कांग्रेस जनों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलवंत सिंह राजपूत, पिछड़ा वर्ग प्रदेश महासचिव पवन विश्वकर्मा, महिला जिलाध्यक्ष नेहा तिवारी, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष रामभरोसे कुशवाहा, सुनील कुमार राय एडवोकेट सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

खतौनी में अंश निर्धारण, लिफ्ट कैनाल स्थापना की सदन में मांग

बांदा।सदर विधायक ने नियम 51 के तहत राजस्व विभाग के अंतर्गत तहसीलों में किसानों की नवीन खतौनी में अंश निर्धारण की अव्यवस्था को दूर कराए जाने और नियम 301 के अंतर्गत विकासखंड महुआ की ग्राम पंचायत जरर में लिफ्ट कैनाल की स्थापना के लिए विधानसभा की कार्रवाई के दौरान सदन में रखा। सदर विधायक प्रकाश

● किसानों की मांग पर सदर विधायक ने उठाया मामला

द्विवेदी ने 17 फरवरी को विधानसभा सत्र की कार्रवाई के दौरान जनपद बांदा ही नही बल्कि पूरे प्रदेश के किसानों की खतौनी में अंश निर्धारण की तरफ सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया।कहा कि प्रदेश की सभी तहसीलों में किसानों की नई बनाई गयी खतौनियों में किसानों के अंश निर्घारण में व्यापक अनियमितता बरती गयी है तथा अंश निर्धारण सही ढंग से नहीं किया जा रहा है। इस समस्या को लेकर किसान अपनी खतौनी में अंश निर्धारण कराने के लिए तहसील के चक्कर लगा रहे हैं और उन गरीब किसानों का हजारों रूपया खर्च हो रहा है।इसके अलावा नियम 301 के तहत विधानसभा 235 बांदा के ग्राम जरर जो केन नदी के समीप स्थित है में लिफ्ट कैनाल की बेहद आवश्यकता है क्योंकि यह क्षेत्र पूरा सूखा है और किसाना सिर्फ वर्षा के जल पर निर्भर रहता है।जरर में लिफ्ट कैनाल से ग्राम मनीपुर, माधवपुर, गोविन्दपुर रागौल व अन्य गांवों के किसानों को अत्यन्त लाभ मिलेगा तथा इस क्षेत्र में लिफ्ट कैनाल की स्थापना के लिए काफी समय से मांग की जा रही है। परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही न होने से क्षेत्रवासियों में आक्रोश व्याप्त है। उल्लिखित नियमों के अन्तर्गत लोक महत्व के अविलम्बनीय विषयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये नियम 51 के तहत खतौनी में अंश निर्धारण में हुयी अनियमितता को व्यापक स्तर पर ठीक कराये जाने एवं नियम 301 के अन्तर्गत विकास खण्ड महुआ के ग्राम जरर में लिफ्ट कैनाल की स्थापना के लिए कार्यवाही की मांग की गयी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो अन्य घायल

अयोध्या। जिले के इनायतनगर थाना क्षेत्र के चमनगंज बाजार में मंगलवार देर शाम कुछ ही समय के अंतराल पर तीन सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।पहली दुर्घटना अयोध्या-रायबरेली फोरलेन पर चमनगंज बैंक से लगभग 100 मीटर आगे यात्री ठहराव केंद्र के पास देर शाम 7.45 बजे हुई।

गांव में शराब दुकान से बिगड़ा माहौल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

ललितपुर (वीओएल)।जिले के ग्राम सतगता में स्थित सरकारी देशी शराब की दुकान ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है।दुकान खुलने के बाद गांव की शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां आए दिन शराबियों की भीड़ जुटती है, जिससे गाली-गलौज, झगड़े और अश्लील हरकतों की घटनाएं बढ़ गई हैं।ग्रामीणों के अनुसार, शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। नशे में धुत लोग राहगीरों से अभद्रता करते हैं, कई बार मारपीट तक की नौबत आ जाती है।इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को घर से निकलने में डर लगने लगा है।गांव के रास्तों पर अराजकता का माहौल बन जाता है, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है।स्थिति से आक्रोशित महिलाओं और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजते हुए शराब की दुकान को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए त्वरित कदम उठाने की अपील की है, ताकि गांव में पुनरू शांति, सुरक्षा और मर्यादित वातावरण बहाल हो सके।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से घर क्षतिग्रस्त

ललितपुर (वीओएल)।कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खिरकापुरा निवासी एक व्यक्ति ने तेज रफ्तार ट्रक द्वारा घर में टक्कर मारकर फरार हो जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुरेश कुशवाहा पुत्र स्व.घनश्याम कुशवाहा ने बताया कि 15 फरवरी 2026 की रात करीब 10.47 बजे अपने घर पर मौजूद थे।इसी दौरान तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उनके घर के गेट में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गेट क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।प्रार्थी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, लेकिन ट्रक का नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे सका। पीड़ित ने पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात ट्रक चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने तथा हुए नुकसान की भरपाई दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में पुलिस द्वारा प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही गई है।एक बार में ही कर जमा कर सकेंगे वाहन स्वामी

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में टॉप पर रहा ललितपुर

जिला संवाददाता

ललितपुर।मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में ललितपुर ने प्रदेश के अन्य जिलों को पछाड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।इस उपलब्धी को आगे भी बरकरार रखने के लिए जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने

● डीएम ने बैठक कर प्रथम स्थान बरकरार रखने के दिये निर्देश

मंगलवार को कलैक्ट्रेट सभागार में सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक की।

उन्होंने जहां प्रगति में सुधार करने वाले विभागों की सराहना की तो वहीं खराब प्रगति वाले विभागों के अधिकारियों को भी फटकार लगायी। समीक्षा के दौरान ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की खराब प्रगति पर अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को नाराजगी जाहिर करते हुए अगले माह में प्रगति सुधारने के निर्देश दिये, साथ ही नगर में पर्यटन विभाग के प्रोजेक्ट गिन्नोटबाग में प्राचीन वृक्षों के संरक्षण में लापरवाही पर पर्यटक अधिकारी से नाराजगी जाहिर की।

जिलाधिकारी ने सीएमआईएस पोर्टल व जनपद के विकास कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिये कि सभी विभाग अपने-अपने लक्ष्यों को पूर्ण करते हुए प्रथम स्थान को आगे भी बरकरार रखें।

बैठक में बताया कि रैंकिंग में अतिरिक्त ऊर्जा, अल्पसंख्यक कल्याण छात्रवृत्ति, उद्यान, ऊर्जा, कृषि, ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांग पेंशन, नमामि गंगे, पंचायती राज, सामाजिक वानिकी, प्राथमिक शिक्षा, पशुधन, पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, श्रम एवं सेवायोजन, उद्योग, समाज कल्याण, सहकारिता, सिंचाई सहित अन्य विभागों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 में से 10 अंक प्राप्त किये हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, पीडीडीआरडीए दीपक यादव, सीवीओ डॉ भगवान सिंह, बीएसए रणवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह, डीडी एग्रीकल्चर, जिला कृषि अधिकारी, एडीएसटीओ अजयवीर सिंह के साथ ही लोक निर्माण विभाग, जल निगम, जल संस्थान, विद्युत आदि विभागों के अभियंता उपस्थित रहे।

हर्षित आत्महत्या मामले में प्रताड़ना का आरोप, दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

जिला संवाददाता

ललितपुर (वीओएल)। कोतवाली ललितपुर क्षेत्र से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक युवक की मौत के बाद उसकी बहन ने कुछ लोगों पर मानसिक प्रताड ?ा का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 108 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने थाना कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके भाई हर्षित उर्फ चिन्टू का शव 16 फरवरी 2026 को गोविंद सागर बांध में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक बीते करीब आठ दिनों से मानसिक तनाव में था और लगातार परिवार को बता रहा था कि अजयगढ़ (जिला पन्ना, मध्यप्रदेश) निवासी लोकेश कुमार मांझी पुत्र जगदीश प्रसाद रैकवार और उसके परिजनों द्वारा उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पक्ष द्वारा बार-बार धमकाने और भविष्य बर्बाद करने की बात कहने से हरषित गहरे अवसाद में चला गया था।

परिजन उसे समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन मानसिक दबाव के चलते उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि लोकेश कुमार मांझी और उसके परिजनों की प्रताड ?ा के कारण ही उसके भाई ने अपनी जीवन लीला समाप्त की।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।विवेचना उपनिरीक्षक सीमा प्रजापति को सौंपी गई है।

समस्या समाधान के लिए 20, 21 को लगेगा परिवहन मेला

बांदा। प्रदेश परिवहन विभाग ने संशोधन करते हुए परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए एकमुश्त कर प्रणाली लागू की है।इसके तहत परिवहन यानों व गैर परिवहन यानों पर एक बार में ही कर अदा करने की व्यवस्था शुरू की है। भाड़े अथवा पारिश्रमिक पर चलने वाले दो पहिया मोटरसाइकिल यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत, तीन पहिया मोटर कैब यान के मूल्य का 7 प्रतिशत, 10 लाख रुपये तक के मोटर कैब, तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 10.5 प्रतिशत तथा 10 लाख रुपये से अधिक मोटर कैब और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत कर देय होगा। इसी प्रकार निर्माण कार्य में लगे जेसीबी यान के मूल्य का 6 प्रतिशत, माल वाहन 3000 किलोग्राम तक सकल भार यान के मूल्य का 3 प्रतिशत तथा 3000 किलोग्राम से अधिक लेकिन 7500 किलोग्राम तक सकल यान भार यान के मूल्य का 6 प्रतिशत देना होगा।पहले से रजिस्ट्रीकृत यानों पर एक बार कर पूर्व अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए ऐसे यानों पर प्रचलित एकमुश्त कर की धनराशि में 8 प्रतिशत की छूट देकर गणना की जाएगी, लेकिन यह छूट 75 प्रतिशत की धनराशि से अधिक नही होगी।इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य वाहन स्वामियों को बार-बार कर भुगतान की प्रक्रिया से राहत देना है।सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि एक बार कर जमा कराए जाने और वाहन स्वामियों की समस्याओं के समाधान के लिए 20 व 21 फरवरी को संभागीय परिवहन कार्यालय में परिवहन मेला का आयोजन किया जा रहा है।उन्होने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वह अपने वाहन का एक बार मे ही कर जमा कराकर लाभ उठाएं।

सिर्फ दस्तावेज नहीं, लोगों की उम्मीदों का संकल्प है बजट

ललितपुर (वीओएल)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में सदर ललितपुर के विधायक रामरतन कुशवाहा ने प्रभावशाली और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वक्तव्य देते हुए ललितपुर एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती के

- सड़क, सेतु, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती विकास पर सरकार से ठोस कदमों की मांग
- इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना, युवाओं की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की रखी मांग
- सदन में छाया ललितपुर एजेंड

साथ सदन के केंद्र में ला दिया। उनके भाषण ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब सीमावर्ती क्षेत्रों की आवाज विधानसभा में और अधिक ताकत के साथ गूंज रही है।विधायक ने कहा कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों और विकास का संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार व्यक्त करते हुए बजट को समग्र विकास का रोडमैप बताया।

बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुये विधायक रामरतन ने कहा कि ललितपुर आखिरी जिला नहीं, उत्तर प्रदेश का मुख्य प्रवेश द्वार है। सदन में बोलते हुए विधायक ने कहा कि ललितपुर को सीमावर्ती नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद के रूप में देखा जाना चाहिए।

मध्यप्रदेश से लगी सीमाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने क्षेत्रीय विकास को प्रदेश की प्रगति से सीधे जोड़कर प्रस्तुत किया।वही विधायक ने विकास का मजबूत एजेंडा पर सड़क, सेतु और कनेक्टिविटी पर फोकस करते हुए विधायक ने बजट में सड़क एवं सेतु निर्माण के लिए हुई बड़ी वित्तीय व्यवस्था का स्वागत करते हुए सदन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।जिसमें मुख्य मांगों में जखौरा-तालबेहट संपर्क मार्ग का उच्चीकरण, दैलवारा से अमरपुर मंडी तक हाईवे कनेक्टिविटी, रेलवे स्टेशन दैलवारा पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण, ललितपुर नगर में इनर रिंग रोड का निर्माण, जिससे देवगढ़, राजघाट एवं जखौरा मार्ग सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग 44 से जुड़ सकें, शहजाद नदी पर पंचमुखी हनुमान मंदिर, बार बांसी

मार्ग और पारौन हजारिया मार्ग (किमी-3) पर तीन दीर्घ सेतुओं का निर्माण की मांग रखीं।सदन में क्षेत्रीय सम्मान और गौरव को ध्यान में रखते हुए विधायक ने महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे, जिनमें देवगढ़ मार्ग पर सेतु निगम द्वारा निर्मित रेलवे ओवरब्रिज का नाम महाराजा छत्रसाल सेतु, रखा जाए, शहजाद नदी पर निमार्णाधीन दीर्घ सेतु का नाम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सेतु रखा जाए। इन प्रस्तावों को क्षेत्रीय इतिहास और राष्ट्रीय नेतृत्व को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

शिक्षा, तकनीकी संस्थान और युवाओं पर विशेष जोर देते हुये विधायक ने कहा कि सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विकासखंड तालबेहट की ग्राम पंचायत पूरा कला में राजकीय इंटर कॉलेज की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। विधायक रामरतन ने ललितपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना, युवाओं की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापनाअपने संबोधन में विधायक ने करकरावल कॉरिडोर, देवगढ़ किला, दशावतार मंदिर, बेतवा तट, गोविंद सागर बांध, राजघाट बांध क्षेत्र एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर को जोड़कर बुंदेलखंड धार्मिक एवं विरासत पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह प्रस्ताव क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। फुलावन, पठारी एवं रमपुरा कठवर सहित लगभग 20 ग्रामों के पास भव्य राज्य प्रवेश द्वार बनाए जाने की मांग रखते हुए विधायक जी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक बनेगा।विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के निर्देशन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बुंदेलखंड अब विकास और समृद्धि की नई पहचान बनेगा।

पारेषण कार्य के कारण बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

बहराइच ।उप खण्ड अधिकारी फखरपुर ने बताया कि बेहतर विद्युत आपूर्ति के दृष्टिगत 18 फरवरी 2026 को 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र, फखरपुर में 11 के.वी. नये वी.सी.बी. का स्थापना होना प्रस्तावित है। जिसके कारण 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र, फखरपुर में निर्गत फीडर की विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक बाधित रहेगी। उन्होंने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था पूर्व से ही कर करने की अपेक्षा की है।

भारत की कार डिप्लोमेसी

अतिथि देवो भव की भारतीय परंपरा किसी से भी छिपी नहीं है। भारत में अतिथि को भगवान माना जाता है और तदनुरूप उसका स्वागत -सत्कार किया जाता है। घर आए शत्रु को भी ऊंचा पीढ़ा देने का यहां चलन रहा है। वैदिक काल से आज तक अतिथि सत्कार की परंपरा यहां बदस्तूर कायम हैं। यह और बात है कि अतिथियों को सम्मान देने की परंपरा का कभी-कभी कुछ देशों ने नाजायज फायदा भी उठाया है लेकिन भारत ने कभी न तो अपना स्वभाव बदला और न ही संस्कार। वर्षों की गुलामी भी झेली लेकिन अतिथि संस्कार की अपनी रीति-नीति में कोई परिवर्तन नहीं आने दिया। संत न छोड़य संतई कोटिक मिलय असंत। मलय भुअंगहि बेधिया शीतलता न तजंत। भारत का सुस्पष्ट माननारहा है कि अगर कोई अपना स्वभाव नहीं छोड़ रहा तो उसे क्यों अपना स्वभाव बदलना चाहिए। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत-चीन भाई- भाई का नारा दिया था लेकिन चीन ने उस पर युद्ध थोपने का काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत और पाकि स्तान के बीच स्थायी शांति के लिए आगरा में नवाज शरीफ और परवेज मुशर्रफ के साथ शिखर वार्ता की थी। लाहौर तक बस लेकर यात्रा की थी लेकिन इसका हासिल क्या रहा। पाकिस्तान ने भारत की पीठ में छुरा भोंकने का काम किया। कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने की कोशिश की और भारत को उसके साथ कारगिल युद्ध लड़ना पड़ा। इस विश्वासघात के सदमे से अटल बिहारी वाजपेयी अपने जीवन के अंत तक उबर नहीं पाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अतिथि प्रेम तो पूरी दुनिया के लिए मिसाल है। जो भी प्रधानमंत्री से मिलता है, उनके स्नेह का कायल हुए बिना नहीं रहता। उन्हें पता है कि सम्मान के बीज बोकर ही सम्मान की फसल काटी जा सकती है। कांग्रेस

के साथी आज भी पीएम मोदी को शी जिनपिंग को झूला झुलाने का उलाहना देते हैं। अगर चीन ने डोकलाम न किया होता तो शायद यह दोस्ती पूरी दुनिया के लिए मिसाल होती। वैसे जितना सम्मान उन्होंने बराक ओबामा को दिया, उतना ही सम्मान डोनाल्ड ट्रंप को भी दिया लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर बेवजह अैरिफ बम फोड़कर अपनी दोस्ती को लांछित किया। यह जानते हुएभी कि भारत विरोध उनकेगली की हड्डी बन सकता है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन की कार में वे अगर चीन में बैठे तो भारत में उन्होंने अपनी कार में बैठाकर पुतिन से वार्ता की। उस कार में ही उन्होंने कूटनीतिक और व्यापारिक वार्ता करली और दुनिया को पता भी न चला कि कार डिप्लोमेसी के तहत पीएम मोदी ने कौनसा दांव चल दिया। बात यहीं तक सीमित नहीं रही। भारत में जिस किसी भी देश के राष्ट्राध्यक्ष आए, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत किया। उन्हें गले से लगाया। यूरोपीय यूनियन के देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिलसारिताऔर आवभगत को देखते हुए तकरीन शून्य टैरिफ पर व्यापार करनेकी सहूलियत दी। जार्डन के क्राउन प्रिंस भी मोदी की कार में सवार हुए। इन नेताओं की कारें कहीं ज्यादा सुरक्षित औरसुविधा संपन्न हैं लेकिन प्रेम के आगे सारा जहान झुकता है। नरेंद्र मोदी ने इसबात को साबित कर दिखाया। यही वजह है कि ट्रंप को भी भारत के साथ समझौता करने पर विवश होना पड़ा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो भारत में हैं। वे भी नरेंद्र मोदी की कार में बैठे। इसदौरान भारत फ्रांस रक्षा समझौते की अवधि दस साल और बढ़ाने पर भी सहमति बनी। भारत दिल से सोचता है जबकि दुनियाके बाकी देश दिमाग से सोचते हैं। भारत संवाद और सहयोग की परंपरा को बनाए रखनाचाहता है लेकिन नवाचार में वह किसी से भी पीछे नहीं रहना चाहता। कार डिप्लोमेसी पर विपक्षी दलों को ऐतराज हो सकता है लेकिन भारत के समग्र विकासके लिए दुनिया के देशों के साथ मिलकर चलना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को बखूबी जानते और समझते हैं देश विश्वगुरु बननेकी ओर अग्रसर है और इसके लिए हमें दुनिया का साथभी चाहिए और विश्वास भी। अगर पुतिन जैसे राष्ट्राध्यक्षअपनी परमाणु क्षमतासे लैसकार छोड़कर मोदी कीकार में बैठ सकते हैं तो यह उनकाभारत और अपने मित्र मोदी पर अतिशय विश्वास ही है। यह विश्वास बना रहना चाहिए।

विचार

इस जगत में कोई संबंध नित्य नहीं है, अपनी देहका भीनहीं। तब स्त्री-पुरुषका साथ सदा नहीं रहेगा, यह क्या कहने की आवश्यकता है?

- महर्षि वेदव्यास.

अहिंसा में इतनी ताकत है कि वह विरोधियों को मित्र बना लेती है और उनका प्रेम प्राप्त कर लेती है।

- महात्मा गांधी.

जो मेरा धन चुराता है वो मेरी सबसे तुच्छ वस्तु ले जाता है।

- शेक्सपियर.

जो जीवों की हिंसा करता है, वह आर्य नहीं होता, सभी जीवों के प्रति अहिंसा का भाव रखने वाला ही आर्य कहलाता है।

- गौतम बुद्ध.

जिस कर्म में भोगने की कामना होती है, जो अहंकार से किया जाता है तथा जो बहुत प्रयास से होता है, वह राजस कर्म है।

- गीता.

विकसित भारत का कैसा हो रोडमैप

लोकमित्र

भारत ने साल 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया है। यह केवल आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य नहीं है बल्कि ज्ञान-आधारित, तकनीक-समर्थ और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना की है। इस लक्ष्य को पाने में निःसंदेह विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका होगी। इसलिए साल 2026 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम, विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार तय किया गया है। वास्तव में यह थीम हमें इस दिशा में सोचने का मौका देती है कि आखिर अगले 21 सालों के लिए हमारा वैज्ञानिक रोड मैप क्या रहेगा?

भारत इस समय अनुसंधान एवं विकास पर हर साल अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.7 से 0.8 फीसदी खर्च करता है, जबकि विकसित देश ठीक इसी समय 2 से 4 फीसदी तक अपने कुल जीडीपी का खर्च करते हैं। इन विकसित देशों से सबक सीखते हुए भारत को भी अगले 21 सालों तक अनुसंधान एवं विकास पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 से 3 फीसदी तक खर्च करना होगा। भले शुरू में इस निवेश को 1 प्रतिशत तक ही बढ़ाया जाए, पर धीरे-धीरे इसे 2047 तक बढ़ाकर जीडीपी का कुल 3 फीसदी तक करना होगा। इसके लिए जरूरी है कि भारत अब अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में न सिर्फ निजी निवेश को प्रोत्साहित करे बल्कि सुनिश्चित होना चाहिए कि यह निवेश किसी भी कीमत पर 50 फीसदी से कम न हो। क्योंकि दुनिया में जितने भी विकसित राष्ट्र हैं, वहां निजी क्षेत्र अनुसंधान और विकास पर कुल खर्च के 50 फीसदी से ज्यादा खर्च करता है। इसके अलावा विकसित राष्ट्र बनने के लिए जरूरी है कि हम विश्वविद्यालय आधार शोध को सीधे उद्योग से जोड़ें। इसके लिए राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एनआरएफ) जैसे संस्थानों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वतंत्रता देनी होगी।

> विकसित देशों से सबक लेते हुए भारत को भी अगले 21 साल तक अनुसंधान और विकास पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक से तीन फीसद तक खर्च करना होगा। इसके लिए जरूरी है कि भारत अब अनुसंधान और विकासके क्षेत्र में न केवल निजी निवेश को प्रोत्साहित करे बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि यह निवेश किसी भी कीमत पर पचास प्रतिशत से कम न हो।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में करना होगा वैश्विक नेतृत्व

भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने चंद्रयान और अद्वितीय मिशन ने भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीयता से स्थापित किया है और साल 2047 तक हमारा लक्ष्य है कि हम मानव अंतरिक्ष मिशन की नियमित उड़ानें भरें। आज निजी स्पेस स्टार्टअप्स में 8 से 10 फीसदी का वैश्विक बाजार है।

सामयिक चिंतन

सैटेलाइट आधारित कृषि, आपदा और शिक्षा सेवाओं के विस्तार हेतु यह बहुत जरूरी है। सरकार को चाहिए कि वह संचार, मौसम और पूर्वानुमान जैसे मामलों में रक्षा-सुरक्षा के आधार को बढ़ाए।

डिजिटल युग में सेमी कंडक्टर चिप्स, नई तेल अर्थव्यवस्था का रूप ले चुके हैं। भारत में साल 2023 से 2025 के बीच सेमिकंडक्टर विनिर्माण के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं और अगले चार सालों में यानी 2030 तक हम कम से कम दो या तीन फैब प्लांट बनाना चाहेंगे। चिप डिजाइन में भारतीय स्टार्टअप का इस दौरान विस्तार होगा तथा रक्षा और आटोमोबाइल के क्षेत्र में स्वदेशी चिप हासिल होंगे। लेकिन अगर चिप उत्पादन में हम आत्मनिर्भर नहीं हो सके, तो डिजिटल भारत की कल्पना अधूरी रह जायेगी।

कोविड-19 महामारी ने सिखाया है कि वैक्सीन और दवा अनुसंधान में आत्मनिर्भरता कितनी जरूरी है।

गौरतलब है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन उत्पादकों में से एक है। इसलिए जरूरी है कि भारत साल 2047 के लिए जीन एडिटिंग और प्रिसीजर मेडिसिन में अग्रणी भूमिका निभाए। कैंसर, डायबिटीज और दुर्लभ रोगों पर ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी शोधों और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म का निर्माण हो। इस सबके बिना हम 2026 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखें। तभी हम भारत को वैज्ञानिक रोड मैप प्रदान कर सकते हैं। क्योंकि बिना ग्रामीण स्वास्थ्य बेहतर बनाए और पूरे देश में डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म निर्मित किए भारत अगले 21 सालों में विकसित देश नहीं बन सकता।

भारत को साल 2047 तक दुनिया के प्रमुख विकसित देशों में शामिल होना है, तो हमें अपने नेट जीरो कार्बन के लक्ष्य को हर हालत में हासिल करना होगा। इसके लिए भारत को अगले 21 सालों में कई मील के पत्थर तय करने हैं, जिसका पहला ये है कि हमें अगले 21 सालों में अपनी कुल ऊर्जा खपत में से 60 से 70 फीसदी का नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर इसी दौरान हमें ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए भी वैश्विक हब बनना पड़ेगा। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का 80 फीसदी शहरी परिवहन में उपलब्ध करना होगा तथा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बैटरी स्टोरेज टेक्नोलॉजी में अनुसंधान को आज के मुकाबले 200 फीसदी से ज्यादा बढ़ाना होगा, तभी साल 2047 में हम विकसित भारत का सपना देख सकते हैं। हां, इन सब क्षेत्रों में तेल, अनुसंधान और भारी निवेश तब तक भारत को महत्वपूर्ण विकसित देश नहीं बना पाएंगे, जब तक हम कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक क्रांति 2.0 नहीं करेंगे। भारत की 45 फीसदी से ज्यादा आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है, लेकिन यह निर्भरता विकसित देश हमें तभी बनायेगी, जब मौजूदा हरित क्रांति की जगह स्मार्ट कृषि क्रांति लेगी। इसके लिए ड्रोन आधारित फसलों की निगरानी शुरू करनी होगी, जल संरक्षण तकनीक को बढ़ावा देना होगा और क्लाइमेट रेजिलिएंट बीज इस्तेमाल करने होंगे। साथ ही कृषि तकनीक स्टार्टअप को ग्रामीण युवाओं से जोड़ना होगा।

वैज्ञानिक रोड मैप केवल प्रयोगशालाओं से नहीं बनता। स्कूल के स्तर पर हमें अटल टिंकरिंग लैब का विस्तार करना होगा। स्टैम शिक्षा में स्थानीय भाषाओं का उपयोग करना होगा तथा रिसर्च इंटर्नशिप संस्कृति बढ़ानी होगी। संविधान के अनुसार वैज्ञानिक शोध विकसित करना, सिर्फ सरकार का नहीं, हर नागरिक का दायित्व है। इसलिए देश के हर नागरिक को इस दिशा में प्रयास करना होगा।

एआई रोबोटिक और क्वांटम कंप्यूटिंग आने वाले दशकों की निर्यातक तकनीक हैं। हमें इसके लिए एक स्पष्ट रोड मैप बनाना होगा। साइबर सुरक्षा अनुसंधान में खास तौरपर निवेश करना होगा। साथ ही एआई को रोजगार के सृजन से जोड़ना होगा, न कि केवल ऑटोमेशन से। अगर भारत को साल 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो विज्ञान आधारित रोड मैप बनाना होगा और यह सिर्फ सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। इसलिए जरूरी है कि हम उद्योग जगत, विश्वविद्यालय, स्टार्टअप और आम नागरिकों आदि को इस रोड मैप के साथ जोड़ें और यह तभी संभव होगा, जब भारत आने वाले वर्षों में अनुसंधान के क्षेत्र में निवेश को बढ़ायेगा तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देगा। इसी से नई वैज्ञानिक संस्कृति, सामाजिक आंदोलन का रूप लेगी और भारत अपने स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में एक विकसित भारत के रूप में दुनिया के सामने मौजूद होगा। रिसर्च एंड डेवलपमेंट निवेश को जीडीपी के 3 फीसदी तक बढ़ाना होगा। 2 से 3 सेमीकंडक्टर फैब प्लांट विकसित करने होंगे। 60 फीसदी से अधिक ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से हासिल करनी होगी। मानव अंतरिक्ष मिशन नियमित संचालित करने होंगे। एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लायक बनना होगा।

सोशल मीडिया

भारत एवरेस्ट तक उड़ान भरने वाला दुनियाकापहला विमान बनाएगा। भारत फ्रांस की दोस्ती और मजबूत होगीं।

नरेंद्र मोदी.

सरकार हर मोर्चे पर विफल है। उसके पास विकास काकोई विजन नहीं है, वह केवल सपा की योजनाओं के सहारे ही अपनी वाहवाही कर रही है।

अखिलेश यादव.

पिछली सरकारों में देशकी अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी लेकिन हमारी सरकार में उत्तरप्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है

योगी आदित्यनाथ.

समुद्री जीवों को मौत की नींद सुलाता मनुष्य कितना सुरक्षित

सामयिक

कुछ महीने पहले ओड़िशा में ओलिव रिंडले कछुओं की एक खास प्रजाति द्वारा समुद्र से बाहर आकर रेतीले मैदानों में बड़ी संख्या में अंडे देने की घटनाओं को पर्यावरणविदों ने एक अच्छी खबर बताया था। हमारे देश में बाघों की बढ़ती संख्या भी एक अच्छी खबर है, लेकिन इस सबसे बहुत खुश होने की भी जरूरत नहीं है। क्योंकि कुछ समय पहले चेन्नई में लोगों ने समुद्र तट के आसपास 1000 से भी ज्यादा मृत कछुओं के पाये जाने की पुष्टि की तो उनकी मौत को रहस्यमयी माना गया। एक अनुमान के अनुसार शायद उन सबकी मौत दम घुटने से हुई थी। हमारे देश के किसी भी समुद्र तट का जायजा लिया जाए तो आपको कहीं भी साफ-सुथरे समुद्र तट देखने को नहीं मिलेंगे। मुंबई जैसे महानगर में तो समुद्र तट ही नहीं बल्कि समुद्र भी प्लास्टिक कचरे से अटे पड़े हैं। हमारे समुद्र में प्लास्टिक कचरे के अलावा और भी बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जो समुद्री जल जीवों के लिए मौत का सामान साबित हो रही हैं।

मछुआरों द्वारा फेंकी गई बेकार नायलॉन की रस्सियां जिन्हें लापरवाहीवश समुद्र के बीच में ही छोड़ दिया जाता है, यह कछुओं के लिए ही नहीं बल्कि दूसरे जलीय जीवों को भी नुकसान पहुंचा रही हैं। इनमें फंसकर वे अपने को मुक्त नहीं कर पाते और मर जाते हैं। इसके अलावा पर्यटकों द्वारा फेंकी गई प्लास्टिक की बोतलें और दूसरा कचरा भी समुद्री जल जीवों द्वारा पानी के माध्यम से उनके पेट में जा रहा है और उनकी असमय मौत हो रही है। दरअसल प्लास्टिक के बैग जब पानी पर तैरते हैं तो कछुए उन्हें जैली फिश समझकर इन्हें अपना शिकार बनाने के लिए मुंह खोलते हैं तो ये प्लास्टिक के बैग इनके शरीर में जाकर इन्हें धीरे-धीरे मौत की ओर ले जाते हैं। बहुत सारे समुद्री जीवों द्वारा पानी के ऊपर तैरता हुआ प्लास्टिक कचरा भी उनके लिए खतरनाक साबित हो रहा है, जो नालों, नदियों से होता हुआ सीधे समुद्र में जा रहा है। उनमें मानव द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले छोटे-छोटे शैम्पू पाउच से लेकर टूथ ब्रश और बोतलों के ढक्कन तक देखे जाते हैं। हमारे समुद्र प्लास्टिक के कचरे से भरे पड़े हैं। एक अनुमान के अनुसार प्रतिदिन समुद्र में 9 हजार ट्रक प्लास्टिक कचरा डाला जा रहा है। पर्यावरण विदों के लिए यह एक बड़ी चिंता का कारण है।

उन्होंने समुद्र में पांच ऐसे बड़े कचरों के भंडार चिन्हित किये हैं, जहां पर सबसे ज्यादा कचरा इकट्ठा होता है। इनमें सबसे बड़ा ग्रेट पैसेफिक गार्बेज स्थल है, जो हवाई के उत्तर में है, जिसका क्षेत्रफल लगभग भारत के आकार से आधा ही होगा। इस प्लास्टिक कचरे में सबसे ज्यादा प्लास्टिक के बैग, बोतल के ढक्कन, पानी की बोतलें और फूड पैकेजिंग होती हैं। आजकल प्लास्टिक का इस्तेमाल जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है। लेकिन पिछले दो दशकों में दुनियावी स्तर पर प्लास्टिक के इस्तेमाल में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आज 460 एमएन टन प्लास्टिक का उत्पादन हर साल होता है, जिनमें से दो तिहाई हिस्सा सिंगल यूज प्लास्टिक का होता है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार 2060 तक प्लास्टिक के उत्पादन में लगभग तिगनी वृद्धि हो जायेगी। 98 प्रतिशत प्लास्टिक पैट्रो कैमिकल से बनाया जाता है, जिसमें ऑयल, गैस और कोयला शामिल होता है। चूंकि यह सस्ता होता है और सिंगल यूज प्लास्टिक भी धरती की सेहत के लिए और भी खतरनाक साबित हो रहा है। प्लास्टिक हमारी प्रकृति के लिए बेहद खतरनाक है, इसके बावजूद इसके उपयोग में कहीं कोई कमी नहीं आ रही। प्लास्टिक को रिसाइकिल करना भी मुश्किल होता है और रिसाइकिल के बाद इसकी गुणवत्ता भी खराब हो जाती है। उस खराब क्वालिटी का प्लास्टिक आसानी से टिकता नहीं है। केवल रिसाइकिल किया हुआ प्लास्टिक का केवल 9 प्रतिशत हिस्सा ही इस्तेमाल में आता है और प्लास्टिक जैसा कि हम सभी जानते हैं कि डी-कपोस्ट नहीं होता। माइक्रो प्लास्टिक भी समुद्रीय जीवों के लिए मौत का सामान साबित हो रहा है। प्लैंकटन से लेकर व्हेल मछली तक के शरीर में प्लास्टिक अपनी घुसपैठ कर चुका है। यह जलीय जीवों के लिए ही नहीं बल्कि हमारे लिए भी बेहद खतरनाक है। दुनिया में सबसे ज्यादा चीन द्वारा प्लास्टिक उत्पादित किया जाता है, उसके बाद अमेरिका और यूरोप दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन भारत प्लास्टिक वेस्ट उत्पादित करने में सबसे आगे है।

भारत प्रतिवर्ष 9.3 एमएन टन प्लास्टिक कचरा पैदा कर रहा है। भारत ने नाइजीरिया और चीन को भी बहुत पीछे छोड़ दिया है। **वीना गौतम**

आत्मा का बोध ही संन्यास

जीवन को आत्म-अज्ञान के बिंदु से देखना संसार है। आत्मज्ञान के बिंदु से देखना संन्यास है। इसलिए जब कोई कहता है कि मैंने संन्यास लिया है, तो मुझे बात बड़ी असत्य मालूम होती है। यह लिया हुआ संन्यास ही संसार के विरोध की भ्रांति पैदा कर देता है। संन्यास भी क्या लिया जा सकता है? क्या कोई कहेगा कि ज्ञान मैंने लिया है? लिया हुआ ज्ञान भी क्या कोई ज्ञान होगा? ऐसा ही लिया हुआ संन्यास भी, संन्यास नहीं होता है। सत्य ओढ़े नहीं जाते हैं। उन्हें तुम्हारे भीतर जगाना होता है। संन्यास का जन्म होता है। वह समझ से आता है। उस समझ से हम परिवर्तित होते जाते हैं। जैसे-जैसे हमारी समझ बदलती है, हमारी दृष्टि बदलती है और अनायास ही आचरण भी बदल जाता है। संसार जहां का तहां होता है, पर हमारे भीतर संन्यास का जन्म होता जाता है। संन्यास का अर्थ है यह बोध कि मैं शरीर ही नहीं हूं, आत्मा हूं। इस बोध के साथ ही भीतर आसक्ति और अज्ञान नहीं रह जाता है। संसार बाहर था, अब भी वह बाहर होगा, पर भीतर उसके प्रति रागशून्यता होगी, या यूं कहें कि संसार अब भीतर नहीं होगा। यहां जो भी घट रहा है वह तुम्हारा निर्णय है। अगर तुम संन्यासी हो तो यहतुम्हारा निर्णय है। अगर तुम संन्यास छोड़ते हो तो यह तुम्हारा निर्णय है। अगर तुम फिर से लेना चाहते हो तो भी वह निर्णय तुम्हारा ही होगा। मैं सब कुछ तुम पर छोड़ता हूं। संन्यास आंदोलन का अर्थ हैः सत्य के खोजियों का आंदोलन। और आंदोलन एक बहाव है, वही उसका अर्थ है। वह बहता रहता है, विकसित होता है। जो भी बाह्य है उसे छोड़नेकी मैं भरसक कोशिश कर रहा हूं ताकि सिर्फ आंतरिक रह जाए, जिसका तुम अन्वेषण कर सको। संन्यास आंदोलन न मेरा है न तुम्हारा है। वह तब था जब मैं यहां नहीं था। मैं जब नहीं रहूंगा तब भी यहरहेगा। संन्यास आंदोलन का इतना ही मतलब है, सत्य के खोजियों की धारा। वे यहां सदा से रहे हैं। अगर आप ऐसे खोजी हैं तो तैयार हो जाएं स्वयं को यह अहसास दिलाने के लिए कि आप निश्चित ही एक संन्यासी हैं और इस आगे की प्रक्रिया को पूरा करें। बिना किसी बाहरी सहायता के। संन्यास में हमने एंट्रेंस तो रखा है, एक्जिट नहीं रखा है। उसमें भीतर जा सकते हैं, बाहर नहीं आ सकते। और ऐसा स्वर्ग भी नरक हो जाता है जिसमें बाहर लौटने का दरवाजा न हो। वह परतंत्रता बन जाता है, कारागृह हो जाता है। कोई संन्यासी लौटना चाहे तो कोई क्या कर सकता है? वह लौट सकता है लेकिन आप उसकी निंदा करते हैं, अपमान करते हैं। कंडेमनेशन है उसके पीछे। - **ओशो**

अंतर्दृष्टि

सत्ता बिना मेरा सब कुछ सूना

व्यंग्यलोक

सभी राजनीतिक दलों को इस समय एक ही चिन्ता सता रही है कि उन्हें सत्ता में आने दो। बिना सत्ता में आये वे कुछ नहीं कर सकते हैं। सत्ता ही समाधान की ऐसी सीढ़ी है जिसके द्वारा जन कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। वे अपने इर्द-गिर्द खड़ी भीड़ को हटाते हुए यही तो कह रहे हैं कि सामने से हट जाओ और उन्हें सत्ता में आने दो। वे सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं। सत्ता उनका ईमान और धर्म है। सत्ता उनके जीवन का आदर्श और अंतिम लक्ष्य है। वे सत्ता में आने वाले तमाम रोड़ों-अड़चनों को राजी-बेराजी, साम, दाम, दण्ड और भेद की नीति से हटाने को पूर्णतया तत्पर हैं। सत्ता जीवन का सत्य और चरम है। तभी तो वे कुछ कर पायेंगे। मसलन परिवारजनों को नौकरी, ठेका, परमिट, लाइसेंस देना है तो अपनी सात पीढ़ियों के लिए माकूल प्रबन्ध भी करके जाना है ताकि उन्हें भीख का कटोरा हाथ में न लेना पड़े। सत्ता में शरीर फूल कर कुप्पा हो जाता है। गोल-मटोल चेहरे पर छोटी-छोटी दो आँखें गिद्ध दृष्टि से भी ज्यादा तेज और चालाक हो जाती हैं। सत्ता से मोतियाबिन्द नहीं होता। तमाम रोग बिना सत्ता के होते हैं, इसलिए वे सत्ता को चाहते हैं। इसके लिए वे बार-बार अन्तरात्मा की आवाज पर दल बदलते हैं। सिद्धान्तों को धूल चटाते हैं और खुद थूक कर चाटते हैं। उन्हें सत्ता का इतना जबरदस्त फोबिया है कि वे हार जाने पर भी राजनीति नहीं छोड़ते। यही क्यों बात-बात में राजनीति करना उनकी आदत है।

झूठ, आश्वासन और झाँसों के सहारे वे अपने को यहाँ तक ले आये हैं, सत्ता की ही देन है कि उनके पास भौतिक सुख सुविधाओं का अथाह भंडार है। कई फैक्ट्रियाँ, कई होटल, बड़े-बड़े शहरों में विशाल कोठियाँ और फार्म हाउस। उनके बच्चे महँगे स्कूलों में पढ़ते हैं, कारों में घूमते हैं तथा विदेशों में सैर सपाटे को जाते हैं। वे खुद भी हवाई जहाजों में घूमते हैं तथा सर्वोच्च शिखर पर बने रह कर देश को धोखेबाजी का अपना ताण्डव दिखाते हैं। उनका पूरा जीवन पाखण्ड और छलावे से भरा है। यह सब चलता रहे, इसलिए उन्हें सत्ता में आने दो। उनका कहना है कि वे वर्षों तक विपक्ष में बैठ कर गाल बजाते रहे और दाँत पीसते रहे, इसलिए भी अब उन्हें सत्ता में आने दो सत्ता में वे क्यों नहीं आयें, उन्होंने अपने दल में अब बेधड़क निर्भीकता से सबको घुसा लिया है। चाहे वे उनकी विचारधारा के हैं या नहीं। उनका विचार सिर्फ इतना-सा है कि सत्ता उनसे कहीं दूर नहीं चली जाये। इसलिए वे बेमेल गठबंधन और समझौतों पर समझौता मात्र सत्ता के लिए किये चले जा रहे हैं। इसलिए भी उन्हें सत्ता में आने दो।

पूरन शर्मा.

आप की बात

सागरों को न बनायें कचरा गोदाम

प्लास्टिक प्रदूषण के कारण हमारे समुद्र जो धीरे-धीरे मर रहे हैं, यह एक गंभीर पर्यावरणीय संकट है। हर साल 8 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा अगर इसी गति से समुद्र में जाता रहा तो 2050 तक समुद्र में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक कचरा ही होगा। समुद्र में समूचा प्लास्टिक कचरा ही नहीं बल्कि माइक्रो प्लास्टिक का जो अदृश्य जहर है, यह भी समुद्री जीवों को खत्म कर रहा है। यह उन्हें तो नुकसान पहुंचा ही रहा है, उन मछलियों के माध्यम से इंसान तक भी पहुंच रहा है।

प्लास्टिक कोरल रीफ के लिए भी उतना ही घातक साबित हो रहा है। यह समुद्र के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह से बिगाड़ रहा है। यह माइक्रो प्लास्टिक महासागरों की कार्बनडाइऑक्साइड सोखने की ताकत को खत्म कर रहा है और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने के खतरे और गहरे हो रहे हैं। अटलांटिक महासागर में प्लास्टिक की कितनी ज्यादा मात्रा जमा हो गई है कि वह जहाजों के लिए खतरा बन गया है, जिसे द ग्रेट पैसिफिक गार्बेज कहा जाता है। समुद्र में प्लास्टिक कचरे का 80 प्रतिशत हिस्सा नदियों, नालों के जरिये आता है। इसके अलावा जहाजों से फेंका गया कचरा और मछली पकड़ने की गतिविधियां भी समुद्र में प्लास्टिक कचरे को बढ़ा रही हैं। समुद्र तटों पर घूमने वाले पर्यटक अपने पर्यावरण की चिंता किए बगैर वहां कचरे का ढेर लगा देते हैं। इस तरह अगर हमने सिंगल यूज प्लास्टिक को अपने जीवन से दूर नहीं किया तो वो दिन दूर नहीं जब हमारे समुद्र भी जीवनहीन हो जाएंगे।

दिनेश कुमार गुप्ता, लखनऊ.

तेजी से बढ़ी आर्थिक विषमता

देश में तेज आर्थिक प्रगति के बावजूद संसाधनों का न्यायिक बंटवारा न होने के कारण आर्थिक विषमता भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है और कोरोना काल में यह और जटिल हुई है क्योंकि तमाम गरीब जो औपचारिक रूप से किसी रोजी-रोजगार से जुड़े थे वह खत्म हो गये। इससे गरीबी बढ़ी है और गरीबों का जीवन और कठिन हो गया है। अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई समाज में अनेक तरह की विषमता उत्पन्न कर रही है। दुनिया की संपत्तियां कुछ हाथों में सिकुड़ती जा रही हैं और विकास के लाभ आमजन तक नहीं पहुंच रहे हैं। विश्व में आर्थिक विषमता का बढ़ना चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। धन के असमान वितरण से स्थिति भयावह होती जा रही है।

विश्व में केवल दो प्रतिशत अमीरों के पास विश्व की आधी से अधिक सम्पत्ति है। विश्व के केवल एक प्रतिशत लोग विश्व की चालीस प्रतिशत सम्पत्ति पर कब्जा जमाये हुए हैं। विश्व की नब्बे प्रतिशत आबादी के हिस्से में कुल सम्पत्ति का सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही हिस्सा है। सम्पत्ति के मामले में बढ़ रही असमानता से गरीबों का जीवनस्तर गिरावट की ओर अग्रसर है। जमीन, जायदाद, मकान, वित्तीय सम्पत्तियां कुछ खास तबकों के पास सिमटी चली जा रही है।

विकासशील देशों में आम जनता को आर्थिक असमानता से ज्यादा नुकसान हो रहा है। एक तरफ कुछ लोगों की सम्पन्नता का बढ़ना आम आदमी के लिए ही कष्टकारी होता जा रहा है। दुनिया में गैर बराबरी का बढ़ना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। इसकी रोकथाम के लिए सरकारों को ठोस पहल करनी होगी।

आज एक आदमी के लिए जीवन यापन कठिन होता जा रहा है जबकि मोटे पैकेज की बाढ़ है। यह बात सिर्फ निजी क्षेत्र में नहीं बल्किसरकारी क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है। सरकारी क्षेत्र में मोट वेतन दिये जा रहे हैं और स्टॉफ घटाये जा रहे हैं। जबकि वेतन सीमित करके कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

इसलिए सरकारों को वेतन आयोग की रिपोर्टों को कूड़े के ढेर में फेंककर अधिक से अधिक लोगों को नियोजित करने का प्रयास करना चाहिए। इससे विषमता घटेगी।

महेन्द्र कुमार यादव, लखनऊ.

संक्षेप

मेहदौना में जश्न-ए-दस्तारबंदी का आयोजन

मिल्कीपुर-अयोध्या। ग्राम पंचायत मेहदौना में जश्ने दस्तारबंदी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मदरसा इस्लामिया रिजिविया दारुल कुरान के प्रांगण में आयोजित हुआ, जहां चार बच्चों को हाफिज-ए-कुरान की उपाधि से नवाजा गया। मदरसे के प्रिंसिपल मौलाना रफीक ने बताया कि जिन चार बच्चों की दस्तारबंदी की गई, उनमें हाफिज सिराज अहमद (निवासी मेहदौना), हाफिज कैफ (निवासी अरुवावां), हाफिज फैसल (निवासी गोंडा) और हाफिज हसनैन (निवासी मेहदौना) शामिल हैं। इस अवसर पर एक विशाल जलसे का भी आयोजन किया गया। उलेमाओं ने लोगों के बीच खिताब फरमाए, तकरीरें दीं और नात शरीफ पढ़ीं। दस्तारबंदी कार्यक्रम का संचालन कारी असरारउल कादरी ने किया, जबकि अध्यक्षता कारी अब्दुल कुद्दूस ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सैयद गयासे मिल्लत कल्कि शरीफ और विशिष्ट अतिथि मुमताज टांडवी मौजूद रहे। नात ख्वाह अख्तर काशिफ, मौलाना इलियास, मौलाना जुनैदुल कादरी, हाफिज सरफराज सहित कई अन्य उलेमाओं ने भी संबोधित किया।

प्रतिशोध में मारी गोली, घायल

जिला संवाददाता

- ईंट गांव मिल्कीपुर में फिर धधकी प्रतिशोध की ज्वाला
- गंभीर हालत में लखनऊ मेडिकल कॉलेज ट्रामा सेंटर रेफर
- चाचा व दो भतीजों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

मिल्कीपुर-अयोध्या,। इनायत नगर थाना क्षेत्र स्थित ईंट गांव में 16 वर्ष बाद एक बार फिर प्रतिशोध की ज्वाला धधक उठी है। अपने पिता की हत्या का बदला चुकाने की नीयत से पिता के हत्यारोपी को गोली मारे जाने का मामला प्रकाश में आया है। जहां ईंट गांव निवासी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य पद प्रत्याशी संजय सिंह को सरेराह अवैध असलहे से गोली मारी गई है।

गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल को इलाज के लिए राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। इनायत नगर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर गहन छानबीन शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईंट गांव निवासी संजय सिंह बीते सोमवार की रात्रि करीब 9.30 बजे मिल्कीपुर बाजार कस्बा निवासी उमाशंकर जायसवाल के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जहां से वह अपने घर वापस लौटने के लिए अपने वाहन चालक एवं युवक शुभम के साथ अपने स्कॉर्पियो वाहन के पास पहुंचे ही थे कि उन्हें अचानक दाहिने कंधे में गोली लग गई। जिससे वह घायल होकर सड़क पर ही गिर गए। इतने में ताबड़तोड़ दो फायर और किए गए। हालांकि हमलावरों द्वारा किए गए दोनों फायर उन्हें नहीं लग सके। घटना के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां गंभीर हालत देख डॉक्टरों द्वारा लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। मामले में मुकदमा कायम किए जाने हेतु घायल संजय सिंह ने मिल्कीपुर निवासी विपिन दुबे उर्फ विक्की एवं कुशल दुबे उर्फ अभय दुबे तथा गिरजा शंकर दुबे के खिलाफ मुकदमा कायम किए जाने हेतु तहरीर दी, जिसके आधार पर थानाध्यक्ष इनायत नगर रतन कुमार शर्मा ने उपरोक्त तीनों लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले की गंभीर आपराधिक धारा 109(1) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना में से दो आरोपियों विपिन दुबे उर्फ विक्की एवं कुशल दुबे उर्फ अभय दुबे को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हमले में प्रयुक्त 32 बोर की एक स्टील व एक लोहे की अवैध पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। वहीं दूसरी ओर घटना के बाद से गांव में पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल में तनाव घुला हुआ है।स्थानीय पुलिस भी पूरी तरह से घटना को लेकर सतर्क हो गई है और पीएससी सहित स्थानीय थाने की पुलिस फोर्स मिल्कीपुर से लेकर ईंट गांव तक ग्रस्त कर रही है।

सेवा फाउंडेशन आज निकालेगा जागरूकता यात्रा

अयोध्या। सेवा फाउंडेशन अयोध्या में एक भव्य आयोजन, जो पिछले 16 वर्षों से निरंतर और बिना किसी रुकावट के संचालित हो रहा है।

जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना, धार्मिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बेसहारा पशुओं के प्रति हो रहे उत्पीड़न के विषय में सकारात्मक सोच विकसित करना है। 18 फरवरी प्रातः 09.30 बजे इस यात्रा का पुनः 16वाँ आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से समाज के प्रत्येक नागरिक के हृदय में सेवा की भावना जागृत करने का सतत प्रयास किया जा रहा है। सेवा फाउंडेशन के संस्थापक सेवक देव शर्मा पिछले 16 वर्षों से निरंतर इस कार्य में समर्पित भाव से लगे हुए हैं।

अब तक लगभग 1000 से अधिक गौमाताओं का उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया जा चुका है, तथा प्रतिदिन संस्था के सभी सदस्य मिलकर लगभग 200 से अधिक बेसहारा पशुओं के लिए भोजन की व्यवस्था करते आ रहे हैं।

एआरटीओ कार्यालय पर 20 और 21 फरवरी लगेगा परिवहन मेला

बाराबंकी। वाहन स्वामियों को बार-बार भुगतान की जटिल एवं समय साध्य प्रक्रिया से राहत दिलाये जाने को लेकर 20 व 21 फरवरी 2026 को उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पर परिवहन मेला आयोजित किया जायेगा। जिसमे व्यवसायिक वाहन स्वामियों को बकाया कर भुगतान के लिए वन टाइम टैक्स सेटलमेंट की सुविधा मिलेगी। इस सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी देते हुये सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने परिवहन कर प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए एकमुश्त कर वन टाइम टैक्स व्यवस्था लागू कर दी है। नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए 20 और 21 फरवरी 2026 को प्रात 10 से 5 बजे तक एआरटीओ कार्यालय के सभागार मे परिवहन मेला आयोजित किया जाएगा। इसके तहत भाड़े या पारिश्रमिक पर चलने वाले दोपहिया वाहन, तिपहिया मोटर कैब, 10 लाख रुपये तक और 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मोटर कैब (तिपहिया को छोड़कर), मैक्सी कैब, निर्माण उपकरण व विशेष प्रयोजन वाहन, 3000 किग्रा तक और 3000 से 7500 किग्रा तक के माल वाहन और राज्य परिवहन उपक्रम के सार्वजनिक सेवा वाहन छूट का लाभ प्राप्त सकेगे।

पीटीओ ने किये 6 ओवरलोड सीज, अन्य अभियोगो में 29 चालान

बाराबंकी। रोड़ सेफ्टी का पालन सुनिश्चित कराये जाने को लेकर परिवहन विभाग द्वारा शुरू किये गये विशेष चेकिंग अभियान के अन्तर्गत ओवरलोड़, बकाया टैक्स, परमिट, फिटनेस, अनाधिकृत डग्गामार सहित प्राइवेट का कमर्शियल उपयोग करने वालो पर प्रवर्तन टीमो द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही

है। अभियान की जानकारी लेने पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अंकिता शुक्ला ने बताया आज मंगलवार को यात्री मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी की टीम ने 6 ओवरलोड़, बकाया टैक्स, फिटनेस मिलने पर वाहनो को सीज किया। तथा अन्य अभियोगो मे 29 चालान किये। तो वही कुर्सी रोड पर ई-ऑटो पर निर्धारित संख्या से अधिक यात्री ले जाने की शिकायत मिलने पर दर्जनो की संख्या मे चालको पर जुमार्ना लगाया।

सहायक पम्प ऑपरेटर को चेयरमैन ने किया निलंबित

गोसाईंगंज-अयोध्या। गोसाईंगंज नगर पंचायत में सहायक पम्प आपरेटर को चेयरमैन ने निलंबित कर दिया। मामले में चेयरमैन ने ईओ सीमाराय को एक सप्ताह के अंदर जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया है। जारी नोटिस में चेयरमैन डॉ.विजयलक्ष्मी जायसवाल का कहना है कि बीते 5जनवरी को बोर्ड की बैठक के दौरान ईओ को सहायक पम्प आपरेटर शिवशंकर वर्मा को गुलाबचंद्र जायसवाल के भवन मानचित्र स्वीकृत आवेदन के मामले में लापरवाही पाए जाने के आरोप में कारण बताओ नोटिस देने को कहा गया था,परन्तु आज तक ना ही कोई कार्यवाही हुई और ना ही कोई जबाव मिला। जिसमे ईओ की घोर लापरवाही व अधोहस्ताक्षरी के आदेश की अवेहलना हुई है। जांच में उक्त प्रकरण में बिना दिनांक स्थलीय निरीक्षण व कूटरचित दस्तावेज के सहारे दाखिल खारिज किया गया है। इसके साथ ही अन्य कई ऐसे मामले पाए गए है जिससे नगर पंचायत गोसाईंगंज के कार्य प्रणाली पर ब्यापक असर पड़ा हुआ है,साथ मे जनहित के कार्य प्रभावित हुए है और अधोहस्ताक्षरी व कार्यालय की छवि धूमिल हुई है।जिसके क्रम में चेयरमैन ने आज मंगलवार को तत्काल प्रभाव से जांच होने तक निलंबित कर दिया। बताते चले कि सहायक पम्प आपरेटर शिवशंकर वर्मा को ईओ सीमाराय ने अपने पावर व दस सभासदों के हस्ताक्षर युक्त पत्र का हवाला देते हुए लिपिक के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। जिस धारा 75 का ईओ सीमाराय ने अपना विशेषाधिकार बताते हुए सहायक पम्प आपरेटर को लिपिक का अतिरिक्त प्रभार सौपने की बात कही थी उस धारा में ईओ को किसी कर्मचारी का कैडर बदलने या लिपिक की शक्ति देने का कोई कानूनी अधिकार नही है।

एडीएम प्रशासन ने कुमारगंज थाने का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता

मिल्कीपुर-अयोध्या। एडीएम प्रशासन अयोध्या अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने बताया कि अपर मुख्य सचिव गृह के आदेशानुसार जिलाधिकारी द्वारा जिले के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में जितने भी थाने हैं, उन पर एक-एक वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया जाए। इसके तहत आज मिल्कीपुर तहसील के कुमारगंज थाने का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन ने थाना परिसर में स्थित बंदी ग्रे कार्यालय, महिला हेल्पलाइन आवास, मलखाना और विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई में कुछ कमियां पाई, जिन्हें जल्द ठीक करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, एडीएम ने कहा कि जो भी अन्य कमियां मिली हैं, उन्हें शीघ्र ठीक किया जाएगा ताकि थाना परिसर का कार्य सही तरीके से चल सके। थाना परिसर में निरीक्षण करते हुए एडीएम को यह भी जानकारी मिली कि थाना प्रसार में जो हैंडपंप लगाया गया है, वह दूषित पानी दे रहा है।

इस पर एडीएम प्रशासन ने जल्द ही उसे ठीक कराने का आदेश दिया ताकि आगामी दिनों में आने वाले लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान कुमारगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार, उपनिरीक्षक समेत और अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। एडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस थाना में सभी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चलें, ताकि जनता को कोई असुविधा न हो। इस निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि पुलिस थाना परिसर में साफ-सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह से दुरुस्त रहें, और लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

किसान मजदूर स्वाभिमान बचाओ महापंचायत मे भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता ने की शिरकत

बाराबंकी। खेती घाटे का सौदा नहीं है लेकिन दिल्ली की कलम बेईमान है। संगठन को गांव गांव मजबूत करना पड़ेगा। देश मे आंदोलन करने पड़ेंगे। ये देश आंदोलन से ही बचेगा। देश की सरकारों की नीयत साफ नही है। उक्त उद्गार

फतेहपुर से सूरतगंज मार्ग स्थित दादनपुर चैराहा पर भारतीय किसान यूनियन द्वारा आयोजित किसान मजदूर स्वाभिमान बचाओ महापंचायत में मुख्य अतिथि भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहीं। महापंचायत मे मुख्य अतिथि श्री टिकैत ने आगे कहा कि देश की सरकारों की नीयत साफ नही है। सरकार किसानों की जमीनों को पूंजीपतियों को देना चाहती है। इसका उदाहरण भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील है। आने वाले समय मे अमेरिका अपने कृषि उत्पाद भारत मे बेचेगा। जिसका मुकाबला भारत का किसान नही कर पायेगा। इसके पश्चात फतेहपुर सूरतगंज मार्ग पर जरखा पुल से राकेश टिकैत ने पंचायत स्थल तक ट्रैक्टर मार्च का नेतृत्व किया। महापंचायत को राजवीर सिंह जादौन, अनुज सिंह, राजपाल शर्मा, सालिकराम यादव ने भी संबोधित किया। पंचायत में कार्यकताओं द्वारा प्रतीक चिन्ह में मुख्य अतिथि श्री टिकैत को हल और गदा भेंट किया। तथा समस्याओं से सम्बंधित एक ज्ञापन एडसीएम फतेहपुर को सौंपा गया। इस अवसर पर हौसिला प्रसाद, राम किशोर पटेल, अनिल बर्मा, अनुपम वर्मा, उत्तम सिंह, सतीश वर्मा रिन्कू, निसार मेहंदी, बलराम यादव, समीर यादव, ओम प्रकाश, शिव नरायन सिंह, बाबादीन, निर्मल कुमार, रामानंद, भगौती प्रसाद, शारदा बक्श सिंह, डॉ हरीराम पाल, डॉ राम सजीवन मौजूद रहे।

डीएम ने विकासखंड बंकी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन ने विकासखण्ड़ बंकी का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने परिसर की

- अतिक्रमण हटाने, बाउंड्री दुरुस्त करने, अभिलेखों के रखरखाव के निर्देश
- स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की सराहना, मॉडल आवास का किया लोकार्पण

साफ-सफाई, कार्यालय प्रणाली तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण मे डीएम ने विकासखंड परिसर के बाहर अतिक्रमण को तत्काल हटाने, बाहरी बाउंड्री की मरम्मत कर परिसर को सुरक्षित व सुव्यवस्थित बनाने को लेकर निर्देशित किया। पंचायत उद्योग भवन का निरीक्षण कर हुए जन सेवा केंद्र उसी व्यक्ति द्वारा संचालित हो, जिसके नाम से स्वीकृत है। डीएम ने प्रेरणा कैंटीन का निरीक्षण कर व्यवस्थाये का जायजा लिया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार धूप-अगरबत्ती सहित अन्य उत्पादों का अवलोकन कर उनके प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत निर्मित मॉडल आवास का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता कार्यालय, खंड विकास अधिकारी कार्यालय तथा मनरेगा सीएलएफ लैब का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पुराने कर्मचारी आवासों के जीर्णोद्धार हेतु शासन से नियमित पत्राचार करने के निर्देश भी दिए।

मनरेगा मुद्दे पर विधानसभा घेराव से पहले कांग्रेस सांसद, जिलाध्यक्ष समेत कार्यकर्ता हाउस अरेस्ट

बाराबंकी। मनरेगा कानून में बदलाव को लेकर और सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलॉफ विधानसभा घेराव के लिये निकले जिला कांग्रेस कमेटी के हजारों कार्यकताओं को पुलिस ने अलोकतांत्रिक ढंग से नजरबंद किया। इस मौके पर कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि वर्तमान सरकार जिस प्रकार अंधेर नगरी चैपट राजा का माहौल बनाये हुये है उससे समाज गर्त की ओर जा रहा है हम

- वर्तमान सरकार अंधेर नगरी चौपाल राजा का बनाये हुए है माहौल: तनुज पुनिया

कांग्रेसियों का आजादी से लगाकर आज तक एक इतिहास रहा है कि कांग्रेस के द्वारा जो भी धरना प्रदर्शन या घेराव किये जाते हैं वह जनविरोधी नीतियों के खिलॉफ किये जाते हैं। और हम कांग्रेसियों की विचारधारा अहिंसा वादी होती है, हम लोग गांधी के बताये हुये रास्ते पर चलकर आम जनमानस की समस्याओं का निदान करने के लिये काम करते हैं। जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन के नेतृत्व में जब कार्यकताओं ने आगे बढने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोककर कांग्रेसियों की आवाज दबाने का प्रयास किया। जबकि शान्तिपूर्ण प्रदर्शन करना आम जनमानस का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन शासन व प्रशासन का यह व्यवहार पूरी तरीके से अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। जिला प्रशासन द्वारा तमाम कांग्रेसी पदाधिकारी व कार्यकताओं के घरों पर 16 तारीख की रात से ही नजरबंद करने का जो कार्य किया है वह पूरी तरीके से असंवैधानिक है। इस अवस पर सरजू शर्मा, अजीत वर्मा, के0सी0 श्रीवास्तव, राम हरख रावत, मोहम्मद इरफान कुरैशी, राजेन्द्र वर्मा, अखिलेश वर्मा, फरहान किद्वई, मोहम्मद दिलशाद, विजयपाल गौतम, सना चैधरी, मोईनुदीन अंसारी, आरडी राव, कौशल किशोर वर्मा, रमेश कश्यप, बबलू गौतम, प्रीती शुक्ला, मोहम्मद अरशद, श्रीकान्त मिश्रा लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

बहराइच। मिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक

साइबर क्राइम टीम ने जागरूकता अभियान चलाया

बहराइच। राष्ट्रीय साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच के आदेशों के अनुपालन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी के कुशल निर्देशन एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर श्री नारायण दत्त मिश्रा के कुशल पर्यवेक्षण में, साइबर क्राइम पुलिस थाना बहराइच द्वारा महाराजा सुहेलदेव पार्क, थाना क्षेत्र कोतवाली देहात, जनपद बहराइच में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में लगभग 100-150 जनमानस को मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को सोशल मीडिया आई-डी पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन लागू करने, मोबाइल में इंस्टॉल महत्वपूर्ण एप्लीकेशनों में मजबूत एवं कठिन पासवर्ड प्रयोग करने, मोबाइल पर प्राप्त होने वाले संदिग्ध लिंक, एपीके फाइल्स एवं अज्ञात कॉल/मैसेज से सतर्क रहने तथा विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही, किसी भी प्रकार के साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई हेतु नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के टोल फ्री नंबर 1930 के प्रयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट स्थित अभिलेखागारों और कार्यालयों का किया निरीक्षण

जिला संवाददाता

बाराबंकी। मंडलायुक्त आयुक्त अयोध्या राजेश कुमार ने तहसील सिरौलीगौसपुर एंव कलेक्टेज्ट परिसर स्थित विभिन्न अभिलेखागारों और कार्यालयों का विस्तृत निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने शस्त्र अनुभाग, आंग्ल अभिलेखागार, न्यायिक अभिलेखागार, आपदा से संबंधित अभिलेख शाखा, शिकायत प्रकोष्ठ

- विभिन्न शाखाओं, न्यायिक अभिलेखों व ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली की कार्यप्रणाली का किया अवलोकन
- आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में 90 प्रतिशत सफलता पर जताई संतुष्टि

तथा राजस्व अभिलेखागार का निरीक्षण कर अभिलेखों की सुरक्षित रखरखाव प्रणाली, फाइलों के संधारण तथा अभिलेखों की उपलब्धता की स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों से कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा की। निरीक्षण के दौरान आपदा कंट्रोल रूम, संयुक्त कार्यालय, ई-डिस्ट्रिक्ट कंप्यूटर लैब और सदर नजारत कार्यालय का भी अवलोकन कर ऑनलाइन सेवाओं की उपलब्धता, नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं तथा तकनीकी व्यवस्थाओं के संचालन की स्थिति जानी। तथा संबंधित अधिकारियों को सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एडीएम न्यायालय का निरीक्षण कर लंबित मामलों, जनसुनवाई व्यवस्था तथा अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के उपरांत मंडलायुक्त ने बताया कि अधिकांश व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं और कार्यालयों में कार्य सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। कुछ स्थानों पर मामूली कमियां मिली हैं, जिन्हें दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस के लगभग 90 प्रतिशत प्रकरणों का प्रभावी निस्तारण हुआ है। जो जिलाधिकारी और उनकी टीम के बेहतर समन्वय का परिणाम है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजकुमार सिंह, उपजिलाधिकारी नवाबगंज आनंद तिवारी, संयुक्त मजिस्ट्रेट/एसडीएम सिरौलीगौसपुर तेजस के, संयुक्त मजिस्ट्रेट/एसडीएम रामनगर गुंजिता अग्रवाल, तहसीलदार नवाबगंज भूपेंद्र सिंह सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रक में मिली सरकारी स्कूलों की किताबें

बहराइच। जिलाधिकारी के सी यू जी नंबर पर कुछ लोगों ने रामगांव इलाके में स्थित एक कबाड़ी की दुकान के पास ट्रक में भारी मात्रा में सरकारी स्कूलों में निशुल्क बटने वाली किताबों रखी होने की सूचना दी। जिसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

- डीएम ने दिये जांच के आदेश

जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि कुछ लोगों ने फोन पर ट्रक में भारी मात्रा ने सरकारी किताबें मौजूद होने की जानकारी दी थी । जिसके बाद वाहन को जब्त किया गया है ।जिले के शिक्षा विभाग ने अपने स्टॉक को कंप्लीट बताया है । ये किताबें कहा से लाई गई है । इसकी जांच के साथ ही एक टीम को जनपद में किताबों के स्टॉक का मिलान करने के निर्देश दिए हैं ।जांच के बाद ही ये पता चल सकेगा कि ये किताबें किस जनपद से जिले में आई थी ।

जनता एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

बहराइच। पुलिस अधीक्षक द्वारा *जनता दर्शन* में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

संक्षेप

युवती को भगा ले जाने का आरोप दो के खिलाफ केस दर्ज

नसीराबाद, रायबरेली। नसीराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में एक 18 वर्षीय युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। नसीराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते 14 फरवरी को एक युवती घर में अकेली थी। परिजन किसी काम से बाहर गये थे।इसी का फायदा उठाकर सलोन थाना क्षेत्र के ग्राम बेरा ताल निवासी करन पुत्र जितेन्द्र,व रजवन्ता पत्नी श्याम लाल के सहयोग से बहला फुसलाकर भगा ले गया। साथ ही युवती घर में रखी बारह हजार रूपए भी उठा ले गयी। परिजनों ने नात रिस्तेदारी में खोजबीन के बाद भी जब बेटी का पता नहीं चला तो थाक हार के पीड़ित ने थाने में नामजद तहरीर दे दी।थाना प्रभारी पवन कुमार सोनकर ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में केस दर्ज करके जांच उप निरीक्षक विमल कान्त गोयल को सौंपी गई है।

धोखाधड़ी के वांछित आरोपी को पुलिस ने दबोचा

जगदीशपुर-अमेठी। थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस को मंगलवार को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। धोखाधड़ी के गंभीर मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी अमित द्विवेदी पुत्र भवानी प्रसाद द्विवेदी निवासी ग्राम बेसारा पश्चिम थाना मुसाफिरखाना (28 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

बताया गया कि आरोपी के विरुद्ध 420,467,468 एवं 471 के तहत धोखाधड़ी एवं कूटरचना से जुड़े गंभीर आरोप दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी एक शातिर किस्म का अपराधी है जो गिरफ्तारी से बचने के लिए लंबे समय से फरार चल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध गैर जमानती अधिपत्र भी जारी किया गया था। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चार परीक्षा केंद्रों का सेक्टर मजिस्ट्रेट ने किया औचक निरीक्षण

महराजगंज,रायबरेली। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान ने चार परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षाओं को सकुशल, पारदर्शी और नकलविहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से व्यवस्थाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान ने राजकीय इण्टर कालेज हलोर, स्वदेश सरस्वती विद्या मंदिर महराजगंज, राजकीय बालिका इंटर कालेज महराजगंज, न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू व राजा चंद्रचूड़ सिंह इंटर कालेज महराजगंज में बने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षाओं में प्रकाश व्यवस्था,मानक के अनुरूप सीटिंग अरेंजमेंट, पेयजल व शौचालयों को दुरुस्त करने के के अलावा डेस्क-बेंच सुव्यवस्थित लगाने और परीक्षा नियमों के अनुसार उचित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सभी केंद्रों के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, बिजली, सुरक्षा व्यवस्था और नकल रोकने के इंतजामों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने पुलिस प्रशासन को स्ट्रांग रूम की कड़ी निगरानी रखने के लिए भी सचेत किया है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इकदिल, इटावा। क्षेत्र में गृहक्लेश से तंग आकर विवाहिता ने फांसी लगा कर खुदकुशी करली। गांव मड़ैया मुसवाली के रहने वाले पवन कुमार की 22 वर्षीय पत्नी गुंजन मंगलवार सुबह घर पर घरेलू काम कर रही थी महिला का पति खेत पर पानी लगाने के लिए गया था और सास भैंस को चारा पानी करने लगी और जिठानी अपने कमरे में थी तभी महिला ने अकेले में मौका पाकर कमरे में छत में लगे कुंडा में फंदा लगाकर लटक गई। जिसके बाद घर मे खेल रहे छोटे बच्चे ने कमरे का दरवाजा खोला तो महिला को फंदे पर लटकते देख उसकी चीख निकल गई चीखने चिल्लाने की आवाज सुन परिजन लोग दौड कर पहुंचे उन्होंने फंदे से महिला नीचे उतारा और आनन फानन में जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मायके से आये मृतिका के पिता राकेश बाबू निवासी कचैरा घाट, वाह, चित्रहाट, आगरा ने बताया 29 अप्रैल 2025 को इकदिल क्षेत्र के गांव मुसावली की मड़ैया में उन्होंने अपनी बेटी गुंजन की शादी की थी।

कांग्रेस के प्रदेश सचिव अतुल सिंह को पुलिस ने किया नजर बंद

रायबरेली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर आज उत्तर प्रदेश विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं पूर्व प्रत्याशी ऊंचाहार अतुल सिंह को पुलिस ने 16 फरवरी से नजर बंद किया है 17 फरवरी को सुबह जैसे ही श्री सिंह लखनऊ के लिए निकले रायबरेली पुलिस बल भारी संख्या में श्री सिंह के आवास पहुंचकर उनको लखनऊ जाने से अलोकतांत्रिक तरीके से रोक लिया। इस पर श्री सिंह ने कहा कि मोदी और योगी सरकार पुलिस के बल पर हम सबकी आवाज को दबाना चाहती हैं। मनरेगा को बचाने के लिए गिरती हुई कानून व्यवस्था के लिए हम सब प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में आज विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। लेकिन जिस तरह पुलिस लोकतंत्र को खत्म करते हुए हम सबको लखनऊ जाने से रोक रही है।इसकी जितनी निंदा की जाए कम है यह तानाशाही ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। मोदी का चेहरा हिंदुस्तान की जनता देख चुकी है कि किस तरह अमेरिका के दबाव में आकर हिंदुस्तान को अमेरिका के हाथों बेंचने का प्रयास कर रहे हैं ।हमारे नेता जननायक राहुल गांधी और प्रियंका गांधी देश को बचाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सचिव शैलेंद्र सिंह, अवधेश द्विवेदी, गोलू अग्रहरि, राजेश सिंह, करुणेन्द्र सिंह, राजा तिवारी, अतुल मिश्रा, दिलीप गौतम, मोहम्मद रफी, आरबी सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, रमेश गौतम, राकेश सरोज आज बड़ी संख्या में लोग जा रहे थे।

लखनऊ में होने वाले धरना प्रदर्शन के लिए बीती रात कई कांग्रेसी नेता रहे हाउस अरेस्ट

लालगंज रायबरेली। सोमवार की रात कांग्रेस नेताओं के लिए मुसीबत भरी साबित हुई जब स्थानीय पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट बताते हुए घर से कहीं भी जाने से मना कर दिया। लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता और जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता पर पुलिस का पहरा रहा ।लालगंज कोतवाली के उप निरीक्षक महेश सिंह तोमर की निगाहें उन पर लगी रही और उनके अंडर कस्टडी में दोनों नेता रहे। वही सरेनी इंस्पेक्टर रमेश चंद्र यादव ने भी कांग्रेस नेता गिरीश बहादुर सिंह को हाउस अरेस्ट किया। बताते चलें कि मंगलवार को लखनऊ में कांग्रेस ने मनरेगा के मुद्दे पर विधानसभा का घेराव कार्यक्रम रखा था जिसमें कांग्रेस नेताओं को पहुंचना था लेकिन पुलिस की नाकाबंदी के चलते बहुत से नेता लखनऊ नहीं पहुंचेसके। योगी सरकार और पुलिस के प्रति नाराजगी सताते हुए कांग्रेस नेता दीपेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करना सबका अधिकार है। हाउस अरेस्ट करके लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। मनरेगा का नाम बदले जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि इसका जवाब जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में देगी।

संशिक्षा अकादमी के विद्यार्थियों ने जेईई मेन में प्राप्त की सफलता

व्यक्तिगत मार्गदर्शन ही उत्कृष्ट परिणामों की आधारशिला : नीरज कुमार सोनी

रायबरेली। जनवरी 2026 में आयोजित जेईई मेन परीक्षा में संशिक्षा अकादमी, के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रयास में तीन विद्यार्थियों ने 99 से अधिक परसेंटाइल प्राप्त किए .संस्कार अग्रहरी (99.37 परसेंटाइल), अक्षत (99.07 परसेंटाइल) तथा कृष्णा यादव (99.02 परसेंटाइल)। इसके अतिरिक्त 25 से अधिक विद्यार्थियों ने 90 से ऊपर परसेंटाइल हासिल किए, जिनमें आर्यन सिंह चैहान (98.54), आयुष सिंह चैहान (98.35), पारस संतनानी (98.04), अरीन चैरसिया (96 परसेंटाइल), अर्पण यादव (94.4), ईशांत (92), अर्जुन (92.68), दिव्या सिंह, जानवी सहित अन्य छात्र शामिल हैं। विशेष गर्व की बात यह है कि संस्कार

अग्रहरी, जो डीह क्षेत्र से संबंध रखते हैं, एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता की एक छोटी सी चाट की दुकान है। सीमित संसाधनों के बावजूद संस्कार ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर 99.37 परसेंटाइल प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि सफलता परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती। यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। संशिक्षा अकादमी के निदेशक नीरज कुमार सोनी, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से शिक्षित हैं, ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और सुव्यवस्थित शैक्षणिक रणनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संशिक्षा में अनुशासन, नियमित टेस्ट प्रणाली और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ही उत्कृष्ट परिणामों की आधारशिला है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, छात्रा घायल

गोसाईगंज, सुल्तानपुर। गोसाईगंज थानाक्षेत्र के द्वारिकागंज रेलवे क्रासिंग के पास बाइक सवार लोहे के पोल से टकरा गया। जिससे युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई। जबकि हादसे में एक छात्रा घायल हुई है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। बल्दीराय थानाक्षेत्र परसपुर गांव निवासी राम जीत यादव(22)पुत्र कल्लू यादव गोसाईगंज थानाक्षेत्र एक गांव निवासी छात्रा माधुरी के साथ बाइक से सुल्तानपुर की ओर जा रहा था। मंगलवार शाम करीब चार बजे वह अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर द्वारिकागंज पुलिस चौकी के करीब रेलवे क्रासिंग के पास पहुँचा था कि अनियंत्रित होकर लोहे के पोल से टकरा गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से और छात्रा आंशिक रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से घायलों को मेडिकल कालेज सुल्तानपुर ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने रामजीत यादव को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर द्वारिकागंज चौकी इंचार्ज अशोक कुमार और परिजन मेडिकल कालेज पहुँचे। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक तीन भाई बहनों पर सबसे छोटा था। रामजीत खेती किसानी करके परिवार का मदद करता था। उसकी मौत माँ श्याम कली, भाई सुरजीत, बहन बिट्टन का रो रोकर बुरा हाल है। परिवार में कोहराम मचा है ।मृतक की अभी शादी नही हुई थी। इस संबंध में द्वारिकागंज चौकी इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। बुधवार को पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंडलीय सिद्धचक्र महामंडल विधान से हुआ गुंजायान

इटावा। शहर के पाश्र्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, लालपुरा में इन दिनों धर्ममय और आध्यात्मिक वातावरण व्याप्त है। आचार्य सन्मति सागर महाराज के अंतिम शिष्य आचार्य सुबल सागर महाराज ससंघ विराजमान हैं। उनके पावन सान्निध्य में पच्चीस मंडलीय सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन प्रारंभ हुआ, जिससे समूचा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो उठा। विधान का शुभारंभ विधानाचार्य आशीष जैन शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक संपन्न हुआ तथा केसर मिश्रित जल से आचार्य श्री के मुखारविंद से शांति बोली गई। शांति धारा करने का सौभाग्य नमन जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इसके उपरांत संगीतमय वातावरण में विधान प्रारंभ हुआ और जय जिनेंद्र के उद्घोष से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। इंद्रों द्वारा प्रस्तुत भक्ति नृत्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सायंकाल आरती घर से लाने का सौभाग्य शैलेश जैन आगरा वाले, परिवार को प्राप्त हुआ। गाजे-बाजे और भक्ति नृत्य के साथ आरती मंदिर लाई गई, तत्पश्चात श्रीजी एवं आचार्य श्री की भव्य आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर सभासद हेमलता यादव एवं प्रतिनिधि सभासद अरविंद यादव ने आचार्य श्री से विशेष आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज अध्यक्ष सहित संजू जैन, राजू जैन, सोनू जैन, सुनील जैन, पीयूष जैन एवं विवेक जैन पूरन जैन ने तिलक एवं रुपटा उढ़ाकर सभासद का सम्मान किया। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु भक्ति नृत्य में झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर धर्म एवं आस्था के रंग में रंग गया। कार्यक्रम में रोहित जैन, वैभव जैन, अभिषेक जैन, गौरव जैन बंटी जैन, सौरभ जैन भोलू जैन सहित दिगंबर जैन साधु सेवा समिति के सभी पदाधिकारी एवं सकल दिगंबर जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

क्रीड़ा प्रतियोगिता में उन्नाव बना ओवरऑल चैंपियन

लखनऊ। लखनऊ मण्डल के तत्वावधान में आयोजित मण्डलीय क्रीड़ा प्रतियोगिता उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता में मण्डल के विभिन्न जनपदों से लगभग 600 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैदान पर खिलाड़ियों के जोश और दर्शकों के उत्साह ने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार, संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं विशिष्ट अतिथि राम प्रवेश, डायट प्राचार्य, लखनऊ ने विजेता प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं।

प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम

600 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग) में शगुन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वॉलीबॉल बालक वर्ग में लखनऊ ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बालिका वर्ग में हरदोई विजेता रहा।

टेबल टेनिस बालक वर्ग में लखनऊ प्रथम रहा तथा बालिका वर्ग में हरदोई ने बाजी मारी।

बैडमिंटन बालक वर्ग में रायबरेली प्रथम स्थान पर रहा, वहीं बालिका वर्ग में हरदोई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खो-खो बालिका वर्ग में हरदोई की टीम विजेता रही।

व्यायाम प्रतियोगिता में भी हरदोई ने प्रथम स्थान अर्जित किया।

रिले रेस में उन्नाव ने प्रथम तथा लखनऊ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

लंबी कूद प्रतियोगिता में उन्नाव प्रथम रहा।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंत्याक्षरी, एकांकी, लोकनृत्य एवं समूह गान में लखनऊ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का लोहा मनवाया।

ओवरऑल प्रदर्शन

समग्र प्रदर्शन के आधार पर उन्नाव को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया, जबकि लखीमपुर रनर अप रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं सहयोगी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता ने न केवल खेल कौशल को बढ़ावा दिया, बल्कि विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सामूहिक सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया।

डंपर की टक्कर से पिकप सवार तीन लोगों की मौत

लालगंज रायबरेली। डंफर व पिकप के मध्य हुई टक्कर में पिकप सवार तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई ।घटना 16व17 फरवरी की रात लगभग 12 बजे की है ।बताया गया है कि जौनपुर जिले के ग्राम कुंवरपुर थाना पवारा निवासी विपिन सरोज पुत्र प्रेमचंद, अखिलेश सरोज पुत्र फूलचंद वाराणसी से दिल्ली जा रहे थे। पिकप मूर्ति विहार थाना शिकारपुर जिला बुलंदशहर निवासी रोहित गुप्ता पुत्र जवाहरलाल गुप्ता चला रहा था। जैसे ही वह लालगंज रायबरेली मुख्य मार्ग पर बदई का पुरवा गांव के पास पहुंचे सामने से आ रहे गिट्टी लदे तेज रफ्तार डंफर ने पिकप में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और तीनों उसी के अंदर फस गए। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी अमित सिंह व कोतवाल प्रमोद सिंह ने फायर ब्रिगेड की मदद से लोडर का अगला हिस्सा काटकर तीनों को बाहर निकलवाया तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। मृतकों के परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। कोतवाल प्रमोद सिंह ने बताया कि तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक विपिन सरोज के चाचा बालचंद सरोज की शिकायत पर डंपर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

महराजगंज रायबरेली।तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं किशोर की मौत की जानकारी होते ही परिजनों सहित गांव में कोहराम मच गया। मंगलवार सुबह महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के मकरंदपुर मजरे जमुरांवा गांव निवासी सचिन पुत्र जगदेव 18 वर्ष बाइक से रायबरेली की तरफ से महराजगंज आ रहा था कि मिल एरिया थाना क्षेत्र के हरदासपुर शारदा नहर पुल के पास तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों व पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल सचिन को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टक्कर मारने वाले कार सवार मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों समेत गांव में कोहराम मच गया। मिल एरिया थाना प्रभारी विंध्य विनय ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत की सूचना मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

जिले के 85 केंद्रों पर होगी बोर्ड की परीक्षा रहेगी पूरी निगरानी

अमेठी। जनपद में बोर्ड परीक्षा के मध्य नजर सभी व्यवस्थाएं जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने पूर्ण कर ली है परीक्षा को शांतिपूर्ण व नकल विहीन संपन्न करने के लिए प्रशासन में सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली है जनपद के पचासी केंद्रों पर कैमरे की निगरानी के साथ ही स्टेटिक टीम की नजर रहेगी। आज बुधवार से यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू, अमेठी में 85 केंद्रों पर 48,333 छात्र देंगे परीक्षा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इसे लेकर अमेठी जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं ।जनपद में कुल 85 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 48,333 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है ।प्रशासन की ओर से उड़नदस्ते और स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं, जो लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे ।परीक्षा की मॉनिटरिंग के लिए जीजीआईसी गौरीगंज को जिला कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से सभी केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी ।जिला प्रशासन ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन परीक्षा कराई जाएगी।

क्षतिग्रस्त की गयी संत रविदास की प्रतिमा

बलिया। जिले के फेफना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि फेफना थाना क्षेत्र के बंधैता गांव में सोमवार की रात शरारती तत्वों द्वारा संत रविदास की प्रतिमा और एक स्तम्भ को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मंगलवार की सुबह इसका पता लगने पर बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी (सदर) तिरुम राज सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिंह ने बताया कि मौके पर नयी प्रतिमा लाकर स्थिति को संभाला गया। उन्होंने बताया कि आठ माह पहले सरकारी भूमि पर संत रविदास की प्रतिमा रखी गई थी। प्रतिमा स्थल पर सोमवार को स्तम्भ का निर्माण कराया जा रहा था। इस बीच रात में यह घटना हुई। आयोजकों से स्पष्ट कहा गया है कि प्रदेश शासन से आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद ही आगे कोई कार्य कराया जाएगा, तब तक मौके पर यथास्थिति बनाये रखी जाए। थाना प्रभारी विश्वदीप सिंह ने बताया कि मौके पर स्थिति नियंत्रण में है।

पत्नी की गला दबाकर हत्या

चंदौली। जिले के चकिया क्षेत्र में अपनी पत्नी की सोते समय गला दबाकर हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है ।पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि चकिया थाना क्षेत्र के भीषमपुरा गांव में सनी कुमार मौर्य (24) ने अपनी पत्नी बबली गौड़ (22) की सोमवार देर रात कथित रूप से गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मौर्य को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मौर्य और बबली ने प्रेम विवाह किया था और वे परिवार से अलग भीषमपुर गांव में रहते थे। सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला है कि मौर्य आये दिन शराब पीकर अपनी पत्नी से झगड़ता था। सोमवार की देर रात करीब तीन बजे उसने बबली की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

घर में नमाज पढ़ने से रोकने पर डीएम एसएसपी को अवमानना नोटिस जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बरेली में एक घर के अंदर नमाज पढ़ने से रोके जाने के मामले में संबंधित जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को अवमानना नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने यह आदेश बरेली निवासी तारिक खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए गत 12 फरवरी को दिया। न्यायालय ने निर्देश दिये कि बरेली के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 के तहत नोटिस जारी किए जाएं क्योंकि 27 जनवरी 2026 को मरनाथ फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में उच्च न्यायालय का आदेश बरेली के मामले में भी लागू होता है। न्यायालय ने इस मामले को 11 मार्च को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है ।मरनाथ फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में उच्च न्यायालय ने कहा था कि याचिकाकर्ता को अपने निजी परिसर में अपनी सुविधा के अनुसार प्रार्थना करने का अधिकार है और इसके लिए उसे राज्य सरकार से कोई इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पर आरोप है कि उन्होंने पिछली 16 जनवरी को मोहम्मदगंज गांव में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों को एक घर में सामूहिक नमाज पढ़ने से रोका था। घर की मालकिन रेशमा खान ने कहा था कि उन्होंने अपने परिसर में नमाज अदा करने की इजाजत दी थी और नमाज सिर्फ उनके निजी परिसर के अंदर ही हो रही थी ।याचिकाकर्ता तारिक खान के वकील राजेश कुमार गौतम ने बताया कि बरेली पुलिस ने गत 16 जनवरी को बिना अनुमति के एक खाली मकान के अंदर नमाज पढ़ने के आरोप में खान तथा कुछ अन्य लोगों को हिरासत में लिया था ।उच्च न्यायालय द्वारा 27 जनवरी 2026 को मरनाथ फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद खान ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया और न्यायालय से निर्देश की गुजारिश की कि रमजान के महीने में उन्हें तथा अन्य लोगों को परिसर में नमाज पढ़ने से ना रोका जाए। गौतम ने बताया कि मरनाथ फुल गॉस्पेल मिनिस्ट्रीज बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद याचिकाकर्ता ने गत 28 जनवरी को बरेली के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष व्यक्तिगत रूप से और दो फरवरी को पंजीकृत डाक के माध्यम से एक प्रार्थना पत्र भेज कर रमजान के महीने में उसी परिसर में नमाज अदा करने की अनुमति मांगी थी।

मुठभेड़ के बाद अपराधी गिरफ्तार

बलिया। पुलिस ने बांसडीह थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के दाहिने पैर में गोली लग गई।अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) दिनेश कुमार शुक्ला ने मंगलवार को बताया कि बांसडीह पुलिस ने सोमवार की रात साढ़े 11 बजे बांसडीह-सारंगपुर मार्ग के महुआ मोड पर गश्त के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया लेकिन उसने भागने की कोशिश की। शुक्ला ने बताया कि भागने की कोशिश करते समय व्यक्ति की मोटरसाइकिल फिसल गई और वह सड़क पर गिर गया। स्वयं को घिरता देखकर उसने पुलिस पर गोलियां चला दीं जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और इस दौरान एक गोली उसके दाएं पैर में लगी। बाद में व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया ।शुक्ला ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बांसडीह थाना क्षेत्र के दुही मुसी गांव निवासी दिलीप साहनी (31) के रूप में हुई है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। उन्होंने बताया कि साहनी ने 11 फरवरी को मोटरसाइकिल चोरी की घटना को अंजाम दिया था। दिलीप के विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

दुष्कर्म के आरोपी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा रद्द

प्रयागराज। एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ कई बार दुष्कर्म के लिए आरोप पत्र समेत एक आपराधिक मुकदमा यह कहते हुए रद्द कर दिया है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय तक जबरन संबंध बनाने के आरोप प्रथम दृष्टया टिकने योग्य नहीं हैं। न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने नीरज कुमार और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ताओं ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत मौजूदा याचिका दायर करते हुए कथित दुष्कर्म के मामले में 28 फरवरी, 2025 को दाखिल आरोप पत्र रद्द करने की मांग की थी। इस मामले में पीड़िता द्वारा एक दिसंबर, 2024 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी जिसमें कहा गया था कि पीड़िता एक शादीशुदा महिला है और उसका पति सेना में कार्यरत है। पीसीएस की परीक्षा की तैयारी के दौरान उसकी दोस्ती ममता नाम की एक महिला से हो गई थी जिसने उसका परिचय नीरज कुमार (प्रथम याचिकाकर्ता) से कराया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि सात अगस्त, 2022 को नीरज ने अपने जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए उसे बरेली के राजरानी होटल में बुलाया जहां उसने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और इस घटना की वीडियो बनाया। इसके बाद, आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही उसने यह वीडियो अपने भाई को भेजा और उसके भाई ने भी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर संबंध बनाने की कोशिश की और इनकार करने पर उसने पीड़िता के परिजनों को वीडियो भेज दिया। संपूर्ण रिकॉर्ड पर गौर करने और पीड़िता का बयान सुनने के बाद अदालत ने कहा कि पीड़िता ने स्वयं स्वीकार किया है कि उसने कथित दुष्कर्म के दिन वह वीडियो नहीं देखा। यह विश्वास करना कठिन है कि एक शादीशुदा महिला वीडियो वायरल होने के भय से एक सरकारी अधिकारी के साथ निरंतर यौन संबंध बनाती रही।

दो शातिर बदमाशों से पुलिस की हुई मुठभेड़ एक बदमाश गोली लगने से घायल

जिला संवाददाता

मथुरा। शेरगढ़ कस्बा क्षेत्र से नौ फरवरी को डाक सेवक को बंधक बना कर अपहरण करके हरियाणा में ले जाकर हत्या करने वाले दो शातिर बदमाशों को देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से एक घायल हो गया। उनके कब्जे से कार, तमंचा और कारतूस बरामद हुए है। बताया जाता है कि कोसीकलां के गांव कामर निवासी रामवीर अगरवाला के डाकघर में ग्रामीण डाक सेवक ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। नौ फरवरी की सुबह वह ड्यूटी के लिए जा रहे थे। सुबह साढ़े 11 बजे नाले के समीप कार सवार बदमाशों ने उनको रोक लिया और अपहरण करके कार में डालकर ले गए। बदमाशों ने पलवल में ले जाकर नहर के पास डाक सेवक की जला कर हत्या कर दी। इसके बाद आधा जला शव नहर में फेंक कर फरार हो गए। पलवल पुलिस ने शव को बरामद कर पहचान के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से हरियाणा तक बदमाशों का पीछा किया, लेकिन बाद में कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने हरियाणा पुलिस से संपर्क किया तो एक शव की जानकारी हुई। पुलिस ने परिजनों को ले जाकर पहचान कराई। अजीत ने अंगूठी और पैर की निशान से मृतक की पहचान अपने भाई रामवीर के रूप में कर दी। अजीत ने शेरगढ़ थाने में एक प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें बताया कि भांजी ने भारत तेवतिया उर्फ भरतू निवासी गांव अलावलपुर पलवल के साथ हमारी बिना सहमति से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इस शादी से छोटा भाई रामवीर सहमत नहीं था। इसी बात की रंजिश भारत तेवतिया भाई रामवीर से रखता था। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि शेरगढ़ व एसओजी टीम ने सोमवार देर 10 बजे शिवा ढाबे के पास पलवल के थाना चांदहट के गांव अलावलपुर निवासी भारत उर्फ भरतू और रंजीत को गिरफ्तार किया।

एसपी ने बताया कि जिस तमंचा से डाक सेवक की हत्या की थी। वह तमंचा पैगाव से आगे कोसी रोड पर छुपा दिया था। तमंचा बरामदगी के लिए लेकर जाते समय रात साढ़े 12 बजे भारत उर्फ भरतू ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। मुठभेड़ में एक गोली उसकी दाई पैर में लग गई। इससे वह घायल हो गया। घायल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया है।

वृंदावन पहुंचे विराट कोहली और अनुष्का शर्मा

मथुरा। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा मंगलवार को आध्यात्मिक प्रवास पर

• संत प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

कान्हा की नगरी वृन्दावन पहुंचे। दंपति ने परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीहित राधा कैली कुंज आश्रम में प्रसिद्ध संत हित प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। इस दौरान विराट-अनुष्का भक्ति भाव में डूबे नजर आए और उन्होंने संगत में बैठकर महाराज जी के प्रवचनों को एकाग्रता से सुना। आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद दोनों ने कुछ समय आश्रम की आध्यात्मिक शांति के बीच बिताया। विराट और अनुष्का के आने की खबर मिलते ही प्रशंसकों में भारी उत्साह देखा गया। छटीकरा मार्ग स्थित होटल रेडिसन जहां यह सेलिब्रिटी जोड़ा ठहरा हुआ है और परिक्रमा मार्ग स्थित आश्रम के बाहर अपने चहेते सितारों की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा हो गई। सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशंसकों को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण रहा, फिर भी विराट ने कार में से हाथ हिलाकर कई जगह प्रशंसकों का अभिवादन स्वीकार किया। विराट और अनुष्का की यह यात्रा पूरी तरह निजी और आध्यात्मिक बताई जा रही है।

जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न कराने को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

फिरोजाबाद। भारत की जनगणना श्रृंखला की 16वीं आजादी के बाद की आठवीं और देश की पहली डिजिटल जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन उनके कक्ष में किया गया,इस बैठक में जनगणना की तैयारी और आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई, बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विशु राजा ने भी प्रतिभाग किया, जिन्होंने जनगणना प्रक्रिया के तकनीकी और प्रशासनिक पहलुओं पर प्रकाश डाला,जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि इस बार की जनगणना दो चरणों में पूरी की जाएगी, प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना का कार्य होगा, द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी ।जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए हैं कि इस राष्ट्र महत्व के कार्य को मिशन मोड पर लिया जाए, उन्होंने स्पष्ट किया की जनगणना के कार्य में सभी सरकारी विभागों के कर्मचारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के तौर पर किया जाए, ताकि डाटा की सटीकता और समयबद्धता बनी रहे 20 व 21 फरवरी को जनगणना से जुड़े कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया जाए, जबकि 23 फरवरी से जिले में जनगणना का आधिकारिक रूप से कार्य शुरू कर दिया जाए, जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह प्रथम डिजिटल जनगणना के सफल क्रियान्वयन हेतु आपसी समन्वय के साथ काम करें, बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अपर नगर आयुक्त आदि उपस्थित रहे।

दो पक्षों में हुआ झगड़ा, पुलिस ने दोनों को लिया हिरासत में

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद रोडवेज बस स्टैंड पर एआरटीओ के द्वारा दो वाहनों के चालान काटकर रोडवेज बस स्टैंड डिपो पर खड़ा कर दिया। रोडवेज के गार्ड, वाहन स्वामियों में रुपए को लेकर झगड़ा हो गया। इस दौरान गार्ड के साथ अभद्रता कर दी गई। झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रोडवेज के गार्ड, गाड़ी स्वामी को हिरासत में लेकर थाने पहुंची जहां मामले की जांच की जा रही है।

एआरटीओ ने आइसक्रीम की एक गाड़ी के कागजात खत्म होने पर उसका 23 हजार से अधिक का चालान कर दिया। वहीं शाम को बाजरा से भरी ओवरलोड मैक्स का भी चालान किया गया। उसके बाद एआरटीओ ने दोनों वाहनों को रोडवेज बस स्टैंड पर ले जाकर खड़ा कर दिया। आरोप है कि जब आइसक्रीम वाहन के स्वामी अपने वाहनों को लेने पहुंचे तो रोडवेज के गार्ड ने वाहन स्वामी ने 2 हजार रुपए की मांग की। आइसक्रीम की गाड़ी के मालिक का आरोप है कि उसने 500 रुपए दिए लेकिन गार्ड गाड़ी को नहीं ले जाने दे रहा था। वह दो हजार रुपए की मांग कर रहा था जबकि गाड़ी का चालान 23 हजार से अधिक का हो गया था ऐसे में हमारा उसे रुपए देने का कोई औचित्य नहीं था फिर भी उसे रुपए दिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। वहीं गार्ड के साथ अभद्रता कर दी गई। गार्ड ने रुपए लेने से इनकार कर दिया कि उसने कोई रुपए नहीं लिए। इस बारे में एआरएम मुंशीलाल का कहना है कि एआरटीओ ने गाड़ी का चालान कर गलत तरीके से गाड़ी को डिपो पर खड़ा किया। वहीं उनके चालक ने गार्ड से रुपए लेने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दोनों का पुलिस ने शांतिभंग में चालान कर दिया है। वहीं इस बारे में एआरटीओ का कहना है कि उन्होंने गाड़ी का चालान कर डिपो में खड़ा किया था। रुपए के लेनदेन से उनका कोई लेना देना नहीं है।

एक्सप्रेस-वे पर लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जिला संवाददाता

मथुरा। बलदेव पुलिस और रिवार्डिड टीम ने यमुना एक्सप्रेस वे पर 28 जनवरी को लूट करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। जबकि साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला।

सीओ महावन श्वेता वर्मा ने बताया कि बलदेव पुलिस और रिवार्डिड टीम ने यमुना एक्सप्रेस वे पर 28 जनवरी को लूट करने वाले दो बदमाशों को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कासिमपुर अंडरपास के नीचे से मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू

कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। घायल आरोपी को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मानवेन्द्र उर्फमोनू उर्फमुन्ना निवासी नगला भंडा, थाना निधौलीकला, जनपद एटा (जो वर्तमान में रसूलपुर, नोएडा में रहता है) और अजीत निवासी नगला भंडा, थाना निधौलीकला, जनपद एटा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किए हैं। इसके अलावा, लूट में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार, वादी से लूटे गए 3120 रुपये नकद तथा वादी और ड्राइवर के आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं। फार बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। इस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार, उ0नि0 आलोक कुमार मिश्रा, म0उ0नि0 मिथलेश उपाध्याय, उ0नि0 राहुल कुमार, उ0नि0 वीर सिंह,.उ0नि0 उमंग त्यागी, उ0नि0 इंतजार अली, उ0नि0 विकास शर्मा प्रभारी सर्विलांस टीम, उ0नि0 शावेज चैधरी प्रभारी रिवार्डिड टीम, है0कॉ0 विशाल गौतम रिवार्डिड टीम, कॉ. सोनू भाटी रिवार्डिड टीम, पवन भाटी, हैडकांस्टेबिल उपेन्द्र सिंह, संजय कुमार, पीयूष, प्रियंका शर्मा शामिल रहे।

ऑटो चालकों से अवैध वसूली रोकने को भाकियू भानू ने नगर पालिका परिसर में दिया धरना

टूंडला। भारतीय किसान यूनियन भानू के पदाधिकारियों ने सुभाष चौराहा पर ऑटो चालकों से की जा रही ठेकेदार द्वारा अवैध वसूली बंद कराने को नगर पालिका परिसर में धरना दिया गया। बता दे टूंडला सुभाष चौराहा पर नगर पालिका द्वारा टेंडर जारी कर ठेका उठाया था। ठेका संचालक द्वारा ऑटो चालकों से 25 रुपए प्रति ऑटो वसूली की गई, जिस पर भारतीय किसान यूनियन भानु पदाधिकारियों ने टेम्पो चालकों के साथ तहसील परिसर में प्रदर्शन कर उक्त वसूली को बंद कराने को एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा था, जिस पर उपजिलाधिकारी ने ठेका निरस्त कर दिया। इसी बीच ठेका संचालक हाई कोर्ट पहुंच गए जहां हाई कोर्ट ने नगर पालिका को रिबटल का आदेश दिया। जिस पर पालिका ने यथास्थिति रख पुनः ठेका संचालन शुरू करा दिया। और ठेका संचालक 25 रुपए की वसूली ऑटो चालकों से करने लगे जिस पर पुनः ठेका वसूली रोकने को किसान यूनियन ने मंगलवार को नगर पालिका में धरना प्रदर्शन कर अवैध वसूली रोकने की मांग की हंगामा बढ़ता देख ईओ ने किसान यूनियन पदाधिकारियों को वसूली रोकने का लिखित आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया। धरना प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन भानू के जिलाध्यक्ष दीपक सोलंकी तहसील अध्यक्ष शीलू सिकरवार सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी ऑटो चालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शेरगढ़ पुलिस ने 26 साल पहले बनाया था अपराधी: अब अदालत ने दिया ग्रामीणों को न्याय

मथुरा। थाना शेरगढ़ पुलिस द्वारा ढाई दशक पहले जिन ग्रामीणों को शातिर अपराधी बनाकर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की थी, उन्हीं ग्रामीणों को अदालत ने लम्बी सुनवाई करने और वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर की दलीलों को सुनने के बाद बरी करते हुए न्याय दिया है। आरोपी पक्ष की ओर से अदालत में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने बताया कि वर्ष 1999 में 29 जनवरी को तत्कालीन थानाध्यक्ष शेरगढ़ जसपाल सिंह पंवार ने लोटन उर्फ सुरेश पुत्र शिवली और नवल पुत्र जसरी निवासीगण गांव जटवारी थाना शेरगढ़ को थाने पर बुलाया था। इसके बाद पुलिस ने लोटन उर्फ सुरेश और नवल को गैंग संचालित करने, हिंसा करने, हिंसा करके अवैध धन अर्जित करने के आरोप लगातार गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करके जेल भेज दिया था। बताया कि जवानी से वर्तमान में बुढ़ापे तक लोटन उर्फ सुरेश और नवल, न्याय पाने की आस में अदालत के चक्कर काट रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने आरोपी पक्ष को न्याय दिलाने के लिए विशेष न्यायधीश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधि. के न्यायधीश अरविंद कुमार यादव की अदालत में पैरवी शुरू करते हुए तत्कालीन थानाध्यक्ष एवं वादी मुकदमा जसपाल सिंह पंवार और गवाह बने सिपाही अमरीश कुमार और जयकुमार समेत अन्य गवाहों से अदालत में बहस की तो वह एक भी साक्ष्य अदालत को नहीं दिखा सके, जिससे पुलिस की उनकी बनाई हुई कहानी से अदालत में पर्दा उठ गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने अदालत में निरूत्तर हुए पुलिसकर्मियों और खोखले साक्ष्यों को खारिज करके आरोपी बनाए गए ग्रामीण लोटन उर्फ सुरेश और नवल को दोषमुक्त करने की अदालत से मांग की। इसके बाद विद्वान न्यायधीश अरविंद कुमार यादव की अदालत ने बहस सुनने और साक्ष्य न होने पर फैसला सुनाते हुए कहा कि पुलिस द्वारा आरोपी बनाए गए लोटन उर्फ सुरेश और नवल के खिलाफ कोई भी साक्ष्य ऐसे नहीं पाए गए, जिससे उनका अपराधी होना या अपराध करना स्पष्ट होता। अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए 26 साल बाद ग्रामीण लोटन उर्फ सुरेश और नवल को निर्दोष करार देते हुए बरी कर दिया। अदालत का फैसला आने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह गुर्जर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता यही होती है कि जिन निर्दोष लोगों को पुलिस द्वारा या विपक्षी पार्टी द्वारा रंजिशन झूठा फंसाया गया है, उन्हें अदालत से न्याय मिले। उन्होंने कहा कि अदालत से न्याय मिलने में देरी होने पर कोई भी व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान हो जाता है, इसलिए उनके प्रयास होते हैं कि वह जल्द से जल्द पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय से न्याय दिला सकें।

बौद्धिक आईकेएस परीक्षाः संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने बाजी मारी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित भारत बौधिक्स आईकेएस परीक्षा-2026 में अपनी योग्यता का परचम लहराते हुए टाप-30 में अपना नाम दर्ज कराया। बृजप्रांत में मूल्यांकन के उपरांत 2168 स्टूडेंट्स में से सुपर 30 स्टूडेंट्स का चयन किया गया था जिसमें संस्कृति विश्वविद्यालय की भूमि बघेल ने टाप टेन की सूची में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया तथा अन्य छात्रा भूमिका व गुंजन चैरसिया ने सुपर 30मे अपना स्थान अर्जित किया। संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता द्वारा सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए पुरुस्कार प्रदान किए।

बताते चलें कि विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, दिल्ली द्वारा संपूर्ण भारत के विभिन्न प्रांतों में बौद्धिक आईकेएस परीक्षा-2026 आयोजित की गई थी। विद्यार्थियों की इस सफलता पर संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ सचिन गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी तथा ब्रजप्रांत में विश्वविद्यालय के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा के साथ आधुनिक शिक्षा दीक्षा के लिए आईकेएस सेल , आईकेएस टास्क फोर्स व लायब्रेरी की व्यवस्था छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध है ।संस्कृति विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि भारत-सरकार के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आधुनिक भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान तथा संस्कृति विश्वविद्यालय के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर छात्र/छात्राओं में अपने महापुरुष, अपनी विरासत, वेद ज्ञान-विज्ञान, आध्यात्मिक व साहित्यिक पर्यावरण सहित अनेक परम्परागत को आधुनिक काल में शोध व नवाचार के साथ सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश के बृजप्रांत में दो हजार से अधिक छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकृत किया तथा संस्कृति विश्वविद्यालय परीक्षा का केंद्र रहा जहां 386 पंजीकृत छात्र /छात्राओं ने परीक्षा में सहभागिता प्रदान की तथा विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से परीक्षा में पर्यवेक्षक डा भोले सिंह व डा शंशाक तिवारी रहे तथा संस्कृति विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर समन्वयक डा डी एस तोमर , नोडल अधिकारी रतीश शर्मा, परीक्षा केन्द्राधीक्षक डा पंकज सारस्वत व मूल्यांकनाध्यक्ष डा के के पाराशर रहे।

साइबर पुलिस ने ठगे गये 1 लाख रुपए कराए वापिस

फिरोजाबाद। साइबर सेल टीम ने एनसीआरपी शिकायत का संज्ञान लेकर शिकायतकर्ता के एक लाख रुपए वापिस कराये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराध एवं ठगी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में साइबर सेल टीम द्वारा अमित पुत्र मनोज कुमार निवासी नगला दखल थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद द्वारा उसके साथ की गई एक लाख रुपए की ठगी के संबंध में एनसीआरपी शिकायत दर्ज कराई गई। साइबर पुलिस ने शिकायत का संज्ञान लेकर ठगी गयी 1लाख रुपए की धनराशि वापस कराई। इस दौरान फिरोजाबाद पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील करती है कि डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करते समय सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध लिंक कॉल संदेश पर अपनी निजी जानकारी साझा न करें। किसी भी साइबर अपराध संबंधी सूचना तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा ६६६.ूटी१ूश्री.ड्ड५.ल्ल पर दें ।

एक वांछित गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूंडला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

थाना प्रभारी निरीक्षक टूंडला अनिल कुमार के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। तभी मुखबिर की सूचना पर थाना पुलिस ने मदावली कट के पास से वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाने लाई। जहां उसने अपना नाम विकास उपाध्याय उर्फ छोटू पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी नगला छोंकर थाना सकरौली जिला एटा बताया है। जिसे पुलिस ने जेल भेजा है।

एडीएम नमामि गंगे, एसडीएम ने धर्मशाला की जमीन का किया निरीक्षण

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद में पथवारी रोड स्थित जैन धर्मशाला में तोड़फोड़ का मामला बढ़ता ही जा रहा है। जहां भूमि के स्वामी ने धर्मशाला, स्टेट बैंक आदि की भूमि को सर्वेश्वर हनुमान मंदिर की बताया। वहीं धर्मशाला के स्वामी ने जैन धर्मशाला को अपनी संपति बताया है। विवाद बढ़ता देखकर मंगलवार को एडीएम नमामि गंगे मोहनलाल अग्रवाल, एसडीएम डॉ गजेन्द्र पाल सिंह ने धर्मशाला की स्थित का मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने प्रतिवादी पक्ष से जरूरी अभिलेखों को प्रस्तुत करने के लिए कहा है। वहीं वादी पक्ष से जमीन के समस्त अभिलेखों की मांग की है जिसके आधार पर मामले की जांच कर न्याय किया जा सके।

मंगलवार की सुबह भी विवाद की स्थित पैदा हो गई। जब प्रतिवादी पक्ष धर्मशाला स्थल पर बनी दुकानों को लेकर जेसीबी लेकर पहुंच गए। जिसके विरोध में स्थानीय लोगों ने हंगामा कर दिया। लोगों ने घटना की जानकारी एसडीएम को दी तो एसडीएम ने क्षेत्रीय लेखपाल के साथ पुलिस को मौके पर भेजकर शांति व्यवस्था कायम कराई। तहसील प्रशासन ने जेसीबी को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। वहीं मंगलवार की दोपहर 3 बजे एडीएम, एसडीएम ने धर्मशाला स्थल का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रतिवादी पक्ष, वादी पक्ष से अपने समस्त अभिलेखों को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस बारे में एसडीएम डॉ गजेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि धर्मशाला स्थल का निरीक्षण किया गया है। दोनों पक्षों से अभिलेख, साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिसकी समस्त रिपोर्ट को बनाकर डीएम को भेजी जा रही है।

जिला कारागार में बैडमिंटन प्रीमियर लीग-2 का शुभारंभ, 64 बंदी ले रहे हिस्सा

मथुरा। जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के उद्देश्य से समय समय पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को जेल बैडमिंटन प्रीमियर लीग-2 का शुभारंभ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह एवं एसीजेएम रेलवे सूर्य भान वर्मा द्वारा फीता काटकर एवं प्रतीकात्मक बैडमिंटन खेलकर किया गया ।इस लीग में कुल 64 बंदी प्रतिभाग कर रहे हैं जिन्हें दो ग्रुपों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक ग्रुप में 16-16 बंदी मुकाबले खेलेंगे। प्रतियोगिता के समापन पर विजयी खिलाड़ियों को कारागार प्रशासन द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने बंदी कल्याण के लिए कारागार प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा अधिक से अधिक बंदियों को खेलकूद जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बंदियों में अनुशासन आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित होती है। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारागार से रिहा होने के बाद वे स्वयं को बदला हुआ व्यक्ति बनाकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ें और समाज के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर एलएडीसी अधिवक्ता जेलर सुरेंद्र मोहन सिंह चिकित्साधिकारी डॉ उपेन्द्र पाल सिंह सोलंकी उप जेलर दुर्गेश प्रताप सिंह रविन्द्र कुमार हेमराज फार्मासिस्ट सोहन सारस्वत कनिष्ठ सहायक सुनील कुमार चैहान सहित अन्य कारागार अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांशीराम कॉलोनी की दस दिन से बिजली न मिलने से बिजली घर पर किया जमकर हंगामा

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के मोहल्ला काशीराम कॉलोनी में बिजली बिल का बकाया होने पर विगत दस दिन पूर्व बिजली सप्लाई काट दी गई। जिससे स्थानीय कॉलोनी के बाशिंदे काफी परेशान हैं। जिसको लेकर मंगलवार की शाम स्थानीय लोगों ने विद्युत स्टेशन का घेराव किया। स्थानीय लोगों ने लोगों को बिजली की

• बिजली न मिलने के कारण बच्चों की बोर्ड परीक्षा हो रही प्रभावित
• स्थानीय लोगों ने विभागीय कर्मियों पर रुपए मांगने का लगाया आरोप

सप्लाई देने की मांग की।आवास विकास कॉलोनी के पास बनी काशीराम कालोनी के लोगों की दिक्कते उस समय बढ़ गई जब बिजली का बकाया बिल भुगतान न करने पर 10 दिन पूर्व बकाएदारों के घरों की बिजली काट दी। बिजली सप्लाई बंद होने से लोगों की दिक्कते बढ़ गई। लोग पेयजल से लेकर अन्य कामों के लिए परेशान होने लगे। इसको लेकर मंगलवार की शाम लोगों ने आवास विकास स्थित बिजली घर का घेराव किया। इस दौरान महिलाओं ने जमकर नारेबाजी कर बिजली सप्लाई बहाल करने की मांग की। कमला देवी ने कहा कि विगत दस दिन से बिजली सप्लाई काट दी गई है। घरों में बिजली न होने के कारण बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे है। बच्चों के बोर्ड की परीक्षा चल रही है। बिजली न होने के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। उनका आरोप है कि बिजली विभाग के लोग किसी से दो हजार, तीन हजार, चार हजार रुपए की मांग कर रहे हैं। कुछ लोगों ने बिल भी जमा कर फिर है फिर भी उनकी बिजली सप्लाई शुरू नहीं की गई है।

इस बारे में अधिशासी अभियंता आतिश कुमार ने बताया कि काशीराम कॉलोनी के लोगों पर बिजली का बकाया होने के कारण सप्लाई रोकी गई है। अभी योजना भी चली लेकिन किसी ने बिल जमा नहीं किए जबकि उन्हें किस्तों में रुपए जमा करने का प्रावधान दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिल जमा नहीं किए हैं अपने बिल जमा करें। जिन लोगों ने बिल का भुगतान किया है उनके कनेक्शन जोड़ने के निर्देश दिए हैं।

संक्षेप

डीडीए ग्रीन एक्सपो 2026 ने किया भारत के जलवायु अनुकूल शहरी भविष्य का खाका तैयार

नई दिल्ली। दो दिवसीय डीडीए ग्रीन एक्सपो 2026 कल बांसेरा में संपन्न हुआ जिसमें नीति निमार्ताओं, शहरी नियोजनकताओं, जलवायु विशेषज्ञों, उद्योग के नेताओं और जमीनी स्तर के पर्यावरणविदों के बीच आम सहमति बनी कि भारत के शहरों को परंपरागत वृद्धि के मॉडलों से परे जाना होगा और शहरी विकास के केंद्र में पारिस्थितिकी, लचीलापन और टिकाऊपन को रखना होगा। वृद्धि से परेः शहरी भविष्य की नई परिकल्पना थीम पर आधारित इस एक्सपो में इस बात की संभावना तलाशी गई कि कैसे प्रकृति आधारित आधारभूत ढांचा, जलवायु के अनुकूल डिजाइन, सार्वजनिक स्वास्थ्य एकीकरण, सर्कुलर अर्थव्यवस्था के मॉडल और अनूठे वित्त पोषण भारतीय शहरों के भविष्य को सामूहिक रूप से आकार दे सकते हैं।

भारत में रिफ्रेश लेकर आया लेज

नई दिल्ली। पेप्सिको के पसंदीदा आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारत में अपनी रिफ्रेश्ड ब्रांड आइडेंटिटी को लॉन्च करने का एलान किया है। करीब 100 साल के इतिहास में सबसे बड़े ग्लोबल ब्रांड रिफ्रेश के तहत भारत में लेज के इस फ्रेश अवतार को ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ नए कैंपेन लेज के लिए कुछ भी के माध्यम से पर्दे पर लाया जाएगा। कृषि के क्षेत्र में लेज की विरासत को केंद्र में रखकर तैयार इस रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी में ब्रांड की उसी खूबी का जश्न मनाया जाएगा, जो ब्रांड की पहचान है। यह खूबी है खेतों में उगाए गए सबसे फाइन आलू से बने चिप्स। खेत से पैकेट तक के सफर को ज्यादा जीवंत बनाने के लिए नए डिजाइन में हर पैक के पीछे की क्वालिटी और क्राफ्टमैनशिप को हाईलाइट किया गया है। यह क्वालिटी और क्राफ्टमैनशिप हमेशा से लेज की कहानी का हिस्सा रही है।

बीएलएस ई सर्विसेज का अत्याति टेक्नोलॉजीज में 100% इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण

नई दिल्ली। बीएलएस ई सर्विसेज लिमिटेड ने आज घोषणा की कि उसने अत्याति टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में 100% हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक बाध्यकारी टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण अट्याती के इक्विटी मूल्य 154 करोड़ रुपये (कुछ शर्तों के अधीन) के आधार पर किया जाएगा। यह लेनदेन पूर्णतः नकद (ऑल-कैश) होगा और इसके 31 मार्च 2026 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। यह सौदा उधारदाताओं, संबंधित बैंकों/वित्तीय संस्थानों, वैधानिक/नियामक प्राधिकरणों तथा शेयरधारकों (यदि लागू हो) से अनुमोदन एवं शेयर परचेज एग्रीमेंट/डिफिनिटिव एग्रीमेंट में तय की जाने वाली अन्य शर्तों की पूर्ति के अधीन होगा। हम अत्याति टेक्नोलॉजीज अत्याति टेक्नोलॉजीज के अधिग्रहण के लिए बाध्यकारी टर्म शीट पर हस्ताक्षर करके अत्यंत प्रसन्न हैं।

थम्स अप ने 'टेस्ट द थंडर' एंथम के साथ मचायी धूम

नयी दिल्ली। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब उत्साह को बस थोड़ा बढ़ाना होता है, लेकिन कुछ मौके ऐसे होते हैं जहाँ पूरी तरह थंडर दिखाना पड़ता है। भारतझ्पाकिस्तान का क्रिकेट मैच भी ऐसा ही पल है, जहाँ अंदाज सिर्फ एक ही होता है – तूफानी। अपने मशहूर मंत्र आज कुछ तूफानी करते हैं की भावना को जीते हुए, थम्स अप ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के भारत-पाकिस्तान मुकाबले को एक यादगार रोमांच में बदल दिया। मशहूर हिप-हॉप स्टार हनुमानकाइंड ने जब स्टेडियम की कमान संभाली, तो मैच का जोश और भी बढ़ गया। खचाखच भरे स्टेडियम के बीच हनुमानकाइंड ने थम्स अप का नया एंथम टेस्ट द थंडर पेश किया और अपने कुछ खास गानों से पूरे माहौल में जोश भर दिया।

पारले एग्रो का स्मूध केसर बादाम लॉन्च

नयी दिल्ली। पारले एग्रो ने स्मूध केसर बादाम लॉन्च किया है। स्मूध के तहत नया उत्पाद स्मूध केसर बादाम लॉन्च किया है। यह नया लॉन्च स्मूध के फ्लेवर्ड मिल्क बेवरेज पोर्टफोलियो में क्लासिक केसर-बादाम फ्लेवर को जोड़ता है, जो समृद्ध और इंडल्जेंट डेयरी बेवरेज अनुभव की तलाश करने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक नया विकल्प प्रस्तुत करता है। भारत भर में लोकप्रिय केसर-बादाम फ्लेवर अपनी पहचान, समृद्धता और सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए जाना जाता है। स्मूध केसर बादाम में बादाम की पोषणयुक्त अच्छाई और केसर की सौम्य गर्माहट को स्मूद, क्रीमी मिल्क के साथ मिलाया गया है।

सेंसेक्स में 174 अंकों की उछाल

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 174 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 42 अंक मजबूत हुआ। बैंक, आईटी और पूंजीगत वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 प्रतिशत चढ़कर 83,450.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक ऊंचे में 83,598 अंक तक गया तथा नीचे में 82,987.43 अंक तक आया।

पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 प्रतिशत बढ़कर 25,725.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक और टेक महिंद्रा प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी ओर, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, टाटा स्टील, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले सूचकांकों में भी मजबूती देखी गई। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.49 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत के लाभ में रहा। घरेलू बाजारों में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। आईटी क्षेत्र में भारी गिरावट के बाद, वैश्विक एआई साझेदारों के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणाओं के बाद चुनिंदा शेयरों में तेजी से खरीदारी देखने को मिली। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,447 लाभ में रहे, जबकि 1,756 में गिरावट रही। वहीं 149 के भाव अपरिवर्तित रहे। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,52,688.24 करोड़ रुपये बढ़कर 4,70,11,313.57 करोड़ (5,180 अरब डॉलर) हो गया। हाल ही में आई तेज गिरावट के बाद आईटी शेयरों में लगातार दूसरे सत्र में बढ़त दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 972.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,666.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत टूटकर 68.13 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 650.39 अंक चढ़ा था जबकि एनएसई निफ्टी 211.65 अंक मजबूत हुआ था।

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 90.69 पर बंद

मुंबई। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 90.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया बढ़त में रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों के लगातार पूंजी निकासी और डॉलर की मजबूती ने रुपया पर दबाव बनाया और इसकी तेजी पर अंकुश लगाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला और सीमित दायरे में रहा। रुपया ऊंचे में 90.64 तक गया और नीचे में 90.78 तक आया। कारोबार के अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से पांच पैसे मजबूत है। रुपया सोमवार को आठ पैसे की गिरावट के साथ 90.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये में विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और डॉलर की मजबूती के कारण थोड़ी कमजोरी के साथ कारोबार हुआ। हालांकि, घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से गिरावट पर अंकुश लगा। निवेशक अब इस सप्ताह अमेरिकी आवास बाजार और जीडीपी आंकड़ों पर नजर रख सकते हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 90.50 रुपये से 91 रुपये के बीच रहने का अनुमान है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत बढ़कर 97.03 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 प्रतिशत कह बढ़त के साथ 83,450.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.17 प्रतिशत मजबूत होकर 25,725.40 पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 972.13 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आरबीआई ने कुल सरकारी बॉन्ड में से 47 प्रतिशत की खरीद की

मुंबई। बैंकों में नकदी बनाये रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक केंद्र सरकार की तरफ से जारी कुल बॉन्ड में से 47 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की है।

आरबीआई के संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्र सरकार ने चार अप्रैल, 2025 से इस वर्ष 13 फरवरी तक अपने सकल उधारी कार्यक्रम के तहत सरकारी प्रतिभूतियां जारी करके 13,65,000 करोड़ रुपये जुटाए। रिजर्व बैंक ने 6,39,203 करोड़ रुपये के खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) यानी प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री के तहत खरीद नीलामी आयोजित की। इसके जरिये बैंकों में स्थायी नकदी डाली गयी। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़े पैमाने पर की गई ये खरीद सरकार के लगातार उधार लेने के बीच हुई, जो आमतौर पर बैंकों से नकदी को अवशोषित करता है और बॉन्ड प्रतिफल पर दबाव बनाता है। केंद्रीय बैंक ने द्वितीयक बाजार से बॉन्ड खरीदकर, नकदी के साथ व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखने में मदद की। इस कदम से बैंकिंग प्रणाली को नकदी की कमी से बचाने में मदद मिली और सरकारी प्रतिभूतियों की भारी आपूर्ति के बावजूद प्रतिफल में अत्यधिक वृद्धि को रोका जा सका।

कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में मिले जुले रुख के बीच कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चा तेल की कीमत करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,734 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का फरवरी माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 57 रुपये या 0.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,734 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 6,851 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

इसके मार्च माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 47 रुपये या 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,752 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 10,277 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग तथा वैश्विक कीमतों में मिले जुले रुख ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 63.24 डॉलर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 0.82 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता 68.10 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

स्टील और पाइप सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करेगा कामधेनु

नयी दिल्ली। कामधेनु लिमिटेड ने सेंट्रल उत्तर प्रदेश में स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की अपनी बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करने के लिए व्यापार रणनीति की घोषणा की। इस रणनीति के अनुसार, कंपनी एक वर्ष में सेंट्रल उत्तर प्रदेश में अपने स्ट्रक्चरल स्टील की उत्पादन क्षमता को लगभग 35% और बढ़ाने की योजना बना रही है। कामधेनु ने गुणवत्ता वाले निर्माण सामग्री के निमार्ता और आपूर्तिकर्ता के रूप में खुद को प्रमुख बना लिया है जो उपभोक्ताओं के लिए किफायती मूल्य स्तर पर है। इसके अलावा, कंपनी सेंट्रल उत्तर प्रदेश में अपने डीलर और वितरक नेटवर्क को भी मजबूत करने की योजना बना रही है। अगले एक वर्ष में और अधिक डीलर और वितरक जोड़ने की योजना है।

तमिलनाडु का अंतरिम बजट पेश

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2.55 लाख करोड़ रुपये का अंतरिम बजट पेश किया।

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस बजट में द्रमुक सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की प्रमुख योजना के लिए 4,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इस 2,55,391 करोड़ रुपये के आवंटन में से, अधिकतम 57,039 करोड़ रुपये शिक्षा के लिए, 35,773 करोड़ रुपये शहरी विकास के लिए और 22,090 करोड़ रुपये स्वास्थ्य विभाग के लिए निर्धारित किए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार ने अपने राजस्व का अनुमान 3,44,575 करोड़ रुपये लगाया है। राज्य के अपने राजस्व का हिस्सा कुल राजस्व का 74.67 प्रतिशत है। शेष 25.33 प्रतिशत केंद्रीय करों तथा केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों से आता है। वित्त वर्ष 2026-27 के अंतरिम बजट अनुमानों में कुल राजस्व व्यय 3,93,272 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है जो संशोधित अनुमान 2025-26 की तुलना में 3.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026-27 के अंतरिम बजट अनुमानों में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के तीन प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है। सरकार ने 2026-27 के दौरान कुल 1,79,809.65 करोड़ रुपये उधार लेने और 60,413.42 करोड़ रुपये चुकाने की योजना बनाई है। परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2027 तक बकाया कर्ज 10,71,770.34 करोड़ रुपये होगा।

असम सरकार ने 62294.78 करोड़ का अंतरिम बजट पेश

गुवाहाटी। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 62,294.78 करोड़ रुपये का अंतरिम बजट विधानसभा में पेश किया और कहा कि प्रत्यक्ष नकद लाभ देने वाली प्रमुख योजनाएं आने वाले वर्षों में भी जारी रहेंगी। राज्य में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव से पहले अपना अंतिम बजट पेश करते हुए नियोग ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस समय असम देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है।

उन्होंने कहा कि मैं वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती महीनों के लिए अनुदान मांगों पर लेखानुदान (वोट ऑन अकाउंट) प्रस्तुत कर रही हूं, जिसकी राशि 62,29,478.30 लाख रुपये है ताकि पूर्ण बजट आने तक सरकार सामान्य सेवाएं जारी रख सके। नियोग ने कहा कि प्रमुख निजुत मोइना योजना के तहत 2023-24 और 2024-25 के बीच छात्राओं के स्कूल छोड़ने की दर में 8.2 प्रतिशत की कमी आई है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के कुल नामांकन अनुपात में 4.2 प्रतिशत और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री निजुत मोइना असोनी योजना के तहत सरकार ने 1,000 रुपये से 2,500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता के लिए करीब 260 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जिससे 55 लाख से अधिक छात्राओं को सहायता मिलेगी। इसी प्रकार, मुख्यमंत्री निजुत बाबू योजना के तहत, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 47,428 लड़कों को 1000 रुपये से 2,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। असम विधानसभा के 126 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। इस कार्यक्रम के जरिये भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार ने अपना वादा पूरा किया है।

जेईई मेंस 2026 के शानदार परिणाम पर सम्मान समारोह आयोजित

लखनऊ। लखनऊ में आज हमारे संस्थान के लिए गर्व और हर्ष का विषय है कि प्रथम शैक्षणिक सत्र में हमारे विद्यार्थियों ने जेईई मेंस2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में नारायाना लखनऊ द्वारा गोमती नगर शाखा पर जेईई मेंस 2026 रिजल्ट के जश्न समारोह का आयोजन किया गया। हमारे कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट ऑल इंडिया रैंक प्राप्त कर जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई किया है, जिससे संस्थान अभिभावकों एवं शिक्षकों का मान बढ़ा है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने कहा कि यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों की निष्ठा का परिणाम है। हम भविष्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संवारने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

केरल टूरिज्म ने लॉन्च किया ऑल इंडिया ट्रैवेल नाउ, पोस्ट लेटर कैम्पेन

लखनऊ। केरल टूरिज्म ने 'ट्रैवेल नाउ, पोस्ट लेटर' नाम का एक वैश्विक अभियान शुरू किया है। यह अभियान माइंडफुल ट्रैवेल को बढ़ावा देता है और दुनिया भर के यात्रियों से अपील करता है कि वे पहले खुद अपनी आँखों और मन से उस पल को जीएँ, फिर उसे ऑनलाइन शेयर करें।

इसका मुख्य आइडिया बहुत सरल और सभी के लिए एक जैसा हैः पहले अनुभव करो, बाद में पोस्ट करो। यह याद दिलाता है कि सबसे खूबसूरत यात्रा की कहानियाँ पहले महसूस की जाती हैं, बताई नहीं जातीं। यात्रा में उपस्थिति सबसे पहले होनी चाहिए, परफॉर्मेंस बाद में। ट्रैवेल नाउ, पोस्ट लेटर के जरिए केरल टूरिज्म खुद को एक थॉट लीडर के रूप में पेश कर रहा है, जो दुनिया भर में यात्रा करने के तरीके पर एक बड़ी बातचीत शुरू कर रहा है। यह यात्रा को सिर्फ दिखावे की बजाय जागरुकता बढ़ाने, विचारों को प्रस्तुत करने और असली जुड़ाव का माध्यम बनाता है। 'केरल के पर्यटन मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने कहा, कोविड के बाद के वर्षों में केरल में पर्यटन में काफी बढ़ोतरी हुई है। नए पर्यटन उत्पादों को भी घरेलू और विदेशी पर्यटकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। आगामी छुट्टियों के मौसम में यह रुझान जारी रहने की उम्मीद है। गर्मियों की छुट्टियों से पहले केरल टूरिज्म देश के प्रमुख शहरों में रोडशोज और बी2बी मीट आयोजित करेगा। चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में रोडशो हो चुके हैं, और फरवरी में कोलकाता, लखनऊ और इंदौर में भी आयोजन होंगे।

पेज एक का शेष

यूपी बोर्ड

और 683 को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इन केंद्रों पर एसटीएफ और स्थानीय अभिसूचना इकाई को पूरी परीक्षा अवधि में सक्रिय रखा जाएगा और अति संवेदनशील केंद्रों पर दिन में दो बार तलाशी अभियान चलाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा की निगरानी के लिए हर कक्ष में वॉयस रिकॉर्डर युक्त दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण परीक्षा अवधि की वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए 8033 केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 1210 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 427 जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि नकल रोकने के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। आकस्मिक स्थिति के लिए सभी विषयों के अतिरिक्त रिजर्व प्रश्नपत्र सुरक्षित रखे गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं में चार रंगों में क्रमांक, परिषद का लोगो तथा सूक्ष्म अंकन सहित विशेष सुरक्षा उपाय जोड़े गए हैं जिससे उत्तर पुस्तिकाओं की अदला-बदली की संभावना समाप्त हो सके।

रक्षा, व्यापार

साझेदारों में से एक है। उन्होंने कहा राफेल लड़ाकू विमानों से लेकर पनडुब्बियों तक, हम रक्षा सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा दोनों देश कानून के शासन में दृढ़ विश्वास रखते हैं, और यह पिछले कुछ वर्षों में सिद्ध हो चुका है। मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग जारी रखेंगे।

बुलडोजर व

के जिक्र पर कहा कि यह राष्ट्रगीत है, यह आजादी का मंत्र रहा है। इस गीत को गाते-गाते क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को चूमने में संकोच नहीं किया। राष्ट्र प्रतीकों का अपमान संविधान निमार्ताओं, बाबा साहेब व क्रांतिकारियों का अपमान है। राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान व तिरंगा का अपमान राष्ट्रद्रोह है, जिसे भारत स्वीकार नहीं करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि बुलडोजर और ब्रह्मोस एक-दूसरे के पूरक हैं। बुलडोजर यूपी की स्ट्रेंथ का प्रतीक है। हम इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ देश के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे के नेटवर्क को यूपी में स्थापित कर सकते हैं। यूपी की जनता जिसकी अपेक्षा कर रही थी, बुलडोजर उस माफिया प्रवृत्ति को कुचल सकता है। ब्रह्मोस जैसे सेक्टर में भी यूपी में बड़े निवेश हो रहे हैं। यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक है। किसी ने भारत की आन, बान और शान को लेकर गुस्ताखी करने का प्रयास किया तो दुश्मन को उसके ठिकाने पर जाकर मारेंगे। सीएम योगी ने ओवैसी को भी आड़े हाथ लिया। बोले कि यूपी की जनता व डबल इंजन सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि के माध्यम से संदेश दे दिया है।

तारिक रहमान

सांसदों ने रहमान को संसदीय दल का नेता चुना। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने एक समारोह में, मंत्रिमंडल के नये सदस्यों को भी शपथ दिलाई। कार्यक्रम में भारत और पाकिस्तान सहित पड़ोसी देशों के कई नेता उपस्थित थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी बिरला के साथ थे। बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतीं, जबकि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं।

संगठित हो

हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए। डॉ. भागवत ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है।

उन्होंने कहा कि सद्भाव ना रहने से भेदभाव होता है। हम सभी एक देश, एक मातृभूमि के पुत्र हैं। मनुष्य होने के नाते हम सब एक हैं। एक समय भेद नहीं था, लेकिन समय चक्र के चलते भेदभाव की आदत पड़ गई है, जिसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारधारा सद्भाव की विचारधारा है। जो विरोधी हैं, उन्हें मिटाना है, ऐसा हम नहीं मानते। एक ही सत्य सर्वत्र है। इस दर्शन को समझ कर आचरण में लाने से भेदभाव समाप्त होगा। सरसंघचालक ने कहा कि घर-परिवार का आधार मातृशक्ति है। हमारी परंपरा में कमाई का अधिकार पुरुषों को था, लेकिन खर्च कैसे हो, यह मातायें तय करती थी। मातृशक्ति विवाह के बाद दूसरे घर में आकर सभी को अपना बना लेती है। महिला को हमें अबला नहीं मानना है, वह असुर मर्दिनी है। हमने स्त्री की, प्रकृति की जो कल्पना की, वह बलशाली है। महिलाओं को आत्म संरक्षण का प्रशिक्षण होना चाहिए। पश्चिम में महिलाओं का स्तर पत्नी से है, हमारे यहां उन्हें माता माना जाता है। उनका सौंदर्य नहीं, वात्सल्य देखा जाता है।

कानून सभी को मानना है

यूजीसी गाइडलाइन को लेकर किए गए एक प्रश्न के उत्तर में सरसंघचालक ने कहा कि कानून सभी को मानना चाहिए। यदि कानून गलत है तो बदलने का उपाय भी है। जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए। समाज में अपनेपन का भाव होगा तो इस तरह की समस्या नहीं होगी। जो नीचे गिरे हैं, उन्हें झुक कर ऊपर उठाना पड़ेगा। सभी अपने हैं, यह भाव मन में होना चाहिए। संघर्ष से नहीं, समन्वय से दुनिया आगे बढ़ती है। एक को दबाकर दूसरे को खड़ा करने का भाव नहीं होना चाहिए। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत निकट भविष्य में विश्व को मार्गदर्शन देगा। विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भारत के पास ही है।

मार्च में जारी

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल क्रमशः 20, 23, 10 और सात मई को खत्म हो रहा है। निर्वाचन आयोग ने पहले ही चुनाव वाले राज्यों का दौरा करना शुरू कर दिया है और चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए असम में पहले से ही मौजूद है। पिछली बार, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव आठ चरणों में हुए थे- जो अब तक के सर्वाधिक चरण हैं। असम में चुनाव दो चरण में, जबकि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में हुए थे। जिन विधानसभाओं के चुनाव होने वाले हैं, उनमें से पुडुचेरी पहला राज्य है, जिसने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 14 फरवरी को अपनी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी। तमिलनाडु मंगलवार को एसआईआर के बाद अपनी अंतिम सूची जारी करेगा, जबकि केरल 21 फरवरी को ऐसा करेगा। पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। असम में एसआईआर की जगह मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण हुआ था और अंतिम सूची 10 फरवरी को प्रकाशित की गई थी।

व्यक्ति की

है। छत्रपति शिवाजी महाराज और मयार्दा पुरुषोत्तम राम के व्यक्तित्व की पूर्णता के पीछे उनकी माताओं के संस्कारों की अदृश्य शक्ति थी यदि परिवार के भीतर सहयोग और सहिष्णुता है, तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि गीता धामी ने आधुनिक परवरिश पर एक नया दृष्टिकोण रखा। उन्होंने अभिभावकों को सचेत करते हुए कहा कि बच्चों को केवल 'सफलता की मशीन' न बनाएं। परिवार की पहचान उसके धन से नहीं, बल्कि सेवा की परंपरा से होती है। श्रीमती धामी ने कहा कि बच्चों में दूसरों के प्रति संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव भरना अनिवार्य है। पेशेवर उपलब्धि से कहीं बढ़कर एक जिम्मेदार नागरिक बनना ही वास्तविक सफलता है। समारोह में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली सात असाधारण महिलाओं को सप्त मातृ शक्ति सम्मान से विभूषित किया। यह सम्मान उन माताओं और बहनों के प्रति राज्य की कृतज्ञता का प्रतीक था जिन्होंने शिक्षा, समाज सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण में अमिट छाप छोड़ी है।

अयोध्या की

तक सीमित थी, जिसमें विस्तार और निवेश की संभावनाएं स्पष्ट रूप से अविकसित थीं। अध्ययन के अनुसार, जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की आर्थिक तस्वीर ने तेजी से करवट ली। रिपोर्ट बताती है कि पहले ही छह महीनों में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन दर्ज किया गया, जिसने स्थानीय बाजार, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया। अब अयोध्या में वार्षिक स्तर पर 5झ्6 करोड़ आगंतुकों की संभावना जताई गई है, जो अयोध्या को देश के प्रमुख धार्मिक-पर्यटन केंद्रों की अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा करती है। यहां लगभग 85,000 करोड़ रुपये की पुनर्विकास परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं, जिनका प्रभाव केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं, बल्कि निवेश और सेवा क्षेत्र तक फैला हुआ है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी व्यापक निवेश हो रहा है। इसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिक रेलवे स्टेशन, विस्तारित सड़क नेटवर्क और नगर सौंदर्यीकरण के कार्य प्रगति पर हैं। सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा जैसी पहलों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे अयोध्या को ह्लमॉडल सोलर सिटीह्व के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। आईआईएम की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 तक उत्तर प्रदेश में पर्यटन व्यय 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें अयोध्या की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। पर्यटन आधारित गतिविधियों से कर राजस्व 20,000-25,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। आतिथ्य, निर्माण, परिवहन और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में तीव्र विस्तार हुआ है। साथ ही, अयोध्या ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक केंद्र के रूप में नई पहचान प्राप्त की है, जहां प्रवासी भारतीय, शोधकर्ता और वैश्विक श्रद्धालु आकर्षित हो रहे हैं। अध्ययन बताता है कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (उअक्ळ) के अनुसार मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से देशभर में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ, जिसमें अयोध्या की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रही।

वैश्विक साझेदारों

में आ गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख आयाम एक साथ बदल रहे हैं, भले ही वह रणनीतिक हो, राजनीतिक हो, आर्थिक हो या प्रौद्योगिकी हो। उन्होंने कहा कि जोखिम कम करने और कई क्षेत्रों में विविधता लाने में समाधान निहित हैं तथा यह दृष्टिकोण राष्ट्रों की नीति में तेजी से दिखाई दे रहा है। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि सुधार एक्सप्रेस लगातार जारी रहेगी। विदेश मंत्री ने कहा, मजबूत स्थिति में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ अधिक गहनता से जुड़ रहा है। हाल में हुए व्यापार समझौतों में यह बात स्पष्ट रूप से देखी गई। उन्होंने कहा कि आर्थिक सुरक्षा को मजबूत आत्मनिर्भरता और अधिक भरोसेमंद साझेदारों के माध्यम से ही बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की हाल में घोषणा की। हालांकि, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकार ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के माध्यम से भारत माता को बेच दिया। उन्होंने इसे पूरी तरह से आत्मसमर्पण करार दिया जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई और किसानों के हितों से समझौता किया गया। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए पिछले महीने बातचीत पूरी की जिससे दोनों पक्षों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। पिछले एक साल में भारत ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ भी व्यापार समझौते किए हैं।

न्यूजीलैंड ने कनाडा को हराया

न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी में सुपर आठ में अपनी जगह पक्की ली

एजेंसी

चेन्नई। युवराज समरा टी20 विश्व कप में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने लेकिन यह उलटफेर करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुई क्योंकि न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स की तूफानी पारी के दम पर मंगलवार को यहां ग्रुप डी के मैच में कनाडा को 29 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। भारत के विश्व कप विजेता ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर 19 वर्षीय समरा का नाम रखा गया था और उन्होंने अपने नाम को सही साबित करते हुए आखिरी ओवर में आउट होने से पहले 65 गेंद पर 110 रन बनाए जिसमें 11 चौके और छह छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 173 रन बनाए।

फिलिप्स की 36 गेंद पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से खेली गई नाबाद 76 रन की पारी तथा रचिन रविंद्र (39 गेंद पर नाबाद 59) के साथ उनकी 146 रन की अटूट साझेदारी की मदद से न्यूजीलैंड ने 15.1 ओवर में दो विकेट पर 176 रन बनाकर कनाडा के स्कोर को बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और शान से अगले चरण में प्रवेश किया। न्यूजीलैंड ने चार मैच में छह अंक के साथ ग्रुप चरण के अपने अभियान का समापन किया। वह ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट (06) और फिन एलन (21) के विकेट गंवा दिए। एलन ने दिलन हेइलिगर पर चौका और छक्का लगाया लेकिन इसी गेंदबाज ने अगले ओवर में उन्हें पवेलियन की राह दिखा दी। न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में दो विकेट पर 60 रन बनाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए फिलिप्स ने आक्रामक अंदाज में

बल्लेबाजी की और कनाडा के अनुभवहीन आक्रमण की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पारी के 11वें ओवर में अंश पटेल पर दो छक्के लगाकर केवल 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की तरफ से नया रिकॉर्ड है। उन्होंने आरोन रेडमंड का 2009 में आयरलैंड के खिलाफ और वर्तमान टूर्नामेंट में सीफर्ट का यूएई के खिलाफ 23 गेंद में अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा।

वर्तमान टूर्नामेंट में इससे पहले रन बनाने के लिए जूझ रहे रविंद्र ने शिवम शर्मा पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबलों से पहले फॉर्म में वापसी की। उन्होंने अपनी पारी में तीन छक्के और चार चौके लगाए जिसमें विजयी चौका भी शामिल है। इससे पहले युवराज टूर्नामेंट में 19 साल और 141 दिन की उम्र में अर्धशतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने थे जिसमें उन्होंने अब नया अध्याय जोड़ा। यह तीसरा अवसर है जबकि कनाडा के किसी खिलाड़ी ने इस टूर्नामेंट में 50 या इससे अधिक रन बनाए। युवराज ने कप्तान दिलप्रीत बाजवा (39 गेंद पर 36) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी करके कनाडा को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने लॉकी फर्ग्यूसन (निजी अवकाश) और मिशेल सेंटनर (अस्वस्थ) की अनुपस्थिति का पूरा फायदा उठाया। यह पहला अवसर है जबकि किसी एसोसिएट देश के बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप में शतक लगाया। उनकी इस पारी के दम पर कनाडा इस टूर्नामेंट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाने में सफल रहा। न्यूजीलैंड को अपने तेज गेंदबाजों पर भरोसा था लेकिन युवराज ने उनकी एक नहीं चलने दी। कीवी टीम की तरफ से जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैट हेनरी और जेम्स नीशम ने एक एक विकेट लिया। युवराज ने पहले ओवर में ही तेज गेंदबाज हेनरी पर लगातार दो चौके लगाए और इसके बाद पावरप्ले के आखिरी ओवर में नीशम की जमकर धुनाई करते हुए 18 रन बटोरे। इस ओवर की आखिरी चार गेंद पर उन्होंने तीन चौके और एक छक्का लगाया।

प्रतिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल

नयी दिल्ली। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल को टखने की चोट से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया। प्रतिका पिछले साल विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग करते समय चोटिल हो गई थी। उनकी जगह शेफाली वर्मा को उस टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया था। भारत ने पहली बार यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए प्रतिका रावल को भारतीय टीम में शामिल किया है। बयान के अनुसार, प्रतिका ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और वह अक्टूबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के दौरान लगी टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुकी हैं।

जिम्बाब्वे टी20 विश्व कप सुपर आठ में

पाल्लेकल। जिम्बाब्वे ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप ग्रुप बी का मैच बारिश में धुलने के बाद सुपर आठ में प्रवेश कर लिया जबकि पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया और आयरलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला जिससे जिम्बाब्वे के पांच अंक हो गए। अब 26 फरवरी को पहले सुपर आठ मुकाबले में चेन्नई में जिम्बाब्वे का सामना भारत से होगा। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा, हमने अभी लक्ष्य हासिल नहीं किया है, बस उसकी ओर कदम बढाया है। थोड़ा बहुत जश्न होगा लेकिन फोकस अगले मैच पर है। पिछली बार टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने से चूकी जिम्बाब्वे सुपर आठ में पहुंचने वाली सातवीं टीम बन गई। ग्रुप वन में भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज भी सुपर आठ में पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे को आखिरी ग्रुप मैच 19 फरवरी को श्रीलंका से खेलना है। श्रीलंका छह अंक लेकर पहले ही सुपर आठ में पहुंच चुका है।

जम्मू कश्मीर रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के करीब

कल्याणी। तेज गेंदबाज आकिब नबी के हरफनमौला खेल से जम्मू कश्मीर रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के तीसरे दिन मंगलवार को यहां बंगाल के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर फाइनल में पहुंचने के करीब पहुंच गया। मैच में नौ विकेट लेने वाले नबी ने जम्मू कश्मीर की पहली पारी में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 42 रन की अहम पारी खेली जिससे बंगाल की टीम बड़ी बढ़त लेने में नाकाम रही।

नबी के हरफनमौला खेल ने भारतीय गेंदबाज मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी को फीका कर दिया। शमी ने जम्मू कश्मीर की पहली पारी में 22.1 ओवर में 90 रन देकर आठ विकेट लिये। बंगाल की पहली पारी में 328 रन के जवाब में जम्मू कश्मीर की पहली पारी 302 रन पर सिमटी। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले नबी ने दूसरी पारी में भी चार विकेट झटके जिससे बंगाल की टीम दूसरी पारी में महज 25.1 ओवर में 99 रन पर आउट हो गयी और जम्मू कश्मीर को जीत के लिए महज 126 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्या पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने स्टंप्स तक दो विकेट पर 43 बना लिए थे। टीम को जीत के लिए अब भी 83 रन की दरकार है और दो दिन का खेल शेष है। जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजूरिया (एक) और यावर हसन (छह) के विकेट लगातार ओवरों में आकाश दीप की गेंद पर गंवा दिए, लेकिन बाएं हाथ के शुभम पुंडीर 37 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 23 रन बनाकर नाबाद लौटे और बेहद संयमित दिखे।

क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ दूसरी पारी में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पर अर्धशतक जड़ने वाले युवा वंशज शर्मा को इस मैच में नंबर चार पर पदोन्नत किया गया। वह 25 गेंदों की धैर्यपूर्ण पारी में नौ रन बनाकर खजूरिया का साथ दे रहे हैं।

संक्षेप

उत्तराखंड के खिलाफ कर्नाटक ने कसा शिकंजा

लखनऊ । कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के तीसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में 700 से अधिक स्कोर बनाने के बाद उत्तराखंड के पांच विकेट 149 रन पर चटका दिये। आठ बार के चैम्पियन कर्नाटक ने दूसरे दिन छह विकेट पर 689 रन बना लिये थे लेकिन तीसरे दिन पारी घोषित नहीं की। रविचंद्रन स्मण और विद्याधर पाटिल ने टीम को 736 रन तक पहुंचाया। अब कर्नाटक ने पूरी तरह से मैच पर शिकंजा कस लिया है। स्मरण और पाटिल ने कल के स्कोर में 28 रन और जोड़े। पाटिल ने 114 गेंद में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाये। स्मरण और पाटिल के आउट होने के बाद कर्नाटक की पारी का भी अंत हो गया। इससे पहले केएल राहुल ने 141 रन बनाये थे। उत्तराखंड के लिये दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज आदित्य रावत ने चार और स्पिनर मयंक मिश्रा ने तीन विकेट लिये। उत्तराखंड अभी भी पहली पारी में 587 रन से पीछे है।

नागल दिल्ली ओपन के दूसरे दौर में

नयी दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मंगलवार को दिल्ली ओपन में स्पेन के डेविड जोर्डा सांचिस पर सीधे गेम में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। इस दिन एक बड़ा उलटफेर भी देखने को मिला जब शीर्ष वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेन स्वेनी को कजाकिस्तान के बेइबिट झुकायेव ने पहले ही दौर में बाहर कर दिया। विश्व रैंकिंग में 297वें स्थान पर काबिज नागल ने सांचिस को 6-3, 7-5 से हराकर एक घंटे 27 मिनट में दूसरे दौर में प्रवेश किया। नागल ने पहले सेट के पहले ही गेम में स्पेन के खिलाड़ी की सर्विस तोडी और अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए सेट को 6-3 तक ले गए। दूसरा सेट अधिक प्रतिस्पर्धी साबित हुआ, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बचाई, लेकिन अंत में भारतीय खिलाड़ी ने 11वें गेम में निर्णायक ब्रेक हासिल किया और मैच जीत लिया। नागल की जीत भारतीय दल के लिए एकल वर्ग में एकमात्र सकारात्मक परिणाम रही, जबकि 18 वर्षीय मानस धामने, क्वालीफायर मनीष सुरेशकुमार और वाइल्डकार्ड धारी दिग्विजय सिंह सभी अपने-अपने पहले मैच में ही बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग के 292वें स्थान के खिलाड़ी झूकायेव ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 134वें नंबर पर काबिज स्वेनी को 6-7, 6-2, 6-2 से हराया।

यूएई व दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले में ब्रेविस पर होगी निगाह

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अपने अंतिम और महत्तवहीन जैसे मुकाबले में बुधवार को यहां जब संघर्ष कर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ उतरेगा तो उसकी निगाहें युवा विस्फोटक बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस की फॉर्म पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका तीन जीत के साथ पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है। इसमें अफगानिस्तान के खिलाफ दो सुपर ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत और न्यूजीलैंड पर सात विकेट की प्रभावशाली विजय शामिल है। यूएई के लिए यह मुकाबला मार्को यानसन, कागिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ खुद को परखने का मौका होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें ऐसी आक्रमण पंक्ति का सामना कम ही करने को मिलता है, क्योंकि प्रोटियाज के अधिकांश खिलाड़ी एसए20 में खेलते हैं। एसए 20 का आयोजन यूएई की घरेलू टी20 लीग आईएलटी20 से टकराती है।

युवराज विश्व कप में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

चेन्नई। कनाडा के भारतीय मूल के 19 साल के बल्लेबाज युवराज समरा ने टी20 विश्व कप इतिहास में शतक जमाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर दिया। समरा ने मंगलवार को यहां ग्रुप डी मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 65 गेंदों में करियर की सर्वश्रेष्ठ 110 रन की पारी खेली। क्रिकेट के शौकिन पिता बलजीत समरा ने उनका नाम धाकड़ भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह के नाम पर रखा था।

एफआईएच प्रो लीग : हार्दिक संभालेंगे टीम की कमान

एजेंसी

नयी दिल्ली। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से 20 से 25 फरवरी तक होबार्ट में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह मिडफील्डर हार्दिक सिंह को मंगलवार को भारतीय पुरुष की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। भारत, स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट के आगामी चरण में होबार्ट के तस्मानिया हॉकी सेंटर में एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे।

भारतीय टीम ने राउरकेला में समाप्त हुए चरण में अपने सभी चार मैच गंवा दिए थे, जिसमें अर्जेंटीना के हाथों 0-8 की शर्मनाक हार भी शामिल है। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, राउरकेला में हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा और परिणाम हमारे पक्ष में

नहीं रहे लेकिन हमने कुछ अच्छे सबक सीखे हैं और कुछ उल्लेखनीय सुधार किए हैं। नए कप्तान हार्दिक दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हैं। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

इस खिलाड़ी के करीबी एक सूत्र ने बताया कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण अपनी पत्नी अमनदीप कौर के साथ रहना चाहते हैं और इसलिए वह टीम से हट गए हैं। स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। वह आखिरी बार 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेले थे। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। फुल्टन ने कहा, हमारा लक्ष्य होबार्ट में बेहतर प्रदर्शन करना और विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देना है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से तैयारी अच्छी हुई : फिलिप्स

चेन्नई। न्यूजीलैंड के हरफनमौला ग्लेन फिलिप्स का मानना है कि मेजबान भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलने से उनकी टीम को मौजूदा टी20 विश्व कप में परिस्थितियों को समझने और खुद को ढालने में काफी मदद मिली है। न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप से पहले भारत दौरे पर पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मुकाबलों की शृंखला खेली थी, जिसने उन्हें उपमहाद्वीप के हालात का अच्छा अनुभव मिला।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों भाग लेंगे 400 खिलाड़ी

एजेंसी

गुलमर्ग। खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) का दूसरा चरण 23 से 26 फरवरी तक यहां आयोजित किया जाएगा जिसमें देश भर से लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे।

स्की पर्वतारोहण, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग (क्रॉस-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग की चार पदक स्पर्धाओं में अंबाला, हैदराबाद, इंदौर, पुणे और मध्य प्रदेश जैसे स्थानों के प्रतियोगी समुद्र तल से लगभग 8,700 फीट ऊपर अपने कौशल का नमूना पेश करेंगे। इस प्रतियोगिता का पहला चरण पिछले महीने लेह में आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों को एक नए खेल आत्मविश्वास का प्रतीक बताया है, जिसमें 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर डोपिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण 2024 में पेरिस पैरालंपिक खेलों में नहीं खेल पाने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने हाल में विश्व खिताब जीतकर अपने करियर को नहीं दिशा दी है और उनकी निगाह अब एशियाई खेलों और 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों पर टिकी है।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने के लिए 18 महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए भगत ने पैरा विश्व चैंपियनशिप में एसएल3 श्रेणी में अपना छठा एकल स्वर्ण पदक जीतकर खुद को साबित किया। भगत ने इस तरह से लगातार चौथा एकल विश्व खिताब हासिल किया, लेकिन इसका भावनात्मक महत्व आंकड़ों से कहीं अधिक था।

भारत ए ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की

बैंकॉक। सीनियर टीम की गेंदबाज तनुजा कंवर और मिन्नू मणि के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने मंगलवार को यहां नेपाल को सात विकेट से हराकर महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा ने 12 रन देकर चार विकेट लिए जबकि मिन्नू ने आठ रन देकर तीन विकेट हासिल किये। इन दोनों स्पिनरों की शानदार गेंदबाजी से भारत ने नेपाल को 18 ओवर में केवल 78 रन पर आउट कर दिया। दिनेश वृंदा की 18 गेंदों पर नाबाद 39 रन की शानदार पारी से भारत ए ने महज 7.5 ओवर में तीन विकेट पर 82 रन बनाकर दो अंक हासिल किए। भारतीय टीम अब चार अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। इस ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम का फैसला यूएई और पाकिस्तान ए के बीच होने वाले मैच के बाद होगा।

पाकिस्तान के लिए करो या मरो का मुकाबला

एजेंसी

कोलंबो। अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में अभियान नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है और इससे नामीबिया के खिलाफ बुधवार को होने वाला मैच उसके लिए करो या मरो जैसा बन गया है।

एक समय पाकिस्तान सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन भारत से हार ने उसे बुरी तरह से झकझोर दिया है जिसके कारण उसे ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। विश्व कप में प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही सुपर आठ में पहुंचेंगी। पाकिस्तान वर्तमान में भारत और अमेरिका के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत ने तीन मैचों में तीन जीत के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि अमेरिका चार अंक और बेहतर रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है। नामीबिया से हार कागजों पर असंभव लगती है लेकिन पाकिस्तान की अस्थिर बल्लेबाजी को देखते हुए इसे पूरी तरह से नकारा भी नहीं जा सकता है।

इस मैच में हार से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और अमेरिका सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि पाकिस्तान जिस टीम का सामना करेगी वह अपने तीनों मैच हार चुकी है और ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर है। ऐसे में सारा ध्यान पाकिस्तान की बल्लेबाजी पर होगा जिसमें बाबर आजम, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, साइम अयूब और कप्तान सलमान अली आगा शामिल हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी में कमजोरी उजागर हो गई थी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की जोड़ी ने पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 13 रन कर दिया था। पाकिस्तान के मध्य क्रम ने कोई प्रतिरोध नहीं दिखाया और नामीबिया जैसी टीम के खिलाफ भी यह चिंताजनक संकेत है। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी भी संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने अपने दो ओवरों में 31 रन लुटाकर एक विकेट लिया। एकमात्र सकारात्मक पहलू साइम अयूब का रहा, जिन्होंने तीन विकेट लेकर भारत के शीर्ष क्रम को मुश्किल में डाल दिया था। नामीबिया के खिलाफ अफरीदी को शुरुआत में ही विकेट लेने होंगे क्योंकि पहले छह ओवरों में प्रमुख बल्लेबाजों को आउट करने से पाकिस्तान को मैच पर हावी होने का मौका मिल जाएगा। पाकिस्तान की पावरप्ले की कमजोरियां भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

नामीबिया पर हर हाल में करनी होगी जीत

फीफा विश्व कप से भी बढकर है भारत से मुकाबला : नीदरलैंड

अहमदाबाद। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम के सामने टी20 विश्व कप के आखिरी लीग मैच में नीदरलैंड कोई चुनौती नहीं है लेकिन डच टीम अपने दमदार प्रतिद्वंद्वी से भयभीत भी नहीं है। नीदरलैंड टीम एक लाख 32 हजार दर्शक क्षमता वाले दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेलने को लेकर रोमांचित है। अगर मैदान आधा भी भरा होगा तो डच फुटबॉल टीम की हौसलाअफजाई के लिये स्टेडियम आने वाले दर्शकों से यह संख्या अधिक होगी। नीदरलैंड टीम का मीडिया और मार्केटिंग देखने वाले जॉन वान व्लिएट ने पीटीआई से कहा, दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में भारत से खेलना हमारे लिये बहुत बड़ी बात है। कल का मैच देखने उससे ज्यादा दर्शक मौजूद होंगे जो फीफा विश्व कप में डच टीम के समर्थन के लिये मैदान में आते हैं। उन्होंने कहा, डच प्रायोजकों को इस पर ध्यान देना चाहिये जो अभी तक नहीं दिया है। स्टेडियम की सीटें नारंगी रंग की है जो नीदरलैंड टीम की जर्सी का रंग भी है। नीदरलैंड की कहानी 20 देशों के इस टी20 विश्व कप में भाग ले रही हर एसोसिएट टीम की कहानी है। टूर्नामेंट के पहले मैच से तीन दिन पहले नीदरलैंड को प्रायोजक मिला।

गोल्फ लीग की शुरुआत, बीबीडी रेंजर्स ने दर्ज की जीत

खेल संवाददाता

लखनऊ। शहर के प्रतिष्ठित लखनऊ गोल्फ क्लब में रविवार को लखनऊ गोल्फ लीग के पांचवें संस्करण का शानदार आगाज हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन क्लब अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्रा (आईपीएस) और क्लब कप्तान आरएस नंदा ने खिलाड़ियों की मौजूदगी में किया। उद्घाटन के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस बार लीग में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिससे मुकाबला पहले से ज्यादा रोमांचक होने की उम्मीद है। पहले दिन ही खिलाड़ियों ने

बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। दिन का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन अवध ईगल्स टीम का रहा। ईगल्स ने पीआर हुंडई जो रॉयल्स को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर जोरदार शुरूआत की।

मैच के दौरान ईगल्स के खिलाड़ियों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। टीम की ओर से वाहिद हसन सिद्दीकी, संजीव कुमार और स्वप्निल राज की जोड़ियों ने सधी हुई रणनीति और सटीक शॉट्स के दम पर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। शुरूआत से ही उन्होंने बढ़त बनाई और अंत तक उसे कायम रखा। दूसरा मुकाबला बीबीडी रेंजर्स और स्टिंगर्स के बीच खेला गया। यह मैच काफी रोमांचक रहा और आखिरी होल तक नतीजा साफ नहीं था। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन आखिर में बीबीडी रेंजर्स ने 3-2 से जीत दर्ज कर ली। रेंजर्स की ओर से बबली नंदा, मनोज कपूर और जोहेब सिद्दीकी की जोड़ियों ने अहम अंक जुटाए। उनकी सूझबूझ और संयम ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दिन का तीसरा मुकाबला पार सीकर्स और अमेजिंग ओरिजिन्स के बीच हुआ। यह मैच काफी कांटे का रहा और अंत तक बराबरी की टक्कर देखने को मिली।

दोनों टीमों ने एक-एक शॉट के लिए पूरा दम लगाया। आखिरकार मुकाबला 2.5-2.5 की बराबरी पर छूटा। इस ड्रॉ ने लीग को और दिलचस्प बना दिया है, क्योंकि आगे के मैचों में अंक तालिका का समीकरण बदल सकता है। पहले दिन के मुकाबलों ने साफ कर दिया है कि इस बार लीग में हर टीम खिताब जीतने के इरादे से उतरी है। आने वाले दिनों में दर्शकों को और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

समस्या-समाधान के लिए बना वॉर रूम

वैष्णव ने एआई शिखर सम्मेलन के पहले दिन हुई अव्यवस्था के लिए माफी मांगी

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के पहले दिन लंबी कतारों और भारी भीड़ से उपस्थित लोगों को हुई असुविधा के लिए मंगलवार को माफी मांगी और कहा कि सम्मेलन का संचालन सुचारू रूप से करने के लिए आयोजक लगातार काम कर रहे हैं। वैष्णव ने कहा कि शिखर सम्मेलन आयोजक लोगों की बात सुनने को तैयार हैं और मुद्दों के तुरंत समाधान के लिए एक वॉर रूम बनाया गया है।

मंत्री ने कहा कि आपकी जो भी प्रतिक्रिया है, कृपया हमारे साथ साझा करें। हम खुले विचारों वाले हैं। हमने एक वॉर रूम बनाया है...कोई भी समस्या हो, कृपया हमें बताएं। हम निश्चित रूप से इसे आसान बनाने और आप सभी के लिए इसे और अधिक सुविधाजनक बनाने के प्रयास करेंगे। वैष्णव ने कहा कि अगर कल किसी को कोई समस्या हुई हो, तो उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े एआई शिखर सम्मेलन को आयोजित करने के लिए पूरा दल दिन-रात काम कर रहा है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करेंगे कि यह सम्मेलन आप सभी के लिए आनंददायक हो। पहले दिन सम्मेलन में स्टार्टअप संस्थापक, वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय मेहमानों सहित हजारों लोग शामिल हुए। लेकिन भारी भीड़ के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई। लंबी कतारें लगीं, सुरक्षा जांच में देरी हुई, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने से पहले कुछ स्टॉल को अस्थायी रूप से खाली करना पड़ा। अफरा-तफरी की स्थिति के बीच कुछ लोगों ने सामान गुम होने या चोरी हो जाने की सूचना दी। दोपहर 12 बजे सुरक्षा कर्मी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो बजे आने की सूचना के बाद इलाके को सैनिटाइज करने और घेरने आए। मैंने उन्हें बताया कि हम नियो सेपियन में भारत का पहला पेटेंट वाला एआई वियरेबल बना रहे हैं और इसे दिखाने का अवसर चाहिए। उन्होंने बताया कि एक अधिकारी ने दूसरों से कहा कि उसे वहीं रहने दिया जाए, लेकिन तभी दूसरा समूह आया और उन्हें और उसकी टीम को तुरंत वहां से चले जाने का आदेश दिया। क्या हमें अपने वियरेबल ले जाने चाहिए? बाकी लोग तो लैपटॉप भी छोड़ रहे हैं, यहां इसका ध्यान रखा जाएगा। उन पर भरोसा करते हुए मैं चला गया। मैं उम्मीद कर रहा था कि वियरेबल सुरक्षित रहेंगे और शायद अगर मेरी किस्मत अच्छी रही, तो यह प्रधानमंत्री मोदी की नजर में भी आ जाए। उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को गेट 12 बजे से छह बजे तक बंद रहे। यादव ने बताया कि बाद में, उन्हें और उनकी टीम को पता चला कि वियरेबल चोरी हो गए हैं। उन्होंने लिखा सोचिए तो सही: हमने हवाई यात्रा, रहने का इंतजाम, सामान ले जाने की व्यवस्था और यहां तक कि स्टॉल तक के लिए खर्च किया है। लेकिन हमारे वियरेबल एक उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में गायब हो गए। अगर सिर्फ सुरक्षा कर्मी और अधिकारी ही वहां पहुंच सकते थे, तो ऐसा कैसे हुआ? यह बहुत ही निराशाजनक है। क्या यह वही एआई सम्मेलन है जो अपने ही निर्माताओं को नजरअंदाज कर देता है? प्रदर्शक, प्रतिनिधि और स्टार्टअप के संस्थापक बाहर ही रह गए। पानी की व्यवस्था नहीं थी, कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी।

मीडिया में उत्सव दिखाया गया, लेकिन हकीकत में स्थिति अराजक थी। अगर पहुंच केवल चुनिंदा महत्त्वपूर्ण मेहमानों तक सीमित थी, तो इसे पहले ही बता देना चाहिए था। पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को जुटाकर फिर उन्हें बाहर निकालना सही नहीं है।

जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लायेगी एआई प्रौद्योगिकी : अमिताभ कांत

नयी दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) एक अत्यंत परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी है जो जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लाएगी। उन्होंने वैश्विक असमानताओं को बढ़ने से रोकने के लिए एआई के सुलभ, किफायती, जवाबदेह और बहुभाषी होनी पर जोर दिया।

राष्ट्रीय राजधानी में एआई इम्पैक्ट समिट में उन्होंने कहा कि भारत ने कम समय में दशकों की प्रगति को पीछे छोड़ दिया क्योंकि इसकी प्रणालियां ओपन-सोर्स आर्किटेक्चर, ओपन एपीआई और वैश्विक पारस्परिकता पर आधारित हैं। भारत की अगली एक अरब आबादी के लिए एआई: समावेशी एवं भविष्य के लिए तैयार वृद्धि के लिए अंतरपीढ़ीगत अंतर्दृष्टि विषय पर आयोजित सत्र में उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अत्यंत परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी है। यह हर क्षेत्र को छुएगी, जीवन के हर तरीके को बदल देगी। इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि कृत्रिम मेधा सुलभ, किफायती एवं जवाबदेही हो। जी-20 के पूर्व शेरपा कांत ने कहा कि कृत्रिम मेधा में भारी निवेश हो रहा है, जिससे बड़ा व्यवधान उत्पन्न हो सकता है और समाज अत्यधिक असमान भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा प्रणालियां बहुभाषी होनी चाहिए, नहीं तो आबादी का बड़ा हिस्सा इससे अछूता रह जाएगा। कांत ने कहा कि चुनौती यह है कि क्या हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कृत्रिम मेधा गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों तक पहुंचे[8230] क्या इससे नागरिकों के जीवन में बदलाव आ सकता है क्या इससे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण जैसे वैश्विक स्तर की बड़ी समस्याओं में सुधार हो सकता है। कांत ने जोर देकर कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग कम विकसित देशों के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाए। जब भारत या कम विकसित देश अपने मॉडल तैयार करे।

संक्षेप

सीआरपीएफ की स्थापना दिवस परेड पहली बार असम में

गुवाहाटी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 21 फरवरी को पहली बार उत्तर पूर्व में अपनी स्थापना दिवस परेड का आयोजन करेगा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। शीर्ष अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समारोह में लगभग 1,400 जवानों वाली आठ टुकड़ियां बल के उपकरणों और अन्य तैयारियों का प्रदर्शन करेंगी। बल के उत्तर पूर्व क्षेत्र के विशेष महानिदेशक राजा श्रीवास्तव ने कहा, पहली बार, सीआरपीएफ उत्तर पूर्व में अपनी स्थापना दिवस के अवसर पर परेड आयोजित कर रहा है, जो इस इलाके के साथ उसके गहरे जुड़ाव और शांति, स्थिरता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उसकी सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शनिवार को होने वाली स्थापना दिवस परेड में अमित शाह जी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। यह मौका सीआरपीएफ जवानों की सेवा और बलिदान तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में उनके योगदान का सम्मान करने का होगा। श्रीवास्तव ने कहा कि महानिदेशक परेड बृहस्पतिवार को होगी जिसमें सीआरपीएफ के महानिदेशक जीपी सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। दोनों कार्यक्रम गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित होंगे।

सुधार गृह से फरार दो पाक नागरिकों को पकड़ा गया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में एक बाल सुधार गृह से सोमवार शाम को दो पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय गैंगस्टर फरार हो गया। तीन बंदियों के फरार होने के बाद कर्तव्य में कथित तौर पर लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने दोनों पाकिस्तानी नागरिकों को 24 घंटे के भीतर पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया, जबकि गैंगस्टर अभी फरार है। आरएस पुरा के डबलेहर निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सना-उल्ला व अहसान अनवर सोमवार शाम करीब सवा पांच बजे पुलिसकर्मियों पर हमला कर बाल सुधार गृह से फरार हो गए थे।

इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक सहायक उपनिरीक्षक समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया।

अमेरिका से परमाणु वार्ता के बीच ईरान ने अभ्यास के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य अस्थायी रूप से बंद किया

जिनेवा। अमेरिका और ईरान मंगलवार को जिनेवा में ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर दूसरे दौर की वार्ता कर रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है।

ईरान बड़े पैमाने पर समुद्री अभ्यास कर रहा है। इस बीच, ईरान ने कहा कि वह अपने सैन्य अभ्यास की वजह से कई घंटों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर रहा है। दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता की शुरुआत के साथ ही ईरानी मीडिया ने घोषणा की कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर मिसाइलें दागी हैं। इसने यह भी कहा कि ईरान सुरक्षा और समुद्री चिंताओं के कारण जलडमरूमध्य को कई घंटों के लिए बंद कर रहा है। अमेरिका द्वारा ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दिए जाने के बाद से यह पहली बार है कि ईरान ने जलडमरूमध्य के हिस्सों को बंद किया है, जो एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। ईरान ने सोमवार को उन जलमार्गों में समुद्री सैन्य अभ्यास की घोषणा की जो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग हैं और जिनके माध्यम से दुनिया के 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। तेहरान ने पूर्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में गोलीबारी का अभ्यास किया था, लेकिन उसने इस महत्वपूर्ण मार्ग को बंद करने की घोषणा नहीं की थी। दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता में ओमानी मध्यस्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ईरान के सरकारी टीवी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत अप्रत्यक्ष होगी और इसमें केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

पाकिस्तान: आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों द्वारा एक जांच चौकी पर विस्फोटक से भरी गाड़ी से किये गये आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक बच्चे की मौत हो गयी। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले में एफसी जांच चौकी पर हुए इस घातक आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी टीटीपी ने ली है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, 16 फरवरी को बाजौर जिले में फितना अल ख्वारिज से जुड़े ख्वारिजों ने सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की संयुक्त जांच चौकी पर एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का प्रयास किया। सरकार फितना-अल-ख्वारिज शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लिए करती है। एक बयान के मुताबिक, सुरक्षा बलों की जवाबी कार्वाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

सीतारमण, नॉर्वे के वित्त मंत्री स्टोलटेनबर्ग ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर की चर्चा

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, विशेष रूप से सौर ऊर्जा, दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण और कार्बन कैप्चर एवं भंडारण में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

ओस्लो में सीतारमण के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक में, स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि निवेश और विकास के लिए कई अवसर प्रदान करती है। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, दोनों नेताओं ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, विशेष रूप से सौर ऊर्जा, दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण और कार्बन कैप्चर एवं भंडारण क्षेत्र में मिलकर काम करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विशेष रूप से समुद्री अर्थव्यवस्था और हरित अर्थव्यवस्था के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) का लाभ उठाने की दिशा में काम करने पर सहमति जतायी।

स्टोलटेनबर्ग ने सीतारमण को यह भी बताया कि नॉर्वे इस वर्ष के अंत में होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी की कि इससे भारत और नॉर्वे के बीच सहयोग और बढ़ेगा।

कृत्रिम मेधा से 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा भारत : प्रधान

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के युवाओं से कृत्रिम मेधा (एआई) की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने का मंगलवार को आह्वान करते हुए कहा कि यह प्रौद्योगिकी विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

प्रधान ने यहां एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए भावी पीढ़ी से कहा कि वे कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को बढ़ाएं, एक साथ काम करने की भावना को मजबूत करें और इस प्रौद्योगिकी से उत्पन्न होने वाली व्यापक संभावनाओं का पता लगाएं। प्रधान ने कहा कि भारत के बहुआयामी, बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी स्वरूप के साथ-साथ उसकी समृद्ध विरासत एवं इतिहास को देखते हुए कृत्रिम मेधा देश के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि जटिलताओं को समझने और उनसे निपटने में कृत्रिम मेधा एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। मंत्री ने कहा कि कृत्रिम मेधा हमें एक महत्वपूर्ण अवसर दे रही है। हमारा समाज बहुआयामी, बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी है जिसकी समृद्ध विरासत एवं इतिहास है। इसकी जटिलताओं और बहुआयामिता को समझने में कृत्रिम मेधा अहम साधन बन सकती है। मंत्री ने युवाओं से कृत्रिम मेधा की गहरी समझ विकसित करने और इससे मिलने वाले व्यापक अवसरों को अपनाने का आग्रह किया तथा कहा कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। डरने की कोई वजह नहीं है। विश्वविद्यालय, स्टार्टअप और बड़ी कंपनियां मिलकर एक बड़ा दृष्टिकोण तैयार करें। आने वाले समय में युवाओं के नेतृत्व में भारत कृत्रिम मेधा आधारित वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में उभरेगा। प्रधान ने कहा कि देश ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प लिया है और देश को विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की इस यात्रा में कृत्रिम मेधा प्रमुख भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा सामूहिक लक्ष्य है कि 2047 तक भारत, विकसित राष्ट्र या विकसित अर्थव्यवस्था बने और इस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता कृत्रिम मेधा से होकर ही गुजरता है।

इंटरटेनमेंट...

फिल्म : 'द केरल स्टोरी 2' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई। फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 3 मिनट 27 सेकेंड का यह ट्रेलर पहले पार्ट से ज्यादा गंभीर और इंटेंस नजर आता है। इसमें तीन अलग-अलग राज्यों में धर्मांतरण से जुड़ी कहानियों को दिखाया गया है। यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों उल्का

- तीन राज्यों की तीन कहानियां और प्यार के नाम पर धर्मांतरण; 27 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा की झकझोर देने वाली कहानी को सामने लाती है। उनकी जिंदगी तब खौफनाक मोड़ लेती है, जब वे तीन मुस्लिम लड़कों के प्यार में पड़ जाती हैं और धीरे-धीरे उन रिश्तों के पीछे कथित तौर पर धर्म परिवर्तन का एक सोचा-समझा एजेंडा सामने आता है। ट्रेलर की शुरूआत एक रोंगटे खड़े कर देने वाली चेतावनी से होती है, जिसमें कहा जाता है कि अगले 25 सालों में भारत एक इस्लामिक स्टेट में बदल सकता है। इसके बाद कहानी राजस्थान की ओर बढ़ती है, जहां एक हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन में पॉक्सो के तहत शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है। परिवार का आरोप है कि उनकी 16 साल की बेटी का जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है।

माता-पिता का दर्द और बेबसी कहानी की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसके बाद कहानी मध्य प्रदेश पहुंचती है, जहां कथित तौर पर एक हिंदू युवती को प्रेम और शादी के नाम पर धोखे से फंसाया जाता है और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है। उसकी खामोश पीड़ा, अकेलापन और टूटा हुआ भरोसा ट्रेलर में एक भावनात्मक और डरावना माहौल तैयार करता है। फिर कहानी केरल में जाती है, जहां एक युवक अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड से साथ रहने की बात करता है। लेकिन जब लड़की साफ कह देती है कि वह अपना धर्म नहीं बदलेगी।

चेक बाउंस मामले में अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

मुंबई। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव के बाद अब एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 के एक इवेंट विवाद से जुड़े मामले में मुरादाबाद की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। हालांकि, इन खबरों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमीषा पटेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, मीडिया में मुरादाबाद में पवन वर्मा द्वारा की गई कुछ कार्यवाही को लेकर खबरें चल रही हैं। मैं सभी को बताना चाहती हूं कि यह बहुत पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने सालों पहले समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी सहमति राशि प्राप्त कर ली थी।

फिल्म : ओ रोमियो ने बॉक्स ऑफिस पर कमाये 5 करोड़

मुंबई। फिल्म ओ रोमियो को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार यानी चौथे दिन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 5.10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की अब तक की कुल कमाई 39.61 करोड़ पहुंच गई है। फिल्म के मेकर्स ने सोमवार को वैलेंटाइन डे के मौके पर बाय वन गेट वन का खास ऑफर दिया था। इस ऑफर की वजह से देशभर के कई प्रमुख सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में कई लोग फिल्म को देखने पहुंचे थे। फिल्म की कहानी 1995 के मुंबई में सेट है, जहां अपराध और सत्ता का खेल खुलेआम खेला जा रहा है। शाहिद कपूर उस्तरा नाम के एक खतरनाक सुपारी किलर बने हैं, जो समुद्र किनारे एक पुराने जहाज में रहता है। वह अपराधियों को मारता है, लेकिन उसके अपने नियम हैं। इंस्पेक्टर खान (नाना पाटेकर) के साथ उसका रिश्ता भी सीधा नहीं है, बल्कि जरूरत और मजबूरी से जुड़ा हुआ है। उस्तरा की दुनिया में अफशां (तृप्ति डिमरी) की एंट्री होती है।

'धुरंधर 2' की शूटिंग में नियमों के उल्लंघन का आरोप

मुंबई। डायरेक्टर आदित्य धर के प्रोडक्शन हाउस बी62 स्टूडियोज को सोमवार को मुंबई में फिल्म धुरंधर 2 की शूटिंग की परमिशन लेने से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने फिल्म की शूटिंग के दौरान सुरक्षा नियमों के बार-बार

- आदित्य धर का प्रोडक्शन हाउस ब्लैकलिस्ट, बीएमसी ने की कार्रवाई

उल्लंघन का आरोप लगाया है। कंपनी अब महाराष्ट्र फिल्म, स्टेज एंड कल्चरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड से अनुमति नहीं ले सकेगी। द इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में बीएमसी के अधिकारियों के हवाले बताया कि बीएमसी के जोन 1 के डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर ने बी62 स्टूडियोज और दो अन्य आवेदकों कोमल पोखरियाल और नासिर खान को स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट करने की मंजूरी दे दी है। बीएमसी ने इमारत की टेरेस पर शूटिंग करने और बिना अनुमति दो जनरेटर वैन इस्तेमाल करने के लिए 1 लाख जुमार्ने की सिफारिश की है। इसके साथ ही 25,000 की सिक्योरिटी डिपॉजिट जब्त करने की भी मांग की गई है।

नगर निगम के अनुसार, प्रोडक्शन हाउस ने 7 और 8 फरवरी के बीच शूटिंग की अनुमति मांगी थी। 30 जनवरी को ए वार्ड के मोदी स्ट्रीट और पेरिन नरिमन स्ट्रीट पर शूटिंग की अनुमति दी गई थी। फिल्म प्रोडक्शन कंपनी इ62 स्टूडियोज की स्थापना 2019 में आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने की थी। अधिकारियों का दावा है कि सेट पर पुलिस विभाग की शर्तों का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। अनुमति में पटाखे और ज्वलनशील सामग्री के इस्तेमाल पर रोक थी। उल्लंघन के बाद डिपॉजिट जब्त कर ब्लैकलिस्ट की चेतावनी दी गई थी।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com